नई दिल्ली । शनिवार, 02 मई, 2026
ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष प्रतिपदा, सिद्धार्थि संवत्सर विक्रम संवत 2083
वर्ष :12, अंक :116 / मूल्य 3.00 रुपए । पृष्ठ 12

दैनिक
विश्व केसरी
नई दिल्ली संस्करण
सिर्फ पत्रकारिता...
vishwakesari.com
@vishwakesariTV
@vishwakesari
vishwakesari_news
आर. एन. आई. संख्या डीईएलएच आईएन/2015/61415

@ खेल आईपीएल 2026: जीत की राह पर लौटना चाहेंगी...
@ विचार पीएचडी : उपाधि नहीं, ज्ञान-सृजन की निरंतर यात्रा...
@ व्यापार 2000 रुपए के नोटों की वापसी की घोषणा के बाद...

पंजाब विधानसभा में सरकार का विश्वास मत पास

भगवंत मान के ब्रेथ एनालाइजर टेस्ट की मांग पर हंगामा

एजेंसी ■ चंडीगढ़

पंजाब सरकार ने श्रमिक दिवस पर विधानसभा का विशेष सत्र बुलाया। पंजाब में आम आदमी पार्टी के विधायकों के पार्टी छोड़ने की अटकलों के बीच सीएम भगवंत मान ने पंजाब सरकार का विश्वास मत पेश किया। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने श्रमिकों को बड़ा तोहफा देते हुए न्यूनतम मजदूरी में 15 प्रतिशत बढ़ोतरी का ऐलान किया। उन्होंने कहा कि यह फैसला सरकारी और निजी दोनों क्षेत्रों में लागू होगा।

विधानसभा में ध्वनि मत से विश्वास मत पास हुआ। इस दौरान भाजपा, कांग्रेस और अकाली दल ने वॉकआउट कर दिया था, जिससे विश्वासमत सर्वसम्मति से पास हो गया है। ऐसे में अब भगवंत मान की सरकार को 6 महीने तक कोई खतरा नहीं है।

इस दौरान विधानसभा में बोलते हुए भगवंत मान ने कहा कि आम आदमी पार्टी पूरी तरह मजबूत और एकजुट है। 'आप का झाड़ू' भारत की राजनीति की सफाई करता रहेगा।

इससे पहले विधानसभा में मुख्यमंत्री

भगवंत मान ने कहा कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मजदूरों के घरों और उनकी जिंदगी के हालात बदल सकती है। उन्होंने एक बार फिर शिक्षा के महत्व को दोहराते हुए कहा कि गरीब परिवारों के बच्चे परीक्षाओं में सफलता हासिल कर रहे हैं, जो इस बात का प्रमाण है कि सही अवसर मिलने पर हर बच्चा आगे बढ़ सकता है। उन्होंने सरकारी स्कूलों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। पंजाब विधानसभा उस समय हंगामा हो गया, जब मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस ने मुख्यमंत्री भगवंत मान समेत सभी विधायकों का ब्रेथ एनालाइजर और डोप टेस्ट कराने की मांग उठाई। अंतरराष्ट्रीय मजदूर दिवस के मौके पर बुलाए गए इस सत्र में सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच तीखी बहस के बाद कांग्रेस विधायकों ने वॉकआउट कर दिया।

विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष प्रताप सिंह बाजवा ने मुख्यमंत्री भगवंत मान पर सदन में नशे की हालत में आने का आरोप लगाते हुए सभी विधायकों का बंद कमरे में अल्कोहल टेस्ट कराने की मांग की। कांग्रेस का कहना था कि सदन की कार्यवाही के दौरान कुछ सदस्यों के व्यवहार और शारीरिक स्थिति को लेकर सवाल उठे हैं, इसलिए पारदर्शिता और जवाबदेही बनाए रखने के लिए मेडिकल जांच जरूरी है। वॉकआउट के बाद कांग्रेस के कई विधायक स्पीकर के दफ्तर पहुंच गए और सभी विधायकों का 'अल्कोमीटर' टेस्ट कराने की मांग पर अड़ गए, जिससे विधानसभा परिसर में तनाव और बढ़ गया।

सदन के भीतर तीखी नोकझोंक देखने को मिली। विपक्ष पर कार्यवाही में बाधा डालने और सदन की गरिमा कम करने के आरोप लगे। स्थिति संभालने के लिए स्पीकर को कई बार हस्तक्षेप करना पड़ा। हालांकि इसके विपक्षी दलों ने सदन विधानसभा परिसर में प्रदर्शन भी किया।

जम्मू के बंतालाब में गिरा निर्माणाधीन पुल का हिस्सा

जम्मू। जम्मू के बनतालाब में शुक्रवार को एक पुल गिरने से 5 लोगों के दबे होने की आशंका है। पुलिस, सेना और लोकल एडमिनिस्ट्रेशन की टीमें तुरंत मौके पर पहुंच गईं। मलबे में फंसे लोगों को सुरक्षित बाहर निकालने के लिए रेस्क्यू ऑपरेशन चल रहा है।

अब तक मलबे से एक मजदूर को बचाया गया है। भाजपा विधायक शाम लाल शर्मा ने कहा कि चार और मजदूर अभी भी फंसे हुए हैं। उन्होंने आगे कहा कि यह एक पुराना पुल था जिसकी नींव कमजोर हो गई थी।

एक टेंडर जारी किया गया था और नींव को मजबूत करने का काम शुरू हो गया था। खुदाई के काम के दौरान, एक गाड़ी के ऊपर से गुज़रने की वजह से पुल गिर गया। अधिकारियों ने कहा कि रेस्क्यू ऑपरेशन पूरा होने के बाद ही हादसे की सही वजह का पता चलेगा।

संक्षिप्त खबरें

जबलपुर क्रूज हादसा: पीएम मोदी ने जताया दुख, पीड़ितों के लिए की अनुग्रह राशि की घोषणा

एजेंसी ■ जबलपुर

मध्य प्रदेश के जबलपुर जिले में बरगी बांध पर हुई दुखद क्रूज दुर्घटना पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को शोक व्यक्त किया और मृतकों के परिजनों के लिए आर्थिक मदद की भी घोषणा की। इस हादसे में जान गंवाने वाले लोगों की संख्या बढ़कर 9 हो गई है और अभी कम से कम चार यात्री लापता हैं।

प्रधानमंत्री कार्यालय की ओर से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया गया कि पीएम मोदी ने जान-माल के नुकसान को 'बेहद दुखद' बताया और पीड़ित परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की। उन्होंने घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की भी कामना की। पीएम ने 'एक्स' पर लिखा कि मध्य प्रदेश के जबलपुर में क्रूज पलटने से हुई जान-माल की हानि बेहद दुखद है। इस दुखद दुर्घटना में जिन लोगों ने अपने प्रियजनों को खो दिया है, उनके प्रति मैं अपनी संवेदना व्यक्त करता हूं। मैं घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूं। स्थानीय प्रशासन प्रभावित लोगों की सहायता कर रहा है। प्रधानमंत्री ने पीड़ितों के लिए आर्थिक सहायता की भी घोषणा की। उन्होंने आगे लिखा कि प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष (पीएमएनआरएफ) से प्रत्येक मृतक के परिजन को दो लाख रुपये की अनुग्रह राशि दी जाएगी। घायलों को 50,000 रुपये दिए जाएंगे।

वहीं, छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा कि मध्य प्रदेश के जबलपुर में हुए क्रूज हादसे का समाचार अत्यंत दुखद एवं पीड़ादायक है।

मतगणना से पहले सुप्रीम कोर्ट पहुंची टीएमसी

केंद्रीय पर्यवेक्षकों की तैनाती पर हाईकोर्ट से रद्द हुई थी याचिका

एजेंसी ■ कोलकाता

पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव के मतों की गणना से पहले सत्ताधारी दल तृणमूल कांग्रेस ने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया है। बता दें कि, बीते दिन कलकत्ता हाईकोर्ट ने टीएमसी की उस याचिका को खारिज कर दिया था, जिसमें पार्टी ने पर्यवेक्षकों की तैनाती पर आपत्ति जताई थी। तृणमूल कांग्रेस ने सर्वोच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया है। यह कदम कोलकाता उच्च न्यायालय के एक आदेश के खिलाफ उठाया गया है। उच्च न्यायालय ने 30 अप्रैल को तृणमूल कांग्रेस की याचिका को खारिज कर दिया था।

यह याचिका पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव की मतगणना से संबंधित थी। तृणमूल कांग्रेस ने मतगणना में पर्यवेक्षकों की तैनाती पर आपत्ति जताई थी। पार्टी ने केवल केंद्र सरकार के कर्मचारियों को पर्यवेक्षक बनाने के फैसले को चुनौती दी थी। इसमें सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों (पीएसयू) के कर्मचारी भी शामिल थे।

पश्चिम बंगाल : 15 मतदान केंद्रों पर आज री-पोलिंग, चुनाव आयोग का आदेश

कोलकाता। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 के तहत दक्षिण 24 परगना जिले की दो विधानसभा सीटों के 15 मतदान केंद्रों पर 2 मई को दोबारा मतदान कराया जाएगा। चुनाव आयोग ने 29 अप्रैल को हुए मतदान को इन केंद्रों पर रद्द घोषित करते हुए पुनर्मतदान का आदेश जारी किया है।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी, पश्चिम बंगाल को भेजे गए पत्र में चुनाव आयोग ने कहा कि 142-मगराहाट पश्चिम और 143-डायमंड हार्बर विधानसभा क्षेत्रों के रिटर्निंग अधिकारियों और प्रेक्षकों (ऑब्जर्वर्स) की रिपोर्ट के आधार पर यह फैसला लिया गया है। आयोग ने जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 58(2) के तहत 29 अप्रैल को इन मतदान केंद्रों पर हुए मतदान को निरस्त कर दिया है।

आयोग के आदेश के अनुसार, 2 मई 2026 को इन सभी 15 मतदान केंद्रों पर सुबह 7 बजे से शाम 6 बजे

तक दोबारा मतदान होगा। 142-मगराहाट पश्चिम विधानसभा क्षेत्र के 11 मतदान केंद्रों पर पुनर्मतदान होगा। इनमें उत्तर येरपुर एफ.पी. स्कूल (कमरा संख्या 2), नाजरा एफ.पी. स्कूल (कमरा संख्या 1 और 2), देउला एफ.पी. स्कूल (कमरा संख्या 1), घोला नोयापारा गर्ल्स हाई मदरसा (कमरा संख्या 2), एकतारा मलाया एफ.पी. स्कूल (कमरा संख्या 1 और 2), एकतारा मलाया धोरा एफ.पी. स्कूल (कमरा संख्या 1), बाहिरपुया कुरकुरिया एफ.पी. स्कूल (कमरा संख्या 1, 2 और 3) शामिल हैं।

वहीं, 143-डायमंड हार्बर विधानसभा क्षेत्र के 4 मतदान केंद्रों पर भी पुनर्मतदान कराया जाएगा। इनमें बगदा जूनियर हाई स्कूल, चंदा एफ.पी. स्कूल (कमरा संख्या 2), हरिदेवपुर एफ.पी. स्कूल और रॉयनगर एफ.पी. स्कूल (कमरा संख्या 2) शामिल हैं।

चुनाव आयोग ने निर्देश दिया है कि पुनर्मतदान की जानकारी संबंधित इलाकों में व्यापक रूप से दी जाए। इसके लिए लोगों को सूचना देने और सभी उम्मीदवारों को लिखित रूप से पुनर्मतदान की जानकारी देने को कहा गया है।

यूपी-बिहार-कर्नाटक में 2 दिन में आंधी-बारिश से 32 की मौत

राजस्थान-महाराष्ट्र में पारा 44°C पार

एजेंसी ■ नई दिल्ली

पिछले 15 दिन से भीषण गर्मी झेल चुके देश के बड़े हिस्से में तेज हवाओं के साथ बारिश से कुछ राहत मिली। उत्तर प्रदेश, दिल्ली, बिहार, झारखंड में आंधी-बारिश और ओले गिरने से तापमान में 3-5°C तक की गिरावट हुई।

यूपी में पिछले दो दिनों के दौरान आंधी-बारिश से 17 लोगों की मौत हो गई। बिहार में भी 5 लोगों की मौत हुई है। कर्नाटक के बेंगलुरु में बुधवार रात तेज बारिश और आंधी के दौरान हुई अलग-अलग घटनाओं में मरने वालों की संख्या 10 हो गई है। हिमाचल प्रदेश के चंबा जिले के चुराह में

गुरुवार को पहाड़ से ग्लेशियर टूटकर अचानक सड़क पर गिर गया। इस दौरान वहां सड़क से बर्फ हटाने में जुटे कर्मचारी और मजदूरों ने भागकर किसी तरह जान बचाई। हालांकि, राजस्थान और महाराष्ट्र में गर्मी से कोई राहत नहीं मिली है। गुरुवार को महाराष्ट्र का चंद्रपुर देश में सबसे गर्म जगह रही। यहां तापमान 44.6°C दर्ज हुआ। राजस्थान के बाड़मेर और जैसलमेर में 44°C तापमान रहा।

आशुतोष गोवारिकर 57वें भारतीय अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव के निदेशक नियुक्त

नई दिल्ली। भारत सरकार के सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने गोवा में होने वाले भारतीय अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (आईएफएफआई) के 57वें संस्करण के लिए फिल्म निर्माता-निर्देशक आशुतोष गोवारिकर को महोत्सव निदेशक नियुक्त किया है।

गोवारिकर 'लगान', 'स्वदेश', 'जोधा अकबर' जैसी चर्चित फिल्मों का निर्देशन कर चुके हैं। उन्होंने भारतीय सिनेमा को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान दिलाई है। आईएफएफआई के साथ उनका लंबा जुड़ाव रहा है। साल 1984 में उन्होंने इस महोत्सव में पहली बार भाग लिया था और 2024 में अंतरराष्ट्रीय सिनेमा जूरी के अध्यक्ष के रूप में भी सेवा कर चुके हैं। आशुतोष गोवारिकर ने अपनी नियुक्ति पर खुशी जताते हुए कहा, 'गोवा में आयोजित होने वाले प्रतिष्ठित 57वें भारतीय अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव के निदेशक के रूप में सेवा करना मेरे लिए अत्यंत गौरव और खुशी की बात है। इस महोत्सव के विकास का साक्षी बनना मेरे लिए सौभाग्य की बात है। 1984 से लेकर 2024 तक इसमें जुड़े रहना मेरे लिए

यादगार अनुभव रहा है।'

उन्होंने कहा, '1952 से चली आ रही इस विरासत को आगे बढ़ाना मेरे लिए बड़ा सम्मान है, साथ ही जिम्मेदारी का नया अहसास भी है। मैं सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय और गोवा सरकार के साथ मिलकर काम करने के लिए उत्सुक हूं।' भारतीय अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (आईएफएफआई) एशिया के सबसे पुराने और प्रतिष्ठित फिल्म उत्सवों में से एक है। यह 1952 में शुरू हुआ था और अब दक्षिण एशिया का सबसे बड़ा सिनेमा उत्सव माना जाता है। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के अधीन राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम (एनएफडीसी) और गोवा सरकार के सहयोग से यह महोत्सव हर साल आयोजित होता है।

ट्रम्प बोले- ईरान को परमाणु हथियार नहीं बनाने देंगे

एजेंसी ■ तेहरान

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने एक बार फिर कहा है कि ईरान को परमाणु हथियार बनाने नहीं दिया जा सकता। उन्होंने कहा कि अगर आप (दुनिया) इससे सहमत हैं, तो मैंने जो किया वह पूरी तरह सफल रहा, क्योंकि हमारी सेना ने उन्हें पूरी तरह कमजोर कर दिया।

ट्रम्प ने आरोप लगाया कि ईरान की सरकार ने वहां विरोध प्रदर्शन करने वाले 42,000 बेगुनाह और निहत्थे लोगों की हत्या की है। यह एक उग्रवादी समूह है, लेकिन हमने उन्हें पूरी तरह कमजोर कर दिया है और उनकी अर्थव्यवस्था चौपट हो चुकी है।

वहीं, अमेरिका पहली बार ईरान के खिलाफ हाइपरसोनिक मिसाइलों का इस्तेमाल कर सकता है। अमेरिका की सेंट्रल कमांड के कमांडर ने राष्ट्रपति ट्रम्प को ईरान के खिलाफ संभावित हमला करने के विकल्पों की जानकारी दी है।

फॉक्स न्यूज के मुताबिक एडमिरल ब्रैड कूपर ने व्हाइट हाउस के सिचुएशन

रूम में ट्रम्प के साथ बैठक में ये विकल्प पेश किए। इसमें बताया गया कि अगर ट्रम्प दोबारा हमले का फैसला लेते हैं, तो एक 'छोटा लेकिन बहुत ताकतवर हमला' किया जा सकता है।

ट्रम्प की धमकी: ट्रम्प ने ट्रूथ सोशल अकाउंट पर अपनी फोटो शेयर कर कहा, तूफान आगे बढ़ रहा है। इसे कोई रोक नहीं पाएगा।

ईरान का जवाब: सुप्रीम लीडर मुजतबा खामेनेई ने कहा, हम हमलावरों को समंदर में डुबो देंगे। फारस की खाड़ी में उनके लिए कोई जगह नहीं है।

तेल की कीमत बढ़ी: गुरुवार को कच्चे तेल की कीमत तेजी से बढ़कर करीब 126 डॉलर प्रति बैरल को पार कर गई। यह 4 साल में सबसे ज्यादा थी। बाद में यह कम होकर 115 के करीब पहुंची।

मुजतबा की सेहत पर सस्पेंस: मुजतबा खामेनेई की सेहत को लेकर अब भी साफ जानकारी सामने नहीं आई है। वह अभी तक कभी सार्वजनिक तौर पर नजर नहीं आए हैं।

अमेरिकी एयरक्राफ्ट लौटा: दुनिया का सबसे बड़ा एयरक्राफ्ट कैरियर यूएसएस जेराल्ड आर फोर्ड अब 300 दिनों से ज्यादा की रिकॉर्ड तैनाती के बाद अमेरिका लौट रहा है।

एमपी के क्रूज हादसे में पायलट समेत 3 बर्खास्त

बरगी डैम में 9 शव मिले, 3 बच्चों समेत 4 अब भी लापता

एजेंसी ■ जबलपुर

मध्य प्रदेश के जबलपुर स्थित बरगी डैम में गुरुवार शाम करीब 5 बजे पर्यटन विभाग का एक क्रूज अचानक आई तेज आंधी के चलते डूब गया। अब तक 9 शव मिल चुके हैं।

प्रशासन के मुताबिक, 28 लोगों को बचा लिया गया है। तीन बच्चों सहित 4 लोग लापता हैं। शुक्रवार शाम तक लापता लोगों का पता नहीं चल सका। रेस्क्यू के दौरान वहां तेज बारिश भी होने लगी। इसके बाद सर्चिंग रोक दी गई है। रात में दोबारा सर्चिंग की जाएगी।

इधर, जबलपुर के बरगी जलाशय में हुए दुखद क्रूज हादसे के बाद प्रशासन ने लापरवाही के मामले में कड़ा कदम उठाया है। क्रूज पायलट महेश पटेल, हेल्पर छोटेलाल गोंड और टिकट काउंटर प्रभारी बृजेंद्र की सेवाएं तत्काल प्रभाव से समाप्त कर दी गई हैं।

वहीं, होटल मैकल रिसॉर्ट और बोट क्लब बरगी के मैनेजर सुनील मरावी को कार्य में लापरवाही के आरोप में निलंबित किया गया है। रीजनल मैनेजर संजय मल्होत्रा को मुख्यालय अटैच कर उनके खिलाफ विभागीय जांच शुरू कर दी गई है। मुख्यमंत्री ने कहा है कि इस मामले में दोषियों को किसी भी स्थिति में बख्शा नहीं जाएगा। साथ ही, पीड़ितों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए शासन ने हर संभव सहायता देने का भरोसा दिलाया है। बताया जा रहा है कि हादसे के वक्त क्रूज में लगभग 43 से 47 पर्यटक थे। टिकट सिर्फ 29 लोगों की कटी थी। हादसा किनारे से करीब 300 मीटर दूर हुआ, जिस समय क्रूज डूबा, उस वक्त हवा की रफ्तार 74 किलोमीटर प्रतिघंटा थी। बरगी सिटी सीएसपी अंजुल मिश्रा के मुताबिक, एसडीआरएफ ने कई लोगों को बचाया, लेकिन अंधेरा और खराब मौसम से राहत कार्य प्रभावित हुआ।

विश्व शांति और नशामुक्ति के संदेश के साथ श्री राम कॉलेज ऑफ कॉमर्स की शताब्दी दौड़

नई दिल्ली। देश के अग्रणी वाणिज्य महाविद्यालय श्री राम कॉलेज ऑफ कॉमर्स, दिल्ली ने अपने शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में मंगलवार को 'सेंटेनरी रन फॉर वर्ल्ड पीस' का आयोजन किया। इस अवसर पर 700 से अधिक छात्र-छात्राओं, शिक्षकों और पूर्व छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर विश्व शांति और नशामुक्त समाज का संदेश दिया।

उत्तर दिल्ली परिसर में आयोजित इस दौड़ को कॉलेज की पूर्व छात्रा एवं अर्जुन पुरस्कार विजेता, आशा अग्रवाल, ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। कार्यक्रम में कॉलेज की प्राचार्या, प्रो. सिमरित कौर, ने प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन करते हुए युवाओं से नशे से दूर रहने का संकल्प लेने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि महाविद्यालय अपने ड्रग डी-एडिक्शन कार्यक्रम के माध्यम से स्वस्थ और जागरूक समाज के निर्माण के लिए प्रतिबद्ध है।

इस कार्यक्रम का सफल आयोजन कॉलेज के शारीरिक शिक्षा विभाग द्वारा किया गया। आयोजन में विभागाध्यक्ष एवं संयोजक, प्रो. कुलजीत कौर, आयोजन सचिव देवराज कुमार, श्री राम कॉलेज ऑफ कॉमर्स सेंटेनरी रन आयोजन सचिव तथा फैकल्टी सलाहकार प्रो. रीना चड्ढा, श्री राम कॉलेज ऑफ कॉमर्स फैकल्टी सलाहकार प्रो. प्रियंका भाटिया एवं श्री राम कॉलेज ऑफ कॉमर्स फैकल्टी सलाहकार यतेंद्र शर्मा की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

दौड़ के आयोजन में महाविद्यालय के प्रतिष्ठित पूर्व छात्रों पवन जग्गी और सुधीर बिली गुप्ता सहित अन्य सहयोगियों ने व्यवस्थागत सहयोग प्रदान किया। वहीं, चिकित्सा सहायता की जिम्मेदारी संत निरंकारी चैरिटेबल फाउंडेशन ने संभाली। यातायात और सुरक्षा व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए दिल्ली पुलिस के इंस्पेक्टर यशपाल भाटी और इंस्पेक्टर मुनीम गुर्जर ने विशेष समन्वय किया।

शताब्दी वर्ष में आयोजित इस विशेष दौड़ ने यह संदेश दिया कि श्री राम कॉलेज ऑफ कॉमर्स शिक्षा के साथ-साथ सामाजिक जागरूकता, स्वास्थ्य और विश्व शांति के मूल्यों को भी आगे बढ़ाने के लिए निरंतर प्रयासरत है।

सीओएएस उपेंद्र द्विवेदी और अस्त्रयान की अहम बैठक, भारत-आर्मेनिया रक्षा सहयोग पर जोर

नई दिल्ली। चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ (सीओएएस) जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने शुक्रवार को नई दिल्ली में आर्मेनिया की सशस्त्र सेनाओं के चीफ ऑफ जनरल स्टाफ लेफ्टिनेंट जनरल एडवर्ड अस्त्रयान से मुलाकात की।

इस दौरान दोनों के बीच मौजूदा वैश्विक रणनीतिक हालात, रक्षा सहयोग को मजबूत करने, सैन्य सहयोग बढ़ाने और आपसी हितों वाले क्षेत्रों में मिलकर काम करने पर बातचीत हुई।

भारतीय सेना के एडीजीपीआई (भारतीय सेना के अतिरिक्त जन सूचना महानिदेशालय) ने सोशल मीडिया अकाउंट 'एक्स' पर बताया, 'लेफ्टिनेंट जनरल एडवर्ड अस्त्रयान ने सीओएएस जनरल उपेंद्र द्विवेदी से मुलाकात की। बातचीत में मौजूदा रणनीतिक हालात, भारत-आर्मेनिया रक्षा सहयोग को मजबूत करने, सैन्य साझेदारी बढ़ाने और आपसी हितों वाले क्षेत्रों में सहयोग पर ध्यान दिया गया।'

इस समय भारत के आधिकारिक दौरे पर आए लेफ्टिनेंट जनरल अस्त्रयान ने इससे पहले रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह से भी मुलाकात की थी, जिसमें रक्षा सहयोग से जुड़े मुद्दों पर चर्चा हुई।

आर्मेनिया के रक्षा मंत्रालय ने 'एक्स' पर लिखा, 'भारत दौरे के दौरान आर्मेनिया के रक्षा उपमंत्री और सशस्त्र बलों के चीफ ऑफ जनरल स्टाफ लेफ्टिनेंट जनरल एडवर्ड अस्त्रयान ने भारत के रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह से मुलाकात की। इस दौरान दोनों देशों के बीच रक्षा सहयोग पर बातचीत हुई।'

इससे पहले मंगलवार को लेफ्टिनेंट जनरल अस्त्रयान ने भारतीय वायु सेना के प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह से भी मुलाकात की। इस बैठक में ऑपरेशनल सहयोग बढ़ाने, आपसी तालमेल (इंटर-ऑपरेबिलिटी) मजबूत करने और वायु सेना के स्तर पर संबंध बेहतर बनाने पर चर्चा हुई।

वीजीआरसी सूरत: सीएम पटेल ने जापान के राजदूत केईची से की मुलाकात, सेमीकंडक्टर क्षेत्र में निवेश पर चर्चा

गांधीनगर। सूरत में दक्षिण गुजरात जोन की वाइब्रेंट गुजरात रीजनल कॉन्फ्रेंस में भाग लेने आए जापान के भारत स्थित राजदूत ओनो कोईची की मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के साथ महत्वपूर्ण बैठक आयोजित हुई।

इस बैठक के दौरान द्विपक्षीय आर्थिक सहयोग को अधिक मजबूत बनाने के मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई।

जापान के राजदूत ने वाइब्रेंट गुजरात रीजनल कॉन्फ्रेंस के सफल आयोजन के लिए मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल को अभिनंदन दिया। उन्होंने गुजरात के साथ आर्थिक सहयोग बढ़ाने की जापान की प्रतिबद्ध पुन: दोहराई। उन्होंने कहा कि विशेषकर सेमीकंडक्टर सेक्टर में जापानी कंपनियां गुजरात के साथ भगीदारी करने को आतुर हैं।

उन्होंने सेमीकंडक्टर उद्योग के लिए आवश्यक सहायक उद्योगों के विकास के लिए सप्लाई पार्क स्थापित करने की जरूरत को लेकर भी सरकार के सहयोग की अपेक्षा व्यक्त की।

मुख्यमंत्री ने राज्य में उपलब्ध कुशल मानव संसाधन तथा मजबूत स्किल इकोसिस्टम के बारे में जानकारी दी। उन्होंने उत्तम इन्फ्रास्ट्रक्चर के बारे में जापान के राजदूत को अवगत कराते हुए कहा कि अहमदाबाद-धोलेरा एक्सप्रेसवे शुरू होने से अहमदाबाद हवाई अड्डे तक का समय अब केवल 1.5 घंटे का रहा है। बैठक के दौरान जापान के राजदूत ने गुजरात सरकार के साथ काम करने का सकारात्मक अनुभव व्यक्त किया और भविष्य में अधिक सहयोग के लिए आतुरता दर्शाई। इसके अलावा बल्क ड्रग पार्क तथा मेडिकल डिवाइस पार्क क्षेत्रों में नए अवसरों पर भी चर्चा की गई। इस अवसर पर मुख्य सचिव एम. के. दास, उद्योग एवं खान विभाग की अपर मुख्य सचिव ममता वर्मा, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव संजीव कुमार, अपर प्रधान सचिव डॉ. विक्रांत पांडे, सचिव डॉ. अजय कुमार तथा जापान के उच्चाधिकारी उपस्थित रहे।

बंगाल चुनाव : 4 मई को 294 सीटों के मतगणना केंद्रों पर मौजूद रहेंगे जनरल ऑब्जर्वर्स, चुनाव आयोग का निर्देश

कोलकाता। चुनाव आयोग ने शुक्रवार को पश्चिम बंगाल की सभी 294 विधानसभा सीटों के सामान्य पर्यवेक्षकों (जनरल ऑब्जर्वर्स) को निर्देश दिया कि वे 4 मई को सुबह 8 बजे मतगणना शुरू होने से पहले अपने-अपने मतगणना केंद्रों और मतगणना हॉल में मौजूद रहें। आयोग ने यह भी कहा है कि वे मतगणना पूरी होने और विजयी उम्मीदवारों को जीत का प्रमाणपत्र दिए जाने तक वहां मौजूद रहें।

पश्चिम बंगाल के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) कार्यालय के एक सूत्र ने बताया कि आयोग ने यह भी तय किया है कि मतगणना प्रक्रिया के दौरान किसी भी गड़बड़ी या अनियमितता के लिए जनरल ऑब्जर्वर्स को जिम्मेदार माना जाएगा।

सूत्र ने बताया, ''जनरल ऑब्जर्वर्स को मतगणना की कार्यवाही की नियमित जानकारी कोलकाता स्थित सीईओ कार्यालय के केंद्रीय कंट्रोल रूम और संबंधित जिला मजिस्ट्रेट (जिला निर्वाचन अधिकारी) के कार्यालयों में बने जिलास्तरीय कंट्रोल रूम को देनी होगी।''

इस बीच, चुनाव आयोग ने मतगणना के दिन और उसके बाद हिंसा या किसी तरह की गड़बड़ी रोकने के लिए कई कदम पहले ही तय कर दिए हैं।

सूत्र ने कहा, ''अब तक यह तय किया गया है कि मतगणना केंद्रों के सबसे अंदरूनी सुरक्षा घेरे यानी मतगणना कक्षों में सुरक्षा के लिए केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) की 200 कंपनियां तैनात की जाएंगी। इसके अलावा एक मतगणना केंद्र के अंदर और दूसरा केंद्र के बाहर, दो और सुरक्षा घेरों की व्यवस्था होगी।''

इस बार सुरक्षा व्यवस्था मजबूत रखने के लिए मतगणना केंद्रों की संख्या घटाकर 77 कर दी गई है। अधिकृत चुनाव अधिकारी, कर्मचारी, राजनीतिक दलों के एजेंट और उम्मीदवारों को मतगणना केंद्र में प्रवेश के लिए तीन स्तर की जांच प्रक्रिया से गुजरना होगा।

पहले और दूसरे चरण में पहचान पत्र की मैन्युअल जांच होगी, जबकि तीसरे चरण में क्यूआर कोड के जरिए पहचान सत्यापन किया जाएगा। वहीं, 2021 के पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के बाद हुई हिंसा को देखते हुए चुनाव आयोग ने एहतियात के तौर पर अगली सूचना तक राज्य में सीएपीएफ की 700 कंपनियां तैनात रखने का फैसला किया है।

बिहार: गोपालगंज में छापेमारी में 95 ग्राम हेरोइन के साथ दो गिरफ्तार

पटना। बिहार के गोपालगंज जिले में नशीले पदार्थों की तस्करी के खिलाफ एक महत्वपूर्ण कार्रवाई में पुलिस ने एक पुरुष और एक महिला को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके पास से लगभग 95 ग्राम हेरोइन जब्त की है।

यह कार्रवाई मांझागढ़ पुलिस स्टेशन के अधिकार क्षेत्र में नियमित वाहन निरीक्षण के दौरान की गई।

यह घटना गुरुवार रात बहोराहाटा पुल के पास हुई, जहां पुलिस वाहन जांच अभियान चला रही थी।

अभियान के दौरान एक काले रंग की अपाचे मोटरसाइकिल पर सवार एक पुरुष और एक महिला पुलिस को देखकर घबरा गए और भागने की कोशिश करने लगे।

पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए दोनों का पीछा किया और उन्हें पकड़ लिया।

तलाशी लेने पर पुलिस को एक बैग में छिपाई गई हेरोइन की 135 छोटी-छोटी पुड़िया मिलीं, जिनका कुल वजन लगभग 95 ग्राम था।

गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों की पहचान मोहम्मदपुर पुलिस स्टेशन के अंतर्गत कर्सघाट निवासी हरकेश सिंह (43) और नगर पुलिस स्टेशन के अंतर्गत सरेया, वार्ड संख्या 2 निवासी रोशन तारा के रूप में हुई है। दोनों गोपालगंज जिले के निवासी हैं।

नशीले पदार्थों के अलावा, पुलिस ने उनके पास से एक मोबाइल फोन और कुछ नकदी भी जब्त की।

मौके पर ही एक औपचारिक जब्ती सूची तैयार की गई और आरोपियों की गिरफ्तारी के बाद उनके परिवार को सूचित कर दिया गया।

पूछताछ के दौरान, आरोपी संतोषजनक स्पष्टीकरण देने में विफल रहे, जिससे पुलिस को एक बड़े मादक पदार्थों की तस्करी नेटवर्क में उनकी संलिप्तता का संदेह हुआ।

जांचकर्ता अब आपूर्ति श्रृंखला से जुड़े अन्य व्यक्तियों की पहचान करने में जुटे हैं।

सदर एसडीपीओ-2, सिधवालिया रेंज के राजेश कुमार ने शुक्रवार को बताया कि नियमित जांच के दौरान संदिग्ध परिस्थितियों में आरोपियों को पकड़ा गया।

कुमार ने कहा कि स्मैक के कई पैकेट बरामद होने पर उन्हें तुरंत गिरफ्तार कर लिया गया।

उन्होंने आगे बताया कि मांझागढ़ पुलिस स्टेशन में मादक द्रव्यों और मनोविकृत पदार्थों (एनडीपीएस) अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत एफआईआर दर्ज की गई है।

नेटवर्क की पूरी जानकारी जुटाने और अन्य आरोपियों को कानून के कटघरे में लाने के लिए आगे की जांच जारी है।

तेलंगाना के मंत्री ने कमर्शियल एलपीजी सिलेंडरों की कीमतों में वृद्धि पर केंद्र की आलोचना की

हैदराबाद। तेलंगाना के नागरिक आपूर्ति मंत्री एन. उत्तम कुमार रेड्डी ने शुक्रवार को कमर्शियल एलपीजी सिलेंडरों की कीमतों में 993 रुपए की भारी वृद्धि के लिए केंद्र सरकार की कड़ी आलोचना की और इसे तत्काल वापस लेने की मांग की।

एक बयान में, उत्तम कुमार रेड्डी ने 19 किलोग्राम के कमर्शियल एलपीजी सिलेंडरों की कीमत में 993 रुपए की वृद्धि करने के केंद्र सरकार के फैसले की कड़ी आलोचना की। उन्होंने इसे बेहद दुर्भाग्यपूर्ण बताया और कहा कि इससे छोटे व्यवसायों, स्ट्रीट वेंडरों, होटलों, रेस्तरां और अंतत: आम आदमी पर बोझ पड़ेगा।

मंत्री ने भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पर रणनीतिक रूप से मूल्य वृद्धि का समय चुनकर भारत की जनता को धोखा देने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि हम शुरू से कहते आ रहे हैं कि भाजपा सरकार भारत की जनता को धोखा दे रही है। वे मतदान समाप्त होने का इंतजार कर रहे थे ताकि कीमतें बढ़ा सकें, और पश्चिम बंगाल में मतदान समाप्त होने के 24 घंटों के भीतर ही उन्होंने कमर्शियल एलपीजी की कीमतों में लगभग 30-35 प्रतिशत यानी 993 रुपए की वृद्धि कर दी है। 1 मई से प्रभावी इस मूल्य संशोधन के बाद, अधिकांश महानगरों में 19 किलोग्राम के कमर्शियल सिलेंडर की कीमत लगभग 2,000 रुपए से बढ़कर 3,000 रुपए से अधिक हो गई है। उदाहरण के लिए, दिल्ली में इसकी कीमत अब 3,071.50 रुपए हो गई है। तेल विपणन कंपनियों ने इस वृद्धि का कारण पश्चिम एशिया में जारी तनाव से जुड़ी वैश्विक ऊर्जा कीमतों में वृद्धि को बताया है। यह लगातार तीसरी मासिक वृद्धि है।

उत्तम कुमार रेड्डी ने कहा कि लगभग 30-35 प्रतिशत की इस बढ़ोतरी का सीधा असर बाजार में खाने-पीने की चीजों की कीमतों पर पड़ेगा। उन्होंने कहा कि इसका सीधा असर पड़ेगा और बाजार में खाने-पीने की चीजों की कीमतें बढ़ जाएंगी, जिससे आम आदमी बुरी तरह प्रभावित होगा।

मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे का मिसिंग लिंक टनल प्रोजेक्ट गिनीज विश्व रिकॉर्ड में दर्ज

मुंबई। मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे के मिसिंग लिंक टनल प्रोजेक्ट को गिनीज विश्व रिकॉर्ड में दर्ज किया गया है। यह परियोजना भारत के सबसे आधुनिक और सुरक्षित सड़क विकास कार्यों में से एक मानी जा रही है। इस प्रोजेक्ट में वाहनों को अधिकतम लगभग 100 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से सुरक्षित तरीके से चलाने की सुविधा दी गई है, जिससे यात्रा अधिक सुगम और आरामदायक हो जाती है। इसे इस तरह विकसित किया गया है कि यह पूरी तरह सुरक्षित मार्ग बने और दुर्घटनाओं की संभावना बहुत कम हो, इसलिए इसे जीरो फैटिलिटी कॉरिडोर (शून्य घातकता गलियारा) के रूप में भी तैयार किया गया है।

इस परियोजना से यात्रा का समय लगभग 30 मिनट तक कम हो जाएगा और रोजाना लगभग 9 करोड़ रुपए कीमत के ईंधन की बचत होने का अनुमान है। इसमें आधुनिक वायु गुणवत्ता नियंत्रण और आपातकालीन सुरक्षा व्यवस्था भी लगाई गई है, जिसमें मदद बुलाने की व्यवस्था और सार्वजनिक घोषणा प्रणाली जैसी सुविधाएं शामिल हैं।

टनलों में आग से सुरक्षा के लिए उन्नत व्यवस्था और हवा के प्रवाह को नियंत्रित करने के लिए विशेष प्रणाली बनाई गई है। इसके अलावा यातायात की निगरानी के लिए स्मार्ट व्यवस्था भी स्थापित की गई है, जिससे पूरे मार्ग पर लगातार नजर रखी जा सके।

इस परियोजना का मार्ग खोपोली निकास से लेकर लोनावला क्षेत्र तक फैला हुआ है और इसमें खालापुर-खोपोली खंड का आठ लेन तक विस्तार भी शामिल है। इसकी कुल लागत लगभग 6695 करोड़ रुपए से अधिक है। टाइगर घाटी क्षेत्र में देश का सबसे ऊंचा केबल आधारित पुल भी बनाया गया है, जिसकी ऊंचाई लगभग 182 मीटर है।

इस पूरे मार्ग में कई सुरंगें और पुल शामिल हैं। एक बड़ी सुरंग लगभग 8.87 किलोमीटर लंबी है और दूसरी लगभग 1.68 किलोमीटर की है। बीच-बीच में सुरक्षा के लिए हर कुछ सौ मीटर पर आपातकालीन रास्ते बनाए गए हैं ताकि किसी भी स्थिति में सुरक्षित निकास संभव हो सके।

इस नए मार्ग से पुराना घाट वाला रास्ता लगभग 19 किलोमीटर का था, जबकि नया मार्ग बनने के बाद दूरी में लगभग 6 किलोमीटर की कमी आ गई है, जिससे यात्रा और तेज तथा सुविधाजनक हो गई है।

संक्षिप्त खबरें

स्वच्छता दीदियों और सफाई मित्रों ने चलाया स्वच्छ जनजागरण अभियान

रायपुर। नगर पालिक निगम जोन क्रमांक 6 अंतर्गत वार्ड क्रमांक 63 क्षेत्र अंतर्गत नन्दी चौक टिकरापारा में स्वच्छता सर्वेक्षण अभियान 2025 - 2026 के अंतर्गत नगर निगम जोन क्रमांक 6 स्वास्थ्य विभाग की ओर से महिला स्वसहायता समूहों की स्वच्छता दीदियों और सफाई मित्रों द्वारा स्वच्छता जनजागरुकता अभियान चलाया गया। स्वच्छता जागरूकता रैली वार्ड 63 में मार्गो और बाजार में निकालकर नागरिकों को 1 अप्रैल 2026 से प्रभावशील नवीन ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम 2026 के अंतर्गत 4 डिब्बा सफाई प्रणाली को लेकर नागरिकों को जागरूक किया गया।

स्वच्छता दीदियों और सफाई मित्रों द्वारा नगर निगम रायपुर के जोन 6 अंतर्गत वार्ड 63 अंतर्गत नन्दी चौक टिकरापारा क्षेत्र में रहवासी नागरिकों को घर में 4 विभिन्न प्रकारों के कूड़े को सुव्यवस्थित करने का सहज और सरल तरीका 4 पृथक - पृथक डस्टबिन में गीला , सूखा, विशेष देखभाल और सेनेटरी कूड़ा पृथक - पृथक क्रमश: हरे , नीले , लाल और काले डस्टबिन में पृथक करते हुए रखकर सफाई मित्र को सफाई वाहन में देकर राजधानी शहर रायपुर को स्वच्छ राजधानी शहर बनाने सक्रिय सहभागिता दर्ज करवाने की विनम्र अपील की गई।

बोरे-बासी की खुशबू से महका जुनेजा निवास

परंपरा-संस्कृति संग सादगी का अनूठा संगम

रायपुर। छत्तीसगढ़ की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के प्रतीक 'बोरे-बासी' परंपरा के तहत पूर्व विधायक कुलदीप जुनेजा के निवास पर विशेष आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सादगी, अपनापन और पारंपरिक मूल्यों का सुंदर समन्वय देखने को मिला। इस अवसर पर उपस्थित जनों ने बोरे-बासी का आनंद लेते हुए प्रदेश की लोकसंस्कृति एवं परंपराओं को संरक्षित और संवर्धित करने का संदेश दिया। 'बोरे-बासी' को छत्तीसगढ़ की पहचान और सांस्कृतिक गौरव का प्रतीक बताते हुए इसे नई पीढ़ी तक पहुंचाने पर जोर दिया गया। कार्यक्रम में धनेंद्र साहू , अमरजीत भगत एवं अरुण वोरा विशेष रूप से उपस्थित रहे।

लोगों की सुनें, लोगों को सुनाएं नहीं मुख्यमंत्री का अधिकारियों को दो टूक निर्देश

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने प्रशासनिक व्यवस्था को जनकेंद्रित और संवेदनशील बनाने के उद्देश्य से शासकीय अधिकारियों को स्पष्ट और सख्त निर्देश दिए हैं कि वे आमजन के साथ शालीनता, धैर्य और सम्मान के साथ व्यवहार करें। उन्होंने दो टूक कहा कि मुख्यालय और फील्ड स्तर पर शासकीय अधिकारी ही शासन का चेहरा होते हैं, इसलिए उनका आचरण शासन की छवि को प्रभावित करता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि लोगों को सुनना प्रशासनिक अधिकारियों का पहला कर्तव्य है। उन्होंने अधिकारियों को आगाह किया कि वे जनता की समस्याओं को गंभीरता से सुनें और समाधान पर केंद्रित रहें। उन्होंने स्पष्ट किया कि संवाद तभी सार्थक है, जब उसमें संवेदना और समस्याओं का समाधान करने की नीयत हो।

उन्होंने निर्देश दिए कि सभी विभागों में जनसमस्याओं के निराकरण को प्रभावी, सरल और भरोसेमंद बनाया जाए। जब कोई आम नागरिक किसी शासकीय कार्यालय पहुंचे, तो उसे यह महसूस होना चाहिए कि उसकी बात सुनी जा रही है और उसके साथ सम्मानजनक व्यवहार किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह सकारात्मक अनुभव ही जनता के मन में विश्वास पैदा करता है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि योजनाओं की सफलता केवल आंकड़ों से नहीं, बल्कि जमीनी स्तर पर लोगों के अनुभव से मापी जाती है। इसलिए अधिकारी फील्ड में सक्रिय रहें, लोगों से सीधे संवाद करें और उनकी वास्तविक जरूरतों के अनुरूप कार्य करें। उन्होंने कहा कि संवेदनशीलता और तत्परता ही प्रशासन की असली ताकत है।

उन्होंने अधिकारियों से पारदर्शिता और जवाबदेही को अपने कार्य का मूल आधार बनाने की अपेक्षा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि जनता का विश्वास सबसे बड़ी पूंजी है, जिसे बनाए रखने के लिए ईमानदारी के साथ-साथ व्यवहार में शालीनता और विनम्रता भी जरूरी है।

मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि सुशासन केवल नीतियों से नहीं, बल्कि व्यवहार से स्थापित होता है। यदि अधिकारी जनता के साथ सरल, सहज, सहयोगात्मक और जनसमस्याओं के त्वरित निराकरण का तरीका हर समय अपनाते हैं, तो प्रशासन स्वयमेव अधिक प्रभावी हो जाता है और शिकायतों की संख्या स्वत: कम होने लगती है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि विकसित छत्तीसगढ़ का सपना तभी साकार होगा, जब प्रशासन हर नागरिक के लिए सुलभ, संवेदनशील और सम्मानजनक बने। उन्होंने अधिकारियों से अपेक्षा की कि वे इस भावना को अपने कार्य का मूल मंत्र बनाकर आगे बढ़ें और हर व्यक्ति को यह अहसास दिलाएं कि सरकार उसके साथ खड़ी है।

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने स्पष्ट किया कि सुशासन तिहार के दौरान वे स्वयं विभिन्न क्षेत्रों में आकस्मिक निरीक्षण करेंगे और अधिकारियों के कार्य के साथ-साथ उनके व्यवहार पक्ष का भी अवलोकन करेंगे।उन्होंने कहा कि जनसंपर्क के दौरान अधिकारियों की संवेदनशीलता, शालीनता और जवाबदेही को प्राथमिकता के साथ परखा जाएगा।

राष्ट्रीय मंच पर छत्तीसगढ़ की दोहरी उपलब्धि

रायपुर। जनस्वास्थ्य के क्षेत्र में छत्तीसगढ़ ने एक और उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल करते हुए राष्ट्रीय स्तर पर अपनी सशक्त उपस्थिति दर्ज कराई है। 30 अप्रैल और 01 मई 2026 को चंडीगढ़ में आयोजित में राज्य को फाइलेरिया और मलेरिया उन्मूलन के लिए अपनाई गई नवाचारी पहलों पर सम्मानित किया गया। यह सम्मान न केवल राज्य की स्वास्थ्य रणनीतियों की प्रभावशीलता को रेखांकित करता है, बल्कि सामुदायिक भागीदारी आधारित मॉडल की सफलता का भी प्रमाण है।

फाइलेरिया व मलेरिया नियंत्रण में राज्य मॉडल की देशभर में सराहना

बिहान मॉडल ने बदली तस्वीर, महिला समूह बने बदलाव की धुरी

फाइलेरिया उन्मूलन अभियान में बिहान (स्टेट रूरल लाइवलीहुड मिशन) से जुड़ी महिला स्व-सहायता समूहों की सक्रिय भागीदारी को राष्ट्रीय स्तर पर सराहा गया। मिशन स्ट्रींग ग्रुप ह्यूमन रिसोर्सेस के अंतर्गत इस मॉडल को देश की सर्वश्रेष्ठ नवाचारी और समावेशी पहल के रूप में मान्यता मिली, जिसमें पी.सी.आई. इंडिया का तकनीकी सहयोग भी महत्वपूर्ण रहा। मास ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन (एमडीए) अभियान के दौरान महिलाओं ने घर-घर पहुंचकर न केवल दवा सेवन सुनिश्चित कराया, बल्कि समुदाय में व्याप्त भ्रांतियों को भी दूर किया। सामुदायिक बैठकों और जागरूकता गतिविधियों के जरिए लोगों में भरोसा कायम किया गया। इसका परिणाम यह रहा कि दवा सेवन से इनकार करने वाले लगभग 74% लोगों को सहमति के लिए तैयार किया गया-जो इस मॉडल की सबसे बड़ी सफलता के रूप में उभरकर सामने आया।

पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय में ग्रीष्मकालीन शिविर का भव्य शुभारंभ

रायपुर। पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय में बहुप्रतीक्षित ग्रीष्मकालीन शिविर का उत्साहपूर्ण माहौल में शुभारंभ हुआ। यह शिविर 1 मई से 31 मई 2026 तक आयोजित किया जाएगा, जिसमें विद्यार्थियों एवं खिलाड़ियों के लिए विविध खेल और रचनात्मक गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। इस वर्ष शिविर की थीम 'सपनों एवं जुनून की उड़ान' निर्धारित की गई है, जिसका उद्देश्य युवाओं को अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित रहकर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करना है। शिविर का संचालन शारीरिक शिक्षा अध्ययन शाला के फैकल्टी सदस्यों एवं विद्यार्थियों द्वारा किया जा रहा है। इसमें एथलेटिक्स, फुटबॉल, वॉलीबॉल, बैडमिंटन, खो-खो, बास्केटबॉल, क्रिकेट और कबड्डी जैसे प्रमुख खेलों के साथ-साथ मार्शल आर्ट, डिफेंस सर्विस ट्रेनिंग प्रोग्राम तथा विभिन्न इनडोर एवं आउटडोर गतिविधियों का प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त एरोबिक्स एवं योग के विशेष सत्र भी शामिल किए गए हैं। शिविर का मुख्य उद्देश्य प्रतिभागियों की प्रतिभा को निखारना, टीम भावना एवं खेल भावना का विकास करना तथा उनके शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को सुदृढ़ बनाना है। साथ ही, युवाओं को अपने सपनों को जुनून के साथ साकार करने के लिए प्रेरित करना भी इसका प्रमुख लक्ष्य है।

कांग्रेस की मैराथन बैठक : सचिन पायलट ने बंद कमरे में विधायकों से लिया रिपोर्ट कार्ड

रायपुर। कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी सचिन पायलट ने मोर्चा संभाल लिया है और विधायकों की धड़कनें तेज कर दी हैं। कहने को तो चुनाव में अभी ढाई साल का वक्त है, लेकिन पायलट ने अभी से 'सर्जिकल स्ट्राइक' मोड में आते हुए हर विधायक का कच्चा चिट्ठा खोलना शुरू कर दिया है। दीपक बैज और चरणदास महंत की मौजूदगी में चल रही इस बैठक ने सियासी गलियारों में हड़कंप मचा हुआ है।

15 मिनट का इंटरव्यू और विधायकों का रिपोर्ट कार्ड

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, सचिन पायलट एक-एक विधायक को अकेले बुला रहे हैं और करीब 15 मिनट तक उनसे सीधी बात कर रहे हैं। इस दौरान सिर्फ संगठन की बात नहीं हो रही, बल्कि पायलट विधायकों से उनके विधानसभा क्षेत्र की ग्राउंड रिपोर्ट मांग रहे हैं। साफ है कि आलाकमान अब किसी भी तरह की ढिलाई के मूड में नहीं है। जो विधायक जनता के बीच सक्रिय नहीं हैं, उनके लिए यह खतरे की घंटी हो सकती है क्योंकि उनका रिपोर्ट कार्ड अभी से तैयार किया जा रहा है।

महिला आरक्षण बिल: भ्रम दूर करने की बड़ी रणनीति

बैठक के बीच से निकलकर विधायक संगीता सिन्हा ने जो बताया, वह चौंकाने वाला है। उन्होंने कहा कि बैठक में महिला सशक्तिकरण बिल (33% आरक्षण) को लेकर लंबी चर्चा हुई। कांग्रेस का मानना है कि इस बिल को लेकर जनता के बीच भ्रम फैलाया जा रहा है। पायलट ने साफ निर्देश दिए हैं कि कार्यकर्ताओं को घर-घर जाकर यह बताना होगा कि कांग्रेस आरक्षण के खिलाफ नहीं है। दिलचस्प बात यह है कि संगीता सिन्हा का नाम इस वक्त महिला कांग्रेस अध्यक्ष की रेस में सबसे आगे चल रहा है, जिस पर उन्होंने कहा कि पार्टी का फैसला ही अंतिम होगा।

महिला-गतिविधि शून्य

प्रदेश कांग्रेस के प्रभारी सचिन पायलट ने जिला अध्यक्षों की बैठक में संगठन के कार्यों की समीक्षा की इस दौरान अध्यक्षों ने कहा कि महिला कांग्रेस अध्यक्ष की नियुक्ति से महिला संबंधी विषयों पर चर्चा शून्य है। उन्हों जल्द से जल्द संस्था के लिए पहल करने का आग्रह किया। बैठक में वकिलों ने मांग रखी कि समानों का विस्तार होना चाहिए। संयुक्त सचिव के पद को बढ़ाया जाना चाहिए। पायलट ने दो टूक शब्दों में कहा कि आपकी चार बैठकों में 90 प्रतिशत लोग शामिल होते हैं।

हॉकी एवं एथलेटिक्स अकादमी में चयन के लिए ट्रायल में शामिल हुए 540 खिलाड़ी

रायपुर। खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा संचालित आवासीय खेल अकादमी में प्रवेश के लिए आज हाकी और एथलेटिक्स के कुल 540 खिलाड़ियों ने हिस्सेदारी की। विभाग द्वारा रायपुर के स्वामी विवेकानंद स्टेडियम में आयोजित चयन ट्रायल के तीसरे दिन आज छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश और महाराष्ट्र के खिलाड़ियों ने भाग लिया।

चयन ट्रायल में हॉकी के 111 बालिका और 173 बालक सहित 284 खिलाड़ी, तथा एथलेटिक्स के 87 बालिका एवं 169 बालक सहित 256 खिलाड़ियों ने भागीदारी की। अकादमी में प्रशिक्षण के लिए इन खिलाड़ियों का चयन मोटर एबिलिटी एवं खेल कौशल के आधार पर किया जाएगा।

चयन ट्रायल के आखिरी दिन 1 मई को सुबह 7 बजे से अंतराष्ट्रीय हॉकी स्टेडियम पिच-2 में हाकी खिलाड़ियों के और स्वामी विवेकानंद स्टेडियम में एथलेटिक्स के खिलाड़ियों के खेल कौशल का परीक्षण किया जाएगा।

राज्य सेवा मुख्य परीक्षा-2025 की समय-सारिणी घोषित

रायपुर। छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग द्वारा राज्य सेवा मुख्य परीक्षा-2025 की लिखित परीक्षा की समय-सारिणी घोषित कर दी गई है। आयोग द्वारा जारी सूचना के अनुसार परीक्षा का आयोजन 06 जून से 09 जून 2026 तक निर्धारित परीक्षा केन्द्रों में किया जाएगा। परीक्षा दो पालियों में प्रात: 9.00 बजे से दोपहर 12.00 बजे तक तथा दोपहर 2.00 बजे से शाम 5.00 बजे तक संपन्न होगी। लोक सेवा आयोग द्वारा अभ्यर्थियों को प्रवेश पत्र परीक्षा तिथि से लगभग 10 दिन पूर्व आयोग की आधिकारिक वेबसाइट www.psc.cg.gov.in पर उपलब्ध कराए जाएंगे। आयोग ने सभी अभ्यर्थियों से निर्धारित दिशा-निर्देशों का पालन सुनिश्चित करने का आग्रह किया है। जारी कार्यक्रम के अनुसार 06 जून 2026 को भाषा एवं निबंध, 07 जून को सामान्य अध्ययन-I एवं II, 08 जून को सामान्य अध्ययन-III एवं IV तथा 09 जून को सामान्य अध्ययन-V की परीक्षा का आयोजन किया जाएगा।

गुवाहाटी में 'डिजिटल अरेस्ट' के आरोपी को पकड़ने गई रायपुर पुलिस हिरासत में

रायपुर। राजधानी रायपुर की पुलिस को दूसरे राज्य में जाकर एक भारी फजीहत का सामना करना पड़ा है। 'डिजिटल अरेस्ट' और आईटी एक्ट से जुड़े एक बड़े साइबर ठगी मामले की जांच करने असम के गुवाहाटी पहुंची रायपुर पुलिस की एक टीम को स्थानीय गुवाहाटी पुलिस ने ही हिरासत में ले लिया। दो राज्यों की पुलिस के बीच तालमेल की इस भारी कमी ने पूरे पुलिस महकमे में हड़कंप मचा दिया।

50 लाख की ठगी का मामला, आरोपी को पकड़ने पहुंची थी टीम

जानकारी के मुताबिक, यह पूरा मामला रायपुर के अजाक और टिकरापारा थाने में दर्ज करीब 50 लाख रुपये की साइबर धोखाधड़ी से जुड़ा है। इसी मामले की जांच और आरोपी की गिरफ्तारी के लिए रायपुर पुलिस की एक टीम गुवाहाटी गई थी। इस टीम का नेतृत्व टिकरापारा थाना प्रभारी रविंद्र कुमार यादव कर रहे थे, जिनके साथ 4 अन्य पुलिसकर्मी भी मौजूद थे। सोमवार शाम को जब पुलिस टीम गुवाहाटी में आरोपी के ठिकाने पर दबिश देने पहुंची, तो वहां अचानक हालात बिगड़ गए।

स्थानीय लोगों का हंगामा और 'अपहरण' का आरोप

रायपुर पुलिस जब आरोपी को गिरफ्तार करने लगी, तो

स्थानीय लोगों और आरोपी के परिजनों ने भारी विरोध शुरू कर दिया। स्थानीय लोगों ने रायपुर पुलिस पर बिना किसी उचित कानूनी प्रक्रिया और प्रोडक्शन वारंट के जबरन गिरफ्तारी करने का आरोप लगाया। लोगों ने इसे 'अपहरण' का प्रयास बताकर हंगामा खड़ा कर दिया। मौके पर तनाव बढ़ता देख गुवाहाटी की स्थानीय पुलिस वहां पहुंची और संदेह के आधार पर रायपुर पुलिस की पूरी टीम को ही हिरासत में ले लिया। इस घटना ने साबित कर दिया कि रायपुर पुलिस ने असम पुलिस को अपनी कार्रवाई की पूर्व सूचना नहीं दी थी, जिसके कारण यह अंतरराज्यीय विवाद खड़ा हुआ।

गरियाबंद में लगातार दूसरे दिन भूकंप के झटके, इलाके में दहशत का माहौल

गरियाबंद । जिले के देवभोग क्षेत्र में एक बार फिर भूकंप के हल्के झटके महसूस किए गए, जिससे पूरे इलाके में दहशत का माहौल बन गया है। आज दोपहर लगभग 2:20 बजे धरती हल्की कांपी, जिसके बाद ग्रामीणों में भय फैल गया और कई लोग घरों से बाहर निकलकर खुले स्थानों में जमा हो गए।

जानकारी के अनुसार, पिछले 36 घंटों के भीतर यह तीसरी बार है जब इस क्षेत्र में भूकंप के झटके महसूस किए गए हैं। इससे पहले बीती रात करीब 7:20 बजे भी धरती कांपी थी। वहीं एक दिन पहले आए झटकों की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 0.7 दर्ज की गई थी, जो बेहद हल्की श्रेणी में आती है।

हालांकि अब तक किसी प्रकार के जान-माल के नुकसान की पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन बार-बार हो रही इस भूगर्भीय गतिविधि से लोगों में चिंता बढ़ती जा रही है। ग्रामीणों का कहना है कि लगातार झटकों के कारण वे डरे हुए हैं और कई लोग रात के समय घरों से बाहर ही समय बिता रहे हैं। बच्चों और बुजुर्गों में विशेष रूप से भय का माहौल देखा जा रहा है। प्रशासन ने भी स्थिति पर नजर बनाए रखी है और लोगों से सतर्क रहने की अपील की है।

छापा : कारोबारी के ठिकानों से 17 किलो सोना और तीन करोड़ के हीरों का हार जब्त

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ के बहुचर्चित शराब घोटाला मामले में प्रवर्तन निदेशालय की कार्रवाई तेज हो गई है। ईडी की टीम ने गुरुवार को बिलासपुर में सराफा कारोबारी विवेक अग्रवाल के घर और दुकान पर दबिश दी। सूत्रों के अनुसार, दिनभर चली इस छापेमारी कार्रवाई में टीम को भारी मात्रा में कीमती सामान बरामद हुआ है। बताया जा रहा है कि छापे के दौरान करीब 17 किलो सोना, करीब 3 करोड़ रुपये के हीरों के हार और बड़ी मात्रा में नकदी मिली है।

जानकारी के मुताबिक, विवेक अग्रवाल फरार चल रहे वांटेड आरोपी विकास अग्रवाल के भाई हैं। विकास अग्रवाल को इस मामले में अहम कड़ी माना जा रहा है और वह मुख्य आरोपी अनवर ढेबर का करीबी बताया जाता है। ईडी की यह कार्रवाई शराब घोटाले की जांच में महत्वपूर्ण मानी जा रही है। फिलहाल एजेंसी पूरे मामले में बरामद दस्तावेजों और संपत्तियों की जांच कर रही है, जिससे आने वाले दिनों में और बड़े खुलासे होने की संभावना जताई जा रही है।

श्रेष्ठ की टीम गुरुवार तड़के विवेक अग्रवाल के मैग्नेटो मॉल के पीछे स्थित घर पर पहुंची। अचानक हुई इस कार्रवाई से किसी को संभलने का मौका नहीं मिला। अधिकारियों ने घर के सभी एंट्री गेट को सील कर दिया और सुरक्षा के लिहाज से सीआरपीएफ के जवानों को तैनात कर दिया। घर के अंदर दस्तावेजों और इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस की गहन जांच चलती रही। वहीं, दूसरी टीम विवेक अग्रवाल के सदर बाजार स्थित श्रीराम ज्वेलर्स भी पहुंची। टीम यहां दुकान के स्टॉक, खरीद-बिक्री के रिकॉर्ड और निवेश से जुड़े दस्तावेजों की जांच करती रही।

विकास और उसके भाई की मदद से वसूली करता था ढेबर

शराब घोटाले का सिंडिकेट बनाने वाले कारोबारी अनवर ढेबर ने अपने बेहद करीबी विकास अग्रवाल उर्फ सुब्बू को भी सिंडिकेट में शामिल किया था। कमीशन के इन पैसों को अनवर विकास अग्रवाल और उसके भाई विवेक अग्रवाल की मदद से लेता था। विकास अग्रवाल और विवेक अग्रवाल शराब दुकानों से पैसा वसूलने का काम करते थे। विवेक अग्रवाल का बिलासपुर में ज्वेलरी का कारोबार है। उसका भाई विकास अग्रवाल उर्फ सुब्बू जेल में बंद शराब कारोबारी अनवर ढेबर का करीबी माना जाता है और वह चार साल से फरार है। उसे कोर्ट ने इस वजह से वांटेड घोषित कर रखा है।

अमेरिकी मिलिट्री का दावा, मिडिल ईस्ट में नौसेना के जहाजों को फिर से कर रहे तैयार

वाशिंगटन। अमेरिका अपनी नौसेना के जहाजों को मध्य एशिया में भेजने की तैयारी कर रहा है। इन जहाजों में तेल (ईंधन), खाना, हथियार और बाकी जरूरी सामान भरा जा रहा है, ताकि वे लंबे समय तक ऑपरेशन जारी रख सकें।

अमेरिकी सेंट्रल कमांड (सेंटकॉम) ने सोशल मीडिया पर कुछ तस्वीरें साझा कर इसकी जानकारी दी है। कुछ तस्वीरों में लिखा गया है कि गाइडेड-मिसाइल डेस्ट्रॉयर यूएसएस डेलबर्ट डी ब्लैक पर ईंधन, खाना, हथियार और जरूरी सप्लाई लोड की जा रही है। इस बीच खबर ये भी है कि सेंट्रल कमांड के कमांडर ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को ईरान के खिलाफ संभावित हमला करने के विकल्पों की जानकारी दी है। फॉक्स न्यूज के अनुसार एडमिरल ब्रैड कूपर ने व्हाइट हाउस के सिचुएशन रूम में ट्रंप के साथ बैठक में ये विकल्प पेश किए।

इसमें बताया गया कि अगर ट्रंप दोबारा

हमले का फैसला लेते हैं, तो एक 'छोटा लेकिन बहुत ताकतवर हमला' किया जा सकता है। रिपोर्ट के मुताबिक, इस हमले में ईरान की बची हुई सैन्य ताकत, उसके नेता और अहम ढांचे निशाने पर होंगे। रक्षा मंत्रालय कुछ नए और उन्नत हथियार इस्तेमाल करने पर भी विचार कर रहा है। इनमें 'डार्क ईगल' हाइपरसोनिक मिसाइल भी शामिल है। तैयारियों की ये तस्वीर ऐसे समय में आई है जब अमेरिकी मीडिया की रिपोर्ट में दावा किया जा रहा है कि ईरान सीजफायर की आड़ में वो हथियार निकाल रहा है जो पिछले हमलों के दौरान नीचे छिपे या दबे हुए थे। एनबीसी न्यूज के मुताबिक, ईरान की सरकार ने उन मिसाइलों और दूसरे हथियारों को निकालने की कोशिशें तेज कर दी हैं जो यूएस-इजरायली हवाई हमलों के बाद जमीन के नीचे या मलबे में दबे हुए थे। कथित तौर पर इस मामले से जुड़े एक अमेरिकी अधिकारी और दो दूसरे लोगों ने ये जानकारी दी। रिपोर्ट में अमेरिकी अधिकारियों के हवाले से तर्क दिया गया है कि अगर राष्ट्रपति ट्रंप मिलिट्री ऑपरेशन दोबारा शुरू कराने का फैसला करते हैं, तो ईरान बढ़ी हुई ड्रोन और मिसाइल क्षमता का प्रयोग मीडिल ईस्ट के देशों पर हमले के लिए कर सकता है।

इस बीच, ईरान की राजधानी तेहरान में गुरुवार रात एयर डिफेंस सिस्टम सक्रिय होने की भी खबरें आईं। ईरानी मीडिया 'तसनीम' और 'फार्स' के अनुसार, ये सिस्टम छोटे ड्रोन या टोही विमानों को मार गिराने के लिए सक्रिय किए गए थे।

मध्यप्रदेश: मुख्यमंत्री मोहन यादव ने दिए बरगी डैम क्रूज हादसे की जांच के आदेश

भोपाल। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने संस्कारधानी जबलपुर में हुए क्रूज हादसे की जांच के आदेश दिए हैं। वहीं राहत और बचाव कार्य में पर्यटकों की जान बचाने वालों को सरकार सम्मानित करेगी।

मुख्यमंत्री यादव ने शुक्रवार को संवाददाताओं से बातचीत करते हुए बरगी क्रूज हादसे को लेकर कहा कि बरगी बांध में हुआ हादसा चक्रवात की वजह से हुआ। उसकी विस्तृत जानकारी जांच रिपोर्ट के बाद ही मिल सकेगी।

यादव ने कहा कि इस हादसे में मन को बेहद दुख पहुंचा। दुर्घटना में रेस्क्यू टीम के जिन सदस्यों ने लोगों को पानी से निकाला, उनका 15 अगस्त को सम्मान किया जाएगा। बरगी बांध में हुई दुर्घटना चक्रवात की वजह से घटी है। हमने कल ही अपने पर्यटन मंत्री धर्मेंद्र सिंह लोधी, लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह, एसीएस संजय दुबे के साथ प्रशासनिक अधिकारियों को मौके पर भेजा। राहत-बचाव के लिए एनडीआरएफ-एसडीआरएफ को लगाया। मुझे मिली जानकारी के मुताबिक इस घटना में 29 लोगों को बचाया गया है। मुख्यमंत्री यादव ने कहा कि अभी बरगी बांध में रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है। इस घटना को लेकर जांच के आदेश दिए हैं। रेस्क्यू टीम ने क्रूज को काटकर लोगों को पानी से निकाला है। रेस्क्यू टीम के जिन सदस्यों ने लोगों को निकाला है, हम उन्हें 15 अगस्त को सम्मानित करेंगे। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा था कि इस हादसे में जो जनहानि हुई है, वह अत्यंत पीड़ादायक है। शोकाकुल परिजनों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं हैं। मृतकों के परिवारजनों को राज्य शासन की ओर से 4-4 लाख की आर्थिक सहायता प्रदान करने के निर्देश दिए हैं।

चीनी शैली के प्रदर्शन आधारित शासन की विचारधारा दुनिया के लिए नया विचार

बीजिंग। चीन की राजनीति में 'प्रदर्शन आधारित शासन' एक अनूठी और गहन अवधारणा है। यह न सिर्फ किसी सरकारी कर्मचारी के कार्य प्रदर्शन का मूल्यांकन करने की ओर इशारा करती है, बल्कि इस मूलभूत तर्क को भी उजागर करती है कि कोई देश और राजनीतिक पार्टी किसके लिए काम करती है और किस पर निर्भर रहती है।

जब पश्चिमी देशों की चुनावी राजनीति अदूरदर्शिता और विखंडन में फंसी हुई है, चीन ने शासन के लिए बिल्कुल अलग दृष्टिकोण प्रस्तुत किया।

चीन के हूनान प्रांत का शीपातोंग गांव वर्ष 2013 में एक अत्यंत गरीब गांव था। प्रति व्यक्ति कृषि योग्य भूमि करीब 553 वर्ग मीटर थी और प्रति व्यक्ति शुद्ध आय सिर्फ 1,668 युआन थी। गरीबी दर 57 प्रतिशत तक थी। उसी साल एक वर्ष पहले ही सीपीसी की केंद्रीय समिति के महासचिव चुने गए शी चिनफिंग ने शीपातोंग गांव का दौरा किया और पहली बार सटीकता से गरीबी उन्मूलन की विचारधारा पेश की थी। दस साल से भी अधिक समय बाद शीपातोंग गांव में प्रति व्यक्ति शुद्ध आय में दस गुना वृद्धि हुई, जो 20 हजार युआन से अधिक हो गई है।

गांव की सामूहिक अर्थव्यवस्था शून्य से बढ़कर 50 लाख युआन से अधिक पहुंची। इस गांव में हुआ बड़ा परिवर्तन न केवल गरीबी उन्मूलन में मिली जीत है, बल्कि चीनी शैली के प्रदर्शन आधारित शासन की विचारधारा भी दिखाता है। शीपातोंग गांव में हुआ परिवर्तन किसी भी स्थानीय नेता की अपने कार्यकाल के दौरान की उपलब्धि नहीं थी, बल्कि कई सरकारी कर्मचारियों के एक साथ सक्रियता से काम करने के प्रयास का परिणाम है। वर्ष 2014 से 2026 तक गांव के गरीबी उन्मूलन कार्य दल के सात नेता, जिनमें से प्रत्येक खुद को गरीबी उन्मूलन के रिले दौड़ का एक अपरिहार्य हिस्सा मानते हैं। जैसा कि शी चिनफिंग ने कहा कि सफलता सिर्फ मेरी ही नहीं होनी चाहिए, लेकिन सफलता में मैं अवश्य शामिल होऊंगा। यह चीनी शैली के प्रदर्शन आधारित शासन की विचारधारा का प्रतिबिंब है।

बंगाल चुनाव को लेकर जुबानी जंग: ईवीएम, एसआईआर और चुनाव आयोग की भूमिका को लेकर नेताओं में घमासान

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल की चुनावी प्रक्रिया को लेकर राजनीतिक तकरार और तेज हो गई है। अलग-अलग दलों के नेताओं ने इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों (ईवीएम) की सुरक्षा, वोटर वेरिफिकेशन के तरीकों और चुनाव आयोग की भूमिका पर गंभीर आरोप लगाए। दूसरी तरफ, कोलकाता में ईवीएम रखे जाने वाले स्ट्रॉन्गरूम के बाहर भी तनाव बढ़ गया।

जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने इस विवाद पर अपनी राय रखते हुए ईवीएम को लेकर जताई जा रही चिंताओं और मतदाता सूचियों के 'विशेष गहन पुनरीक्षण' (एसआईआर) को लेकर चल रही बहस के बीच अंतर स्पष्ट किया।

पत्रकारों से बात करते हुए उमर अब्दुल्ला ने कहा कि वे चुनाव से पहले के चरण में ईवीएम के साथ छेड़छाड़ के आरोपों से सहमत नहीं हैं, लेकिन उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि मतदान के बाद ईवीएम की सुरक्षा सुनिश्चित करना राजनीतिक दलों की जिम्मेदारी है।

उन्होंने कहा कि मैंने हमेशा कहा है कि मुझे ईवीएम में चुनाव से पहले की धांधली पर विश्वास नहीं है, लेकिन चुनाव के बाद के चरण में ईवीएम की सुरक्षा करना हमारी जिम्मेदारी है। हम तब भी ऐसा ही करते थे, जब मतपेटियों का इस्तेमाल होता था। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी जैसे नेताओं को स्ट्रॉन्गरूम के बाहर पार्टी कार्यकर्ताओं को तैनात करने का पूरा अधिकार है।

हालांकि, अब्दुल्ला ने आरोप लगाया कि मौजूदा चिंता अलग है। आज चोरी ईवीएम के जरिए नहीं हो रही है। दुर्भाग्य से अब यह एसआईआर के जरिए चुनाव आयोग के माध्यम से की जा रही है। इसीलिए बंगाल का यह चुनाव सबके लिए इतनी बड़ी चुनौती बन गया है।

दिन भर के घटनाक्रम पर प्रतिक्रिया देते हुए केंद्रीय राज्य मंत्री (उत्तर प्रदेश) बीएल वर्मा ने सीएम ममता की आलोचना की और उन पर लोकतांत्रिक संस्थाओं को कमजोर करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि स्थापित चुनावी प्रक्रियाओं के तहत, उम्मीदवारों की अनुपस्थिति में भी जांच या सत्यापन की प्रक्रिया आगे बढ़ सकती है।

वर्मा ने आरोप लगाते हुए कहा कि बनर्जी चुनाव निकाय के कामकाज को प्रभावित करने की कोशिश कर रही हैं। उन्होंने कहा कि जब चुनाव आयोग जानकारी प्रकाशित करता है, तो यह प्रक्रिया तब भी शुरू हो सकती है, भले ही केवल दो उम्मीदवार ही मौजूद हों। वहां कैमरे लगे होते हैं और हर चीज की पुष्टि की जा सकती है।

जबलपुर क्रूज हादसा: उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने जताया दुख, घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना

नई दिल्ली। मध्य प्रदेश के जबलपुर जिले स्थित बरगी बांध में हुए दर्दनाक क्रूज हादसे ने पूरे देश को झकझोर दिया है। इस हादसे में मृतकों की संख्या बढ़कर 9 हो गई है, जबकि अभी भी कम से कम चार यात्री लापता बताए जा रहे हैं। राहत और बचाव कार्य युद्ध स्तर पर जारी है। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने इस हादसे पर शोक व्यक्त किया है।

उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन ने अपने अधिकारिक एक्स अकाउंट पर एक पोस्ट में लिखा, 'मध्य प्रदेश के जबलपुर में नाव पलटने की घटना में हुई जान-माल की हानि से मैं अत्यंत दुखी हूं। शोक संतप्त परिवारों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं। मैं प्रार्थना करता हूं कि दुख की इस घड़ी में उन्हें साहस और संबल मिले और घायल शीघ्र स्वस्थ हों।'

इसी बीच, मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने हादसे की जांच के आदेश दे दिए हैं। उन्होंने कहा कि प्रारंभिक जानकारी के अनुसार यह दुर्घटना चक्रवात के कारण हुई है, हालांकि इसकी विस्तृत जानकारी जांच रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट हो पाएगी। मुख्यमंत्री ने बताया कि राहत और बचाव कार्यों के लिए एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीमें मौके पर तैनात हैं। साथ ही, पर्यटन मंत्री धर्मेंद्र सिंह लोधी, लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह और एसीएस संजय दुबे सहित प्रशासनिक अधिकारियों को तुरंत घटनास्थल पर भेजा गया। मुख्यमंत्री ने यह भी घोषणा की कि हादसे के दौरान जिन रेस्क्यू टीम के सदस्यों ने पर्यटकों की जान बचाने में अहम भूमिका निभाई, उन्हें 15 अगस्त के अवसर पर सम्मानित किया जाएगा।

योगी आदित्यनाथ के बयान पर अखिलेश यादव का पलटवार, हालात के हिसाब से रंग बदलती है सरकार

लखनऊ। बुद्ध पूर्णिमा के मौके पर सपा कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के के 'गिरगिट' वाले बयान पर पलटवार किया। उन्होंने कहा कि सरकार हालात के हिसाब से अपना रुख बदलती है और जनता का ध्यान मूल मुद्दों से भटकाने की कोशिश कर रही है।

उन्होंने कहा कि वर्तमान समय चुनौतियों से भरा है और समाज को मिलकर आगे बढ़ने की जरूरत है। इस दौरान उन्होंने बौद्ध आस्था से जुड़े प्रमुख स्थलों लुंबनी, सारनाथ और कुशीनगर के विकास के संकल्प को दोहराते हुए कहा कि इन स्थलों को वैश्विक पहचान दिलाना जरूरी है।

मुख्यमंत्री के 'गिरगिट' वाले बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए अखिलेश यादव ने कहा कि असल में सत्ता पक्ष ही परिस्थितियों के अनुसार अपने बयान बदलता है। उन्होंने आरोप लगाया कि 'नारी वंदन' जैसे मुद्दों को नारे के रूप में इस्तेमाल कर जनता का ध्यान भटकाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि अब प्रदेश की जनता सब समझ चुकी है और बदलाव चाहती है।

महिला आरक्षण के मुद्दे पर उन्होंने कहा कि यह सभी दलों की सहमति से पारित हुआ था, लेकिन भाजपा इसे राजनीतिक लाभ के लिए इस्तेमाल कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार इस मुद्दे को उछालकर अन्य ज्वलंत समस्याओं से ध्यान हटाने की कोशिश कर रही है। सपा प्रमुख ने परिसीमन और संशोधन से जुड़े मामलों पर भी सरकार की मंशा पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि लंबे समय से आंकड़ों के आधार पर राजनीतिक रणनीति तैयार की जा रही है। कानून-व्यवस्था के मुद्दे पर उन्होंने 'बुलडोजर नीति' की आलोचना करते हुए हरदोई और वाराणसी की घटनाओं की निष्पक्ष जांच की मांग की। इसके अलावा, उन्होंने स्मार्ट मीटर योजना, गेहूं खरीद में देरी, श्रम कानूनों में बदलाव और अयोध्या मास्टर प्लान में बार-बार संशोधन जैसे मुद्दों को उठाते हुए सरकार को कठघरे में खड़ा किया।

उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार अपनी नीतियों के जरिए चुनिंदा लोगों को फायदा पहुंचा रही है। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में बौद्ध भिक्षुओं ने हिस्सा लिया। 'बुद्धं शरणं गच्छामि' के उद्घोष से पूरा परिसर गूंज उठा और भिक्षुओं ने बौद्ध धर्म के उपदेशों का पाठ किया।

नतीजों से पहले ममता बनर्जी घबराई हुई हैं: भाजपा

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के नतीजों से पहले मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के स्ट्रॉन्ग रूम दौरे को लेकर भारतीय जनता पार्टी ने उन पर तीखा हमला बोला है। भाजपा नेताओं ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि ममता बनर्जी हार की आशंका से घबराई हुई हैं और अब बहाने तलाश रही हैं।

दरअसल, गुरुवार देर रात ममता बनर्जी दक्षिण कोलकाता के भवानीपुर विधानसभा क्षेत्र के सखावत मेमोरियल गवर्नमेंट गर्ल्स हाई स्कूल पहुंचीं, जहां ईवीएम रखी गई हैं। उन्होंने वहां ईवीएम में छेड़छाड़ की आशंका जताई और आधी रात तक परिसर में मौजूद रहीं।

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सैयद शाहनवाज हुसैन ने कहा कि तृणमूल कांग्रेस हार के डर से बौखलाई हुई है। उन्होंने कहा, 'घबराहट और भ्रम की स्थिति में वे स्ट्रॉन्ग रूम जा रहे हैं। जनता अपना फैसला दे चुकी है। भाजपा पूरी ताकत के साथ सत्ता में आने जा रही है।' उन्होंने दावा किया कि एग्जिट पोल में भी भाजपा को बढ़त दिखाई गई है। साथ ही कहा कि तृणमूल कांग्रेस हार का ठीकरा चुनाव आयोग पर फोड़ने के लिए बहाना ढूंढ रही है। भाजपा प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने तृणमूल कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि पार्टी ने 'ट्रिपल डी' रणनीति अपनाई है- डिनायल, डायवर्जन और ड्रामा। उन्होंने आरोप लगाया कि तृणमूल नेता लोगों को धमका रहे हैं और संवैधानिक संस्थाओं, खासकर चुनाव आयोग, का अपमान कर रहे हैं। पूनावाला ने तृणमूल सांसद कल्याण बनर्जी के एक वायरल वीडियो का जिक्र करते हुए कहा कि इससे साफ है कि तृणमूल की विदाई तय है।

बिहार भाजपा अध्यक्ष संजय सरावगी ने ममता बनर्जी के दौरे को उनकी 'हताशा' बताया। उन्होंने कहा, 'ऐसा लग रहा है कि वह भवानीपुर से भी हार रही हैं। उनकी गतिविधियां कानून के दायरे में भी सही नहीं हैं। उनके चेहरे पर घबराहट साफ दिखाई दे रही है।' उन्होंने कहा कि अधिकांश एग्जिट पोल भाजपा को बढ़त दे रहे हैं, इसलिए ममता बनर्जी और ज्यादा परेशान हैं।

उत्तर प्रदेश में सर्वाधिक पौधरोपण, 'एक पेड़ मां के नाम 2.0' अभियान से सीखेगी दुनिया

लखनऊ। उत्तर प्रदेश ने पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में ऐसा उदाहरण पेश किया है, जिसकी गूंज अब ब्रिक्स देशों तक पहुंच गई है। पीएम नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में शुरू हुए 'एक पेड़ मां के नाम 2.0' अभियान ने प्रदेश को पौधरोपण के मामले में नई ऊंचाई दी है।

गत 9 जुलाई 2025 को एक ही दिन में 37 करोड़ से अधिक पौधे लगाकर यूपी ने विश्व रिकॉर्ड बनाया, जबकि पिछले 9 वर्षों में 242 करोड़ से अधिक पौधे लगाए जा चुके हैं। उत्तर प्रदेश की इस उपलब्धि को दुनिया के अन्य देशों ने सराहा है और इस तरह के अभियान चलाकर अपने देश के लोगों को

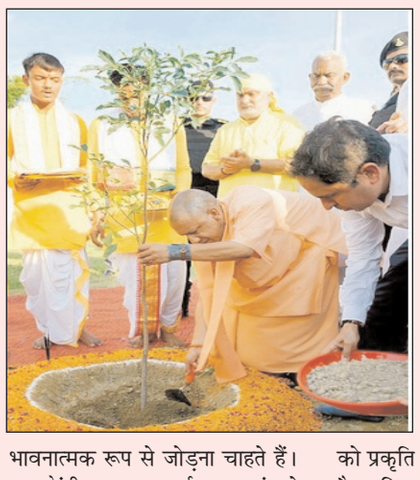

भावनात्मक रूप से जोड़ना चाहते हैं।

केंद्रीय युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय की ओर से आयोजित वर्चुअल समिट में नौ देशों के युवा प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया और यूपी के इस अभियान की खुलकर सराहना की। ब्राजील, रूस, भारत, चीन, दक्षिण अफ्रीका, मिस्र, इथोपिया, ईरान और इंडोनेशिया के युवाओं ने पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन की चुनौती पर विचार व्यक्त किए। विश्व के अन्य देशों के युवाओं का कहना था कि 'एक पेड़ मां के नाम' जैसा विचार लोगों को प्रकृति से भावनात्मक रूप से जोड़ता है। प्रतिभागी युवाओं का मानना है कि पर्यावरण बचाने के लिए केवल नारे नहीं, बल्कि ऐसे अभियान चाहिए जो समाज की भावनाओं को छू सकें। इसे यूपी ने कर दिखाया है। विभिन्न देशों के युवाओं ने इसे अपने-अपने देशों में लागू करने की बात भी कही।

बागपत की जिलाधिकारी अस्मिता लाल ने बताया कि वर्चुअल समिट में उत्तर प्रदेश का प्रतिनिधित्व करने वाले बागपत के अमन कुमार ने भारत की आवाज बुलंद की है। उन्होंने पर्यावरण के लिए स्वयंसेवा का संदेश देते हुए कहा कि जलवायु परिवर्तन से जूझती दुनिया में हर नागरिक को प्रकृति संरक्षण का हिस्सा बनना होगा। प्रदेश के इस व्यापक अभियान की खूबियां अन्य देशों के युवाओं ने गंभीरता से सुनीं और इसे प्रेरणादायक बताया।

सान्या में एशियाई बीच गेम्स का समापन हुआ

बीजिंग। छठे एशियाई बीच गेम्स का समापन 30 अप्रैल की शाम को चीन के हाईनान प्रांत के सान्या में हुआ। चीनी खेल प्रतिनिधिमंडल ने 24 स्वर्ण, 18 रजत और 13 कांस्य पदकों के साथ स्वर्ण पदक और कुल पदक तालिका दोनों में शीर्ष स्थान हासिल किया।

इस एशियाई बीच गेम्स में, चीनी खेल प्रतिनिधिमंडल ने 13 खेलों और 60 स्पर्धाओं में भाग लेने के लिए 171 एथलीटों को भेजा। उन्होंने अंतत: 24 स्वर्ण, 18 रजत और 13 कांस्य पदक जीते, स्वर्ण पदक और समग्र पदक तालिका दोनों में प्रथम स्थान प्राप्त किया, जो एशियाई बीच गेम्स में उनका अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है।

सान्या एशियाई बीच गेम्स में चीनी खेल प्रतिनिधिमंडल के उपाध्यक्ष और महासचिव ज्यांग शिन ने कहा कि परिणाम दर्शाते हैं कि प्रतिनिधिमंडल की ताकत और भी मजबूत हुई है, नए जोड़े गए स्पर्धाओं में महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल की गई हैं, स्पर्धाओं का लेआउट अधिक संतुलित है, और युवा एथलीटों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है, जिसके परिणामस्वरूप चीन के बीच खेलों की समग्र ताकत में एक महत्वपूर्ण उछाल आया है।

इस एशियाई बीच गेम्स में, चीनी टीम ने चार स्पर्धाओं में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया: महिला शॉट पुट, पुरुष 5 किमी ओपन वाटर तैराकी, मिश्रित रिले (तैराकी और दौड़) और महिला 100 मीटर ड्रैगन बोट। स्पीड क्लाइम्बिंग में, चीनी खिलाड़ियों ने पुरुष व्यक्तिगत, पुरुष और महिला रिले में चार बार विश्व रिकॉर्ड तोड़ा।

संपादकीय

4 मई के बाद बदल जाएगी देश की राजनीति

संतोष कुमार पाठक

देश के चार राज्यों- असम, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु और केरल एवं एक केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी में हुए विधानसभा चुनाव को लेकर तमाम एग्जिट पोल भी सामने आ चुके है। इस बार का विधानसभा चुनाव , इस मायने में बहुत खास है कि इसमें देश के दो प्रमुख राष्ट्रीय राजनीतिक दलों-कांग्रेस और बीजेपी के साथ ही तृणमूल कांग्रेस, डीएमके और एआईएडीएमके जैसे ताकतवर क्षेत्रीय दलों की प्रतिष्ठा भी दांव पर लगी है। सबसे बड़ा सवाल तो लेफ्ट फ्रंट के दलों के सामने खड़ा हो गया है क्योंकि केरल की सत्ता हाथ से जाते ही उनके सामने अस्तित्व का संकट खड़ा हो जाएगा। त्रिपुरा और पश्चिम बंगाल में तो लेफ्ट पार्टियां पहले ही साफ हो चुकी है। जाहिर है कि इन पांच राज्यों/केंद्र शासित प्रदेश के चुनावी नतीजें सिर्फ इन राज्यों के मुख्यमंत्री ही तय नहीं करेंगे बल्कि दोनों गठबंधन- एनडीए एवं इंडिया को भी प्रभावित करेंगे। यह भी एक तथ्य है कि चाहे, चुनावी नतीजे जो भी आए लेकिन इसके बाद देश के दो प्रमुख राजनीतिक दलों में तेजी से बड़े बदलाव दिखाई देने लगेंगे।बीजेपी ने नितिन नवीन को राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाकर कई महीने पहले ही बदलाव की शुरुआत कर दी थी लेकिन वह बदलाव अभी संगठन के ढांचे और सरकार तक नहीं पहुंच पाया है। बताया जा रहा है कि चुनावी नतीजों के बाद नितिन नवीन की नई टीम के गठन के लिए उच्चस्तरीय बैठकों का दौर शुरू होगा। बीजेपी आलाकमान के सामने सबसे बड़ी चुनौती इस बात की है कि वो बुजुर्ग हो चुके नेताओं को संगठन से बाहर रहने के लिए कैसे मना पाते हैं क्योंकि सबसे युवा अध्यक्ष

चुनने के बाद पार्टी उनकी टीम को भी युवा नेताओं से ही भरना चाहती है। पार्टी के युवा राष्ट्रीय अध्यक्ष की अध्यक्षता में बीजेपी को पार्टी का फैसला लेने वाली सर्वोच्च ईकाई संसदीय बोर्ड, उम्मीदवारों का चयन करने वाली केंद्रीय चुनाव समिति के साथ ही राष्ट्रीय पदाधिकारियों और मोर्चों का पुनर्गठन करना है। पार्टी में नए राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, राष्ट्रीय महासचिव, राष्ट्रीय सचिव, राष्ट्रीय प्रवक्ता, मीडिया सहित विभिन्न विभागों की टीम के साथ ही राष्ट्रीय मोर्चों का भी पुनर्गठन करना है। इसके बाद बदलाव की यही प्रक्रिया सरकार और राज्यों में भी की जानी है। नई टीम में एक तरफ जहां युवा और अनुभवी नेताओं का संतुलन बनाना होगा वहीं महिलाओं को भी ज्यादा से ज्यादा जगह देनी होगी। बताया जा रहा है कि 4 मई को चुनावी नतीजे आने के 10-15 दिनों के अंदर नितिन नवीन की नई राष्ट्रीय टीम का ऐलान हो सकता है और इसके बाद भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय मुख्यालय का पूरा स्वरूप ही बदला-बदला नजर आएगा। कांग्रेस में भी बड़े पैमाने पर बदलाव की शुरुआत आने वाले दिनों में होने जा रही है। मोदी-शाह की जोड़ी ने 46 वर्ष के नितिन नवीन को बीजेपी का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाकर राहुल और सोनिया गांधी के सामने दुविधा की स्थिति पैदा कर दी है। मल्लिकार्जुन खड़गे सुलझे हुए परिपक्व नेता तो हैं लेकिन 2029 के लोकसभा चुनाव से पहले कांग्रेस को भी एक युवा राष्ट्रीय अध्यक्ष के साथ युवा नेताओं की टीम तो खड़ी करनी ही पड़ेगी। हालांकि यह भी बताया जा रहा है कि राहुल गांधी अभी भी इस बात पर अड़े हुए हैं कि गांधी परिवार का कोई भी व्यक्ति पार्टी का राष्ट्रीय अध्यक्ष नहीं बनेगा। ऐसे में जाहिर से बात है कि कांग्रेस को राहुल और प्रियंका गांधी से इतर जाकर अन्य युवा नेताओं की तरफ देखना पड़ेगा। इस रेस में फिलहाल सचिन पायलट सबसे आगे बताए जा रहे हैं। राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा, दोनों के चहेते नेता सचिन पायलट को आने वाले दिनों में कांग्रेस का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाया जा सकता है, अगर अशोक गहलोत ने पार्टी के बुजुर्ग नेताओं के साथ मिलकर कोई और खेला नहीं कर दिया तो। ध्यान दीजिएगा कि, यह अकारण नहीं है कि पिछले कुछ दिनों से गहलोत बार-बार पायलट की बगावत का किस्सा सुनाने में लगे हुए है। लेकिन अगर पायलट का नाम पीछे छूट भी गया तो भी राहुल गांधी को पार्टी के लिए नया और वो भी युवा राष्ट्रीय अध्यक्ष तो ढूंढना ही पड़ेगा। कांग्रेस के अंदर वर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष खड़गे को लेकर भी सुगबुगाहट शुरू हो गई है। कहा जा रहा है कि कर्नाटक में मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार की गुटबाजी पर लगाम कसने के लिए खड़गे को मुख्यमंत्री बनाकर बेंगलुरू भेजा जा सकता है और उनकी जगह पर दिल्ली में नए राष्ट्रीय अध्यक्ष को बैठाया जा सकता है। जाहिर सी बात है कि अगर खड़गे कर्नाटक जाएंगे तो फिर पार्टी को राज्यसभा में भी अपना नया नेता चुनना पड़ेगा। नए राष्ट्रीय अध्यक्ष के साथ राष्ट्रीय संगठन महासचिव भी किसी युवा नेता को ही बनाना पड़ेगा और उसके बाद कांग्रेस मुख्यालय में भी नए चेहरों की संख्या बढ़ जाएगी।

पीएचडीः उपाधि नहीं, ज्ञान-सृजन की निरंतर यात्रा

- डॉ. प्रियंका सौरभ

आज के समय में पीएचडी (Doctor of Philosophy) को लेकर समाज में अनेक धारणाएँ प्रचलित हैं। कुछ लोग इसे केवल 'डिग्री' मानते हैं, कुछ इसे नौकरी पाने का साधन समझते हैं, जबकि कुछ इसे प्रतिष्ठा का प्रतीक मान बैठते हैं। सोशल मीडिया पर भी समय-समय पर ऐसे लेख और टिप्पणियाँ सामने आती रहती हैं जिनमें पीएचडी की उपयोगिता, कठिनाई और वास्तविक अर्थ पर बहस होती है। वास्तव में पीएचडी केवल एक प्रमाणपत्र नहीं, बल्कि ज्ञान की सीमाओं को आगे बढ़ाने की सतत बौद्धिक यात्रा है। यह थीसिस लिखकर समाप्त होने वाली प्रक्रिया नहीं, बल्कि शोध-चिंतन, विश्लेषण और समाजोपयोगी योगदान की निरंतर साधना है।

पीएचडी का मूल उद्देश्य किसी विषय के स्थापित ज्ञान को दोहराना नहीं, बल्कि उसमें नया जोड़ना है। स्नातक और स्नातकोत्तर स्तर तक विद्यार्थी प्राय: उपलब्ध ज्ञान को पढ़ते, समझते और परीक्षाओं के माध्यम से सिद्ध करते हैं। परंतु पीएचडी उस बिंदु से आगे की अवस्था है जहाँ शोधार्थी स्वयं प्रश्न गढ़ता है, समस्या की पहचान करता है, पद्धति चुनता है, प्रमाण जुटाता है और निष्कर्ष प्रस्तुत करता है। इस अर्थ में पीएचडी 'सीखने' से अधिक 'नया रचने' की प्रक्रिया है।

बहुत से लोग समझते हैं कि पीएचडी का मतलब केवल मोटी थीसिस जमा कर देना है। यह सोच अधूरी है। थीसिस तो उस दीर्घ यात्रा का लिखित दस्तावेज़ है जो कई वर्षों के अध्ययन, क्षेत्रकार्य, प्रयोग, डेटा विश्लेषण, आलोचनात्मक चिंतन और संशोधन के बाद तैयार होता है। एक अच्छी थीसिस में केवल शब्दों की संख्या नहीं, बल्कि विचारों की मौलिकता, शोध की ईमानदारी और निष्कर्षों की उपयोगिता महत्व रखती है। यदि शोधार्थी ने समस्या को गहराई से समझा, उचित पद्धति अपनाई और निष्पक्ष निष्कर्ष दिए, तभी उसका शोध सार्थक माना जाता है।

पीएचडी शोधार्थी को धैर्य सिखाती है। शोध में अक्सर त्वरित परिणाम नहीं मिलते। कई बार महीनों का प्रयास असफल हो जाता है, परंतु शोधकर्ता पुन: आरंभ करता है। विज्ञान प्रयोगशाला में प्रयोग विफल हो सकते हैं, समाज विज्ञान में सर्वेक्षण अपेक्षित परिणाम नहीं दे सकता, साहित्य में संदर्भ सामग्री अधूरी मिल सकती है। फिर भी शोधार्थी हार नहीं मानता। यही निरंतरता उसे साधारण विद्यार्थी से शोधकर्ता बनाती है।

यह भी सत्य है कि पीएचडी केवल व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं, सामाजिक जिम्मेदारी भी है। जब कोई व्यक्ति शिक्षा, कृषि, स्वास्थ्य, अर्थशास्त्र, भाषा, पर्यावरण, तकनीक या नीति से जुड़े विषयों पर शोध करता है, तो उसके निष्कर्ष समाज को दिशा दे सकते हैं। उदाहरण के लिए, ग्रामीण शिक्षा पर शोध सरकारी विद्यालयों की दशा सुधार सकता है; जल संरक्षण पर शोध नीति निर्माण में सहायक हो सकता है; भारतीय भाषाओं पर शोध सांस्कृतिक विरासत को सहेज सकता है। इसलिए पीएचडी का मूल्य केवल विश्वविद्यालय परिसर तक सीमित नहीं होता।

हालाँकि, यह भी स्वीकार करना होगा कि वर्तमान समय में शोध जगत अनेक चुनौतियों से घिरा है। कुछ स्थानों पर शोध की गुणवत्ता पर प्रश्न उठते हैं। कहीं मार्गदर्शन की कमी है, कहीं संसाधनों का अभाव, कहीं शोधार्थियों पर अनावश्यक प्रशासनिक बोझ, तो कहीं केवल औपचारिकता निभाने

की प्रवृत्ति। कुछ लोग पीएचडी को मात्र पदोन्नति या नौकरी हेतु आवश्यक पात्रता मानकर करते हैं। इससे शोध की आत्मा प्रभावित होती है। जब उद्देश्य ज्ञान नहीं, केवल लाभ हो जाए, तो शोध सतही होने लगता है।

इस समस्या का समाधान पीएचडी की आलोचना में नहीं, बल्कि उसकी गुणवत्ता सुधारने में है। विश्वविद्यालयों को शोध अवसंरचना मजबूत करनी होगी। प्रयोगशालाएँ, पुस्तकालय, डिजिटल डेटाबेस, वित्तीय सहायता और सक्षम मार्गदर्शक उपलब्ध कराने होंगे। शोधार्थियों को लेखन, अनुसंधान पद्धति, नैतिकता और प्रकाशन की उचित प्रशिक्षण व्यवस्था मिलनी चाहिए। साथ ही, शोध मूल्यांकन केवल पृष्ठ संख्या या औपचारिक प्रस्तुति से नहीं, बल्कि वास्तविक योगदान से होना चाहिए।

पीएचडी में मार्गदर्शक (Supervisor) की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। एक अच्छा मार्गदर्शक शोधार्थी को स्वतंत्र सोचने की प्रेरणा देता है, त्रुटियाँ बताता है, दिशा देता है और मानसिक संबल भी प्रदान करता है। वहीं यदि मार्गदर्शन कमजोर हो, तो प्रतिभाशाली विद्यार्थी भी भटक सकता है। इसलिए मार्गदर्शक चयन और उत्तरदायित्व की प्रणाली मजबूत होनी चाहिए।

आज के डिजिटल युग में शोध का स्वरूप भी बदल रहा है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, बिग डेटा, अंतर्विषयी अध्ययन, ओपन एक्सेस जर्नल, ऑनलाइन डेटाबेस और वैश्विक सहयोग ने पीएचडी को नई संभावनाएँ दी हैं। अब शोध केवल पुस्तकालय की अलमारियों तक सीमित नहीं रहा। एक भारतीय शोधार्थी विश्वस्तरीय सामग्री तक पहुँच सकता है और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर संवाद कर सकता है। यह अवसर है, पर इसके साथ चुनौती भी है कि सूचना की अधिकता में गुणवत्ता और मौलिकता कैसे बनाए रखें।

पीएचडी का सबसे बड़ा गुण आलोचनात्मक चिंतन है। शोधार्थी हर तथ्य को प्रश्न की दृष्टि से देखता है। वह केवल स्वीकार नहीं करता, जाँचता है। वह केवल परंपरा नहीं दोहराता, तर्क मांगता है। यही दृष्टि समाज के लिए अमूल्य है। लोकतंत्र, नीति निर्माण, शिक्षा सुधार और सामाजिक विमर्श में ऐसे प्रशिक्षित मस्तिष्कों की आवश्यकता होती है जो भावनाओं से नहीं, प्रमाणों से सोचें।

कई बार लोग पूछते हैं—पीएचडी करने से मिलता क्या है? इसका उत्तर वेतन, पद या उपाधि तक सीमित नहीं है। पीएचडी व्यक्ति को अनुशासन, धैर्य, लेखन क्षमता, प्रस्तुतीकरण कौशल, समस्या समाधान क्षमता और गहरी बौद्धिक परिपक्वता देती है। वह जटिल प्रश्नों को व्यवस्थित ढंग से समझना सीखता है। यह क्षमता जीवन के हर क्षेत्र में उपयोगी है।

भारत जैसे युवा देश में शोध संस्कृति को मजबूत करना अत्यंत आवश्यक है। यदि हम केवल उपभोक्ता बने रहेंगे और नया ज्ञान उत्पन्न नहीं करेंगे, तो वैश्विक प्रतिस्पर्धा में पीछे रह जाएँगे। तकनीक, स्वास्थ्य, कृषि, रक्षा, पर्यावरण, भाषा और सामाजिक नीति—हर क्षेत्र में स्वदेशी शोध आवश्यक है। इसलिए पीएचडी को सम्मानजनक, गुणवत्तापूर्ण और उपयोगी बनाना राष्ट्रीय आवश्यकता है।

समाज को भी पीएचडी धारकों को केवल 'डॉक्टर' कहकर सम्मानित करने या मज़ाक उड़ाने की दो चरम सीमाओं से बाहर आना होगा। हर पीएचडी श्रेष्ठ नहीं होती, पर हर पीएचडी निरर्थक भी नहीं होती। सही दृष्टिकोण यह है कि शोध को उसके योगदान, ईमानदारी और गुणवत्ता से आँका जाए।

अंतत:, पीएचडी थीसिस से आगे का सफर है। यह जिज्ञासा से आरंभ होकर ज्ञान सृजन पर समाप्त नहीं, बल्कि आगे बढ़ती यात्रा है। थीसिस उसकी मंज़िल नहीं, पड़ाव है। एक सच्चा शोधार्थी उपाधि मिलने के बाद भी प्रश्न पूछना नहीं छोड़ता। वह पढ़ता है, लिखता है, सोचता है और समाज को बेहतर बनाने की दिशा में योगदान देता है। इसलिए जब अगली बार कोई पूछे कि पीएचडी क्या है, तो उत्तर होना चाहिए—यह केवल डिग्री नहीं, बल्कि विचारों की तपस्या है; केवल थीसिस नहीं, बल्कि सत्य की खोज है; केवल उपाधि नहीं, बल्कि समाज और ज्ञान के प्रति दीर्घकालिक उत्तरदायित्व है।

(डॉ. प्रियंका सौरभ,
पीएचडी (राजनीति विज्ञान),
कवयित्री एवं सामाजिक

अध्यात्म साधना का तीसरा सिद्धांत हैं - उत्कृष्ट उद्देश्य

अध्यात्म साधना का तीसरा सिद्धांत हैं - उत्कृष्ट उद्देश्य । आध्यात्मिक साधनायें केवल उन्हीं लोगों की सफल होती हैं । जिनका उद्देश्य ऊँचा हो, जो सामान्य से अलग सोचते हो, जो देश धर्म और संस्कृति के हित में सोचते हो । जो लोग अपनी कामनाओं और वासनाओं की मांग ईश्वर से करते हैं । वह पूरी ही हो ऐसा जरुरी नहीं हैं

असल में, हमसे बेहतर हमारा भला और बुरा ईश्वर सोच सकता हैं । अगर हम खुद को ईश्वर को समर्पित कर सके तो विश्वास रखिये ईश्वर हमसे बेहतर हमारा खयाल रखता हैं । इसलिए हमे उससे कुछ मांगने की, उसके सामने हाथ फ़ैलाने की या गिड़गिड़ाने की जरूरत नहीं हैं । हमारे जरूरत की हर चीज़ को वह समय आने पर स्वयं हमारे सामने प्रस्तुत कर देता हैं । ऐसा मेरा अनुभव और विश्वास हैं । दैवीय शक्तियां यह देखती हैं, कि हम किस मकसद से उनकी साधना कर रहे हैं । अगर सांसारिक कामनाओं और वासनाओं के घटिया मकसद को लेकर हम साधना कर रहे हैं । तो विश्वास रखिये हमे साधना का वह फल नहीं मिलेगा, जो मिलना चाहिए या जिसकी हम आस लगाये बैठे हैं । 'ईश्वर उसी की सहायता करता हैं, जो अपनी सहायता आप करता हैं'

इस सिद्धांत को आप हमेशा याद रखिये । खुद मेहनत करने के झंझट से बचने के लिए अगर हम साधना के सरल मार्ग से सफलता पाने की आशा रखते हैं तो जान लीजिये कि आप खुद को धोखा दे रहे हैं । हमारे क्षेत्र की एक घटना कुछ ऐसे हैं कि : -एक बार एक विद्यार्थी जिसने 10 वीं कक्षा पास करके 11वीं में विज्ञान विषय में प्रवेश लिया । उसने विषय का चयन तो कर लिया था । लेकिन उसे गणित और विज्ञान बड़े पेचीदे विषय लगे । फिर एक दिन उसने कहीं से पढ़ - सुन लिया होगा कि हनुमान जी अपने भक्तों की सभी समस्याओं का समाधान कर देते हैं । (संकटमोचन नाम तुन्हारों) तो वह हनुमान जी का भक्त हो गया । अब वह दिनभर पढाई करने के बजाय खुद को कमरे में बंद करके पता नहीं क्या भक्ति करता था । उसके घर वालों ने तो उसे पागल घोषित कर दिया था । परन्तु क्या वह पागल था ? शायद और शायद नहीं । अब उसकी परीक्षा निकट आ गई थी ।

घर वालों ने कहा कि 'परीक्षा तो देने जायेगा ना' तो उसने मना कर दिया और कहने लगा कि 'सब हनुमान जी देख लेंगे' । घर वालों और पढ़ोसियों के बहुत समझाने पर शायद वो परीक्षा देने के लिए मान गया था । किन्तु अंतत: वह परीक्षा में फ़ैल हो गया । घर वाले तो पहले से जानते थे, कि उसका फ़ैल होना निश्चित हैं । किन्तु उसे बहुत बड़ा धक्का लगा । क्यों हुआ ऐसा ? इसलिए की वह सिद्धांत विहीन उपासना कर रहा था । किसी भी साधना की सफलता के लिए परिष्कृत व्यक्तित्व का होना अनिवार्य हैं । कोई भी साधना करने से पहले यह निश्चय होना चाहिए कि साधना क्यों की जा रही हैं । यह खयाल बराबर बना रहना चाहिए कि हमारी साधना हमेशा ऊँचे उद्देश्यों के लिए हो । आत्मकल्याण और लोकमंगल के उद्देश्य से की जाने वाली साधनायें हमेशा सफल होकर रहती हैं । इसके साथ - साथ इस बात का भी ध्यान बराबर बना रहना चाहिए कि हमारी साधना में तीनों सिद्धांतों का समावेश हो । चाहे वो भौतिक सफलता के लिए हो, चाहे आत्मकल्याण के लिए ।

चुटकुले

गर्लफ्रेंड : चुप रहो, खाते टाइम बातें नहीं करते, फिर बॉयफ्रेंड के जवाब से रोने लगी गर्लफ्रेंड

हम आपको हंसाने के लिए कुछ मज़ेदार चुटकुले लाए हैं। हंसने से मन खुश रहता है और उदासी दूर होती है। आप तरोताजा महसूस करते हैं। हंसने से अच्छे विचार आते हैं।

जीएफ-बीएफ जोक्स

बॉयफ्रेंड : सुनो जरा

गर्लफ्रेंड : चुप रहो, खाते टाइम लोगों को बात नहीं करनी चाहिए। खाने के बाद करना

गर्लफ्रेंड : अब बोलो

बॉयफ्रेंड : तेरी प्लेट में मच्छर था। ले...और बन हीरोइन

ससुराल में दामाद- आज से मैं रोटी नहीं चावल खाऊंगा

सास- ऐसा क्यों?

दामाद- मोहल्ले वालों का ताना सुनकर-सुनकर परेशान हो गया हूं रोज कहते हैं कि ससुराल वालों की रोटी तोड़ता हूं

सहेली - हाय- मैं तो लुट गई बर्बाद हो गई

पिंकी - क्यों पति ने पिटाई कर दी क्या ? सहेली - मेरे पति का ऑफिस में एक लड़की से चक्कर चल रहा है । पिंकी - तुमको कैसे पता ?

सहेली - मेरे बॉयफ्रेंड ने कल उनको एक लड़की के साथ देखा था

साइकिल वाले ने एक बूढ़े आदमी को ठोक दी और बोला भाईसाहब आप बहुत किस्मत वाले हो

आदमी : एक तो तूने मुझे टक्कर मारी और ऊपर से मुझे किस्मत वाला कह रहे हो

साइकिल वाला : अरे आज मैं छुट्टी में हूं तो साइकिल चला रहा हूं नहीं तो मैं ट्रक चलाता हूं।

गोलू टॉयलेट से निकला तो भी उसके हाथ में फोन था

भोलू- हमेशा फोन में लगा रहता है

गोलू- सॉरी यार

भोलू- तू जब फ्री होता है तो क्या करता है

गोलू- फोन चार्ज करता हूं

भोलू- और फ्री कब होता है

गोलू- जब फोन की बैटरी खत्म हो जाती है

भोलू बेहोश...

व्यंग्य केसरी

वो...नहीं था

राजेंद्र ओझा

उनका नाम चौराहे पर अंकित था और यह चौराहा उन्हीं के नाम से जाना जाता था। बहुत से आवेदनों, मिन्नतों और न जाने क्या - क्या करने के बाद स्थानीय प्रशासन ने उस नाम वाले की प्रतिमा स्थापित करने पर विचार करने का आश्वासन दिया. अब लोग तो लोग हैं, प्रशासन के इस आश्वासन के बाद लौट गए और लग गए अपने अपने काम में।

कुछ दिनों बाद वे फिर जुटे और आवेदन दिए, मिन्नतें की और न जाने क्या क्या किया कि भाई 'आप विचार तो करो। '

तुरंत विचार कर ले, वह प्रशासन ही क्या। पहले 'एक सदस्यीय' कमेटी बनाई। उसे पता था हल्ला होगा और हल्ला हुआ भी। यह तो प्रशासन की बात मानेगा, अधिकारियों की हॉ में हॉ मिलायेगा। ऐसे भी यह विश्वास करने लायक आदमी नहीं है। फिर 'दो सदस्यीय' कमेटी बनी। यहां भी विरोध की गुंजाइश इस स्तर पर थी कि ये दोनो सदस्य सरकारी थे और वही हॉ में हॉ मिलाने वाली बात।

अंत में 'लोगों' के एक प्रतिनिधि को भी कमेटी में जगह मिली।कमेटी का काम 'जगह तलाश' करना था और संबंधित अलग-अलग विशेषज्ञों से मिलकर अनुमानित बजट भी तैयार करना था। कभी एक नहीं तो कभी दूसरा नहीं, तीसरा तो हरदम हाजिर रहता था।? सात दिन की समय सीमा कुछ, कुछ दिन करके सात महीने तक बढ़ती रही और कमेटी ने दो - तीन जगहों को अपने प्रस्ताव में शामिल किया।

अब विशेषज्ञों से मिलना था। विशेषज्ञ हर बात का विशेषज्ञ होता है।? दरवाजे के बाहर खड़े खाखी या सफेद वस्त्रधारी से लेकर अंदर कुर्सी पर बैठे व्यक्ति और उसके आजू - बाजू फाइल लिए खड़े सम्माननियों का हिसाब किताब उसे मुंह जबानी पता होता है। तो ऐसे विशेषज्ञों के हाथों बना अनुमानित बजट जब ऊपर पहुंचता है तो वहां वह इसलिए निरस्त हो जाता है कि इस बजट में 'सम्माननियों' का तो ख्याल ही नहीं रखा गया था। तो फिर एक 'समीक्षा समिति' बनाई जाती है जो 'सभी का ख्याल' रखते हुए संशोधित बजट तैयार करती है। जाहिर है इस 'सभी' में 'सभी' शामिल थे।

छोटी सरकार द्वारा पारित यह 'उचित प्रस्ताव' बड़ी सरकार द्वारा रोक दिया जाता है क्योंकि 'यहां के सभी' का ख्याल इस प्रस्ताव में रखा नहीं गया था।? सो एक और बनी 'समीक्षा समिति' ने यहां के सभी को धन्य किया।

'दो - चार शून्य' वाला यह आंकड़ा 'धन्य' करते करते 'कई शून्यों' वाला हो गया था। 'शून्य' जहां - जहां पहुंचने थे, पहुंचते रहे और काम जगह के सीमांकन से लेकर प्रतिमा के लगने तक बिना रुके पूरा हुआ।

प्रतिमा को लगे महीनों निकल गए, प्रतिमा अभी तक कपड़ों में लिपटी पड़ी है। वो 'नेता' नहीं था, एक 'शहीद' था, 'शहीद' की प्रतिमा के अनावरण को भी आखिर 'शहीद' तो होना ही था।

इतिहास

आज की अहम घटनाओं को अच्छी घटनाओं में कहें तो भारतीय सिने जगत के बेहतरीन निर्माता, निर्देशक और लेखक सत्यजीत रे का जन्म दो मई को ही हुआ था और बुरी घटनाओं की बात करें तो महान चित्रकार लिआनार्दो द विंची आज ही के दिन इस दुनिया को अलविदा कह गए थे। साल के हर दिन की तरह 2 मई के नाम पर भी इतिहास की कई अच्छी बुरी घटनाएं दर्ज हैं। अच्छी घटनाओं में कहें तो भारतीय सिने जगत के बेहतरीन निर्माता, निर्देशक और लेखक सत्यजीत रे का जन्म दो मई को ही हुआ था और बुरी घटनाओं की बात करें तो महान चित्रकार लिआनार्दो द विंची आज ही के दिन इस दुनिया को अलविदा कह गए थे।

मध्य पूर्व तनाव के बीच पेट्रोल-डीजल के दाम स्थिर, एलपीजी की सप्लाई सामान्यः सरकार

नई दिल्ली। 30 अप्रैल को देश में 49.8 लाख से ज्यादा घरेलू एलपीजी सिलेंडर की डिलीवरी की गई, जबकि 41.6 लाख नए सिलेंडर की बुकिंग दर्ज की गई। मिडिल ईस्ट में तनाव के कारण सप्लाई चेन प्रभावित होने के बावजूद देश में कुकिंग गैस की सप्लाई सामान्य बनी हुई है और कहीं भी कमी की खबर नहीं है। शुक्रवार को एक आधिकारिक बयान में पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने यह जानकारी साझा की।

बयान में मंत्रालय ने बताया कि ऑनलाइन एलपीजी बुकिंग बढ़कर 98 प्रतिशत तक पहुंच गई है। साथ ही, उपभोक्ताओं के रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर पर भेजे जाने वाले ऑथेंटिकेशन कोड के जरिए डिलीवरी करीब 93 प्रतिशत तक हो रही है, ताकि गैस की गलत सप्लाई को रोका जा सके। वैश्विक स्तर पर तेल की कीमतें बढ़ने के बावजूद देश में पेट्रोल और डीजल के दाम स्थिर हैं और सभी पेट्रोल पंपों पर इनकी पर्याप्त उपलब्धता बनी हुई है। हालांकि, तेल कंपनियां कुछ खास उत्पादों जैसे जेट फ्यूल और कमर्शियल एलपीजी के दाम अंतरराष्ट्रीय बाजार के अनुसार धीरे-धीरे समायोजित कर रही हैं, जो मुख्य रूप से औद्योगिक और व्यावसायिक उपयोग के लिए होते हैं।

इस बीच, एलपीजी की जमाखोरी और कालाबाजारी रोकने के लिए देश भर में सख्त कार्रवाई जारी है। गुरुवार को 2,300 से ज्यादा छापेमारी की गई। इस बीच, सरकारी तेल कंपनियों ने निगरानी बढ़ा दी है और 342 एलपीजी डिस्ट्रीब्यूटर पर जुर्माना लगाया गया है, जबकि अब तक 73 डिस्ट्रीब्यूटर को निलंबित किया जा चुका है। बयान में आगे कहा गया है कि गुरुवार को 46 एलपीजी डिस्ट्रीब्यूटर को नोटिस जारी किए गए, 6 पर जुर्माना लगाया गया और 1 को निलंबित किया गया।कुकिंग गैस की सप्लाई पूरी तरह सामान्य है और कहीं भी कमी की स्थिति नहीं है। मायपीएनजीडी प्लेटफॉर्म के जरिए 43,200 से ज्यादा पाइप्ड नेचुरल गैस (पीएनजी) उपभोक्ताओं ने अपने एलपीजी कनेक्शन सरेंडर किए हैं, जिससे एलपीजी की मांग पर दबाव कम हुआ है। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य के बंद होने की स्थिति को देखते हुए देश में पेट्रोलियम उत्पादों और एलपीजी की लगातार उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए जरूरी कदम उठाए जा रहे हैं।

वहीं, सरकार ने लोगों से अपील की है कि वे घबराकर पेट्रोल, डीजल और एलपीजी की खरीदारी न करें और अफवाहों से बचें। सही जानकारी के लिए केवल आधिकारिक स्रोतों पर ही भरोसा करें। एलपीजी उपभोक्ताओं को सलाह दी गई है कि वे डिजिटल माध्यम से ही बुकिंग करें और डिस्ट्रीब्यूटर के पास जाने से बचें।

बयान में कहा गया है कि देश की सभी रिफाइनरियां पूरी क्षमता से काम कर रही हैं और कच्चे तेल का पर्याप्त स्टॉक मौजूद है। पेट्रोल और डीजल का भी पर्याप्त भंडार रखा गया है। साथ ही, घरेलू खपत को पूरा करने के लिए रिफाइनरियों में एलपीजी का उत्पादन बढ़ाया गया है।

2000 रुपए के नोटों की वापसी की घोषणा के बाद से 98.47 प्रतिशत नोट वापस आ चुके हैं: आरबीआई

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने शुक्रवार को कहा कि 2000 रुपए के 98.47 प्रतिशत नोट वापस आ चुके हैं। यह आंकड़ा नोटों को चलन से हटाने की घोषणा के लगभग तीन साल बाद सामने आया है।

केंद्रीय बैंक ने 19 मई 2023 को 2000 रुपए के नोटों को चलन से हटाने का फैसला लिया था, जो उसकी मुद्रा प्रबंधन प्रक्रिया का हिस्सा था।

उस समय इन नोटों की कुल वैल्यू 3.56 लाख करोड़ रुपए थी। लेटेस्ट आंकड़ों के अनुसार, यह घटकर 30 अप्रैल 2026 तक सिर्फ 5,451 करोड़ रुपए रह गई है।

आरबीआई ने कहा, '19 मई 2023 को जब 2000 रुपए के नोट वापस लेने की घोषणा की गई थी, तब इनकी कुल वैल्यू 3.56 लाख करोड़ रुपए थी, जो अब घटकर 5,451 करोड़ रुपए रह गई है।

आरबीआई ने अपने बयान में कहा, 'इस तरह 19 मई 2023 तक चलन में मौजूद 2000 रुपए के 98.47 प्रतिशत नोट वापस आ चुके हैं।

नोटों को वापसी लेने की घोषणा के बाद से देश भर में आरबीआई के 19 इश्यू ऑफिस में 2000 रुपए के नोट बदलने की सुविधा दी गई है।

9 अक्टूबर 2023 से इन ऑफिसों में इन नोटों को बैंक खाते में जमा करने की सुविधा भी शुरू कर दी गई थी।

केंद्रीय बैंक ने यह भी बताया कि लोग अब भी देश के किसी भी पोस्ट ऑफिस से इंडिया पोस्ट के जरिए 2000 रुपए के नोट आरबीआई के इश्यू ऑफिस में भेज सकते हैं, ताकि उन्हें उनके बैंक खाते में जमा किया जा सके।

आरबीआई ने कहा, '9 अक्टूबर 2023 से आरबीआई के इश्यू ऑफिस में व्यक्ति और संस्थाएं 2000 रुपए के नोट अपने बैंक खाते में जमा कर सकते हैं।'

केंद्रीय बैंक ने आगे कहा कि इसके अलावा, लोग देश के किसी भी पोस्ट ऑफिस से इंडिया पोस्ट के जरिए 2000 रुपए के नोट आरबीआई के इश्यू ऑफिस में भेजकर अपने खाते में जमा करा रहे हैं।

आरबीआई ने यह भी स्पष्ट किया कि चलन से हटाए जाने के बावजूद 2000 रुपए के नोट अभी भी वैध मुद्रा (लीगल टेंडर) बने हुए हैं।

भारत में अप्रैल में बिजली की खपत में 4 प्रतिशत की बढ़ोतरी, गर्मी ने बढ़ाई मांग; आगामी महीनों में खपत बढ़ने की संभावना

नई दिल्ली। आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक, भारत में अप्रैल महीने में बिजली की खपत में 4.04 प्रतिशत की मामूली बढ़त दर्ज की गई और यह 153.99 बिलियन यूनिट (बीयू) तक पहुंच गई। हालांकि, महीने के पहले हिस्से में बेमौसम बारिश के कारण तापमान कम रहने से बिजली की मांग थोड़ी धीमी रही। पिछले साल अप्रैल 2025 में देश की कुल बिजली खपत 148.01 बिलियन यूनिट थी।

देश में 25 अप्रैल को बिजली की अधिकतम मांग 256.11 गीगावाट (जीडब्ल्यू) के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई। इसकी वजह देशभर में बढ़ती गर्मी रही, जिससे घरों और व्यापारिक जगहों पर एयर कंडीशनर और अन्य कूलिंग उपकरणों का इस्तेमाल बढ़ गया।

विशेषज्ञों का कहना है कि आने वाले समय में बिजली की अधिकतम मांग और बढ़ेगी। बिजली मंत्रालय का अनुमान है कि इस गर्मी में यह 270 गीगावाट तक पहुंच सकती है। अप्रैल के मध्य से लगातार तापमान बढ़ने के कारण बिजली की खपत में तेजी आई है।

भारत मौसम विज्ञान विभाग ने बताया कि कई क्षेत्रों में तापमान सामान्य से 5 डिग्री सेल्सियस या उससे अधिक बढ़ गया है, जिससे देश के कई हिस्सों में हीट स्ट्रेस की स्थिति बन रही है।

पिछले साल गर्मियों में अधिकतम बिजली मांग 242.77 गीगावाट रही थी, जो जून 2025 में दर्ज की गई थी, हालांकि यह सरकार के 277 गीगावाट के अनुमान से कम थी।

विशेषज्ञों का कहना है कि मई से बिजली की मांग और खपत में और बढ़ोतरी होगी, क्योंकि भारत मौसम विज्ञान विभाग ने इस साल कड़ी गर्मी का अनुमान लगाया है।

सौर ऊर्जा तेजी से भारत की बिजली व्यवस्था का अहम हिस्सा बनती जा रही है, जिससे बढ़ती मांग को पूरा करने में मदद मिल रही है और जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता कम हो रही है।

नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय के अनुसार, 31 मार्च 2026 तक भारत में सौर ऊर्जा की कुल स्थापित क्षमता 150.26 गीगावाट से ज्यादा हो गई है, जो ऊर्जा क्षेत्र में सबसे तेज विस्तार में से एक है।

यह वृद्धि वित्त वर्ष 2025-26 में रिकॉर्ड स्तर पर नए सौर प्रोजेक्ट्स जुड़ने के कारण हुई है, जिससे सोलर ऊर्जा देश का सबसे तेजी से बढ़ने वाला ऊर्जा स्रोत बन गई है।

भारत मौसम विज्ञान विभाग ने अप्रैल से जून 2026 के बीच देश में तेज हीटवेव की चेतावनी भी जारी की है। उत्तर भारत के गंगा के मैदानी इलाकों, मध्य भारत और पूर्वी तटीय राज्यों में सामान्य से ज्यादा हीटवेव के दिन देखने को मिल सकते हैं।

मारुति सुजुकी इंडिया ने अप्रैल में दर्ज की वाहनों की रिकॉर्ड बिक्री, 33 प्रतिशत की वृद्धि के साथ हुई 2.39 लाख यूनिट्स की बिक्री

नई दिल्ली। देश की सबसे बड़ी कार निर्माता कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया ने शुक्रवार को बताया कि उसने अप्रैल महीने में अपनी अब तक की सबसे ज्यादा बिक्री दर्ज की। यह नए वित्त वर्ष की मजबूत शुरुआत का संकेत है। यह बिक्री सभी सेगमेंट, खासकर छोटी कारों और एसयूवी की अच्छी मांग से प्रेरित है।

कंपनी ने अप्रैल में कुल 2,39,646 वाहनों की बिक्री की, जो पिछले साल इसी महीने की 1,79,791 यूनिट्स के मुकाबले 33.29 प्रतिशत ज्यादा है।

घरेलू बिक्री भी रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई और 1,91,122 यूनिट्स रही, जो एक साल पहले 1,42,053 यूनिट्स थी। इससे पहले दिसंबर 2025 में 1,82,165 यूनिट्स का रिकॉर्ड बना था, जिसे अब पार कर लिया गया है।

सबसे ज्यादा बढ़त एंट्री-लेवल सेगमेंट में देखने को मिली। मिनी कार कैटेगरी, जिसमें ऑल्टो और एस-प्रेसो जैसे मॉडल आते हैं, की बिक्री बढ़कर 16,066 यूनिट्स हो गई, जो पिछले साल अप्रैल में 6,332 यूनिट्स थी।

कॉम्पैक्ट सेगमेंट, जिसमें बलेनो, स्विफ्ट, डिजायर और वैगनआर जैसे लोकप्रिय मॉडल शामिल हैं, ने भी अच्छा प्रदर्शन किया। इस सेगमेंट की बिक्री बढ़कर 80,659 यूनिट्स हो गई, जबकि पिछले साल यह 61,912 यूनिट्स थी।

कंपनी के यूटिलिटी व्हीकल (एसयूवी) सेगमेंट में भी अच्छी मांग बनी रही। ब्रेजा, अर्टिगा, फ्रॉन्क्स और ग्रैंड विटारा जैसे मॉडल्स की बिक्री बढ़कर 77,892 यूनिट्स हो गई, जो पिछले साल 59,022 यूनिट्स थी।

वहीं, लाइट कमर्शियल व्हीकल 'सुपर कैरी' की बिक्री लगभग स्थिर रही और 3,418 यूनिट्स रही, जो पिछले साल अप्रैल में 3,349 यूनिट्स थी।

निर्यात (एक्सपोर्ट) ने भी कुल वृद्धि में बड़ा योगदान दिया। अप्रैल में निर्यात बढ़कर 40,054 यूनिट्स हो गया, जो एक साल पहले 27,911 यूनिट्स था।

इस महीने की शुरुआत में कंपनी ने बताया था कि उसने वित्त वर्ष 2025-26 में 23.4 लाख यूनिट्स का अब तक का सबसे ज्यादा वार्षिक उत्पादन किया है।

इस उपलब्धि के साथ, मारुति सुजुकी इंडिया देश की पहली ऐसी ऑटो कंपनी बन गई है जिसने पैसेंजर व्हीकल्स में इतना बड़ा उत्पादन रिकॉर्ड बनाया है।

कंपनी ने यह भी कहा कि वह अपने उत्पादन को बढ़ाकर करीब 40 लाख यूनिट्स प्रति वर्ष तक ले जाने का लक्ष्य रखती है।

अंतरराष्ट्रीय श्रमिक दिवस: भारत में महिला श्रम भागीदारी और सामाजिक सुरक्षा में हुआ उल्लेखनीय सुधार

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय श्रमिक दिवस (इंटरनेशनल लेबर डे) के मौके पर शुक्रवार को सरकार ने बताया कि देश में सामाजिक सुरक्षा कवरेज 2015 में लगभग 19 प्रतिशत से बढ़कर 2025 में 64 प्रतिशत से ज्यादा हो गया है। वहीं, महिला श्रम भागीदारी दर 2017-18 में 23.3 प्रतिशत से बढ़कर 2025 में 40 प्रतिशत हो गई है, और महिलाएं अब नेतृत्व की भूमिकाओं में भी आगे आ रही हैं।

एक आधिकारिक बयान में कहा गया कि महिलाएं अब आय बढ़ाने वाली गतिविधियों और स्थानीय व्यवसायों में ज्यादा शामिल हो रही हैं। उन्हें कौशल, सामाजिक सुरक्षा और औपचारिक सिस्टम तक पहुंच मिल रही है, जिससे वे आर्थिक ढांचे में अधिक दिखाई दे रही हैं।

आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण के अनुसार, महिला श्रम भागीदारी दर 2017-18 के 23.3 प्रतिशत से बढ़कर 2025 में 40 प्रतिशत हो गई है।

बयान में आगे कहा गया कि ग्रामीण भारत इस बदलाव में सबसे आगे है। यह दिखाता है कि महिलाएं अब सिर्फ कभी-कभार काम करने वाली नहीं, बल्कि नियमित रूप से अर्थव्यवस्था में योगदान देने वाली बन रही हैं।

इसमें कहा गया कि महिलाओं की बढ़ती भागीदारी रोजगार के अवसरों में विस्तार और श्रम बाजार के औपचारिक होने की दिशा में बढ़ते कदम को दर्शाती है।

सरकार के प्रयासों का असर कर्मचारियों की स्वास्थ्य सेवाओं में भी दिख रहा है। कर्मचारी राज्य बीमा योजना के तहत जम्मू-कश्मीर के बडगाम में हाल ही में एक ईएसआईसी अस्पताल शुरू किया गया है, जो 50,000 से अधिक श्रमिकों और उनके परिवारों को स्वास्थ्य सेवाएं देगा।

भविष्य निधि, बीमा और स्वास्थ्य सेवाओं तक बढ़ती पहुंच खासकर महिलाओं के लिए फायदेमंद रही है, क्योंकि वे अधिकतर असंगठित क्षेत्र में काम करती हैं।

सरकार ने कहा कि ग्रामीण भारत में महिलाएं अब पारंपरिक भूमिकाओं से आगे बढ़कर बड़े स्तर पर उद्यमिता की ओर बढ़ रही हैं। दीनदयाल अंत्योदय योजना-राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत 10 करोड़ से अधिक महिलाओं को स्वयं सहायता समूहों से जोड़ा गया है।

यह योजना पहले वित्तीय समावेशन के लिए शुरू हुई थी, लेकिन अब यह छोटे-छोटे व्यवसायों के नेटवर्क में बदल गई है, जहां महिलाएं उत्पादन, प्रबंधन और बिक्री कर रही हैं और कई बार अपने परिवार की मुख्य कमाने वाली बन रही हैं।

बयान के अनुसार, महिला उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए लखपति दीदी योजना जैसी पहलें भी चलाई जा रही हैं, जिनका लक्ष्य करोड़ों महिलाओं को सालाना 1 लाख रुपए से अधिक कमाने में सक्षम बनाना है। इसके लिए उन्हें ऋण, कौशल और बाजार से जोड़ने की सुविधा दी जा रही है। भारत का स्टार्टअप इकोसिस्टम भी तेजी से बढ़ रहा है, जहां 2.2 लाख से ज्यादा मान्यता प्राप्त स्टार्टअप हैं, जो 23.3 लाख से अधिक रोजगार दे रहे हैं। इनमें से 1 लाख से ज्यादा स्टार्टअप में कम से कम एक महिला निदेशक हैं।

टाटा मोटर्स ने पैसेंजर व्हीकल की बिक्री में महिंद्रा एंड महिंद्रा को पछाड़ा

नई दिल्ली। भारत के ऑटोमोबाइल सेक्टर ने वित्त वर्ष 2027 की शुरुआत मजबूत तरीके से की है। अप्रैल 2026 में पैसेंजर व्हीकल सेगमेंट में टाटा मोटर्स ने शानदार प्रदर्शन करते हुए महिंद्रा एंड महिंद्रा को पीछे छोड़ दिया।

टाटा मोटर्स ने इस महीने पैसेंजर व्हीकल बिक्री में सालाना आधार पर 31.1 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की और कुल 59,701 यूनिट्स की बिक्री की।

इस बढ़त में घरेलू बिक्री का बड़ा योगदान रहा, जो 30.5 प्रतिशत बढ़कर करीब 59,000 यूनिट्स तक पहुंच गई। वहीं, निर्यात भी दोगुना से ज्यादा हुआ, हालांकि यह कम आधार पर था।

कंपनी के इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) सेगमेंट ने भी अहम भूमिका निभाई, जहां बिक्री 72.1 प्रतिशत बढ़कर 9,150 यूनिट्स तक पहुंच गई।

यह मजबूत प्रदर्शन इस बात को दिखाता है कि ग्राहकों की पसंद अब ज्यादा सुरक्षित और तकनीक से लैस गाड़ियों की तरफ बढ़ रही है, साथ ही इलेक्ट्रिक वाहनों को भी तेजी से अपनाया जा रहा है।

टाटा मोटर्स को इलेक्ट्रिक वाहन सेगमेंट में शुरुआती बढ़त का फायदा मिल रहा है, जिसे नए मॉडल्स और बेहतर चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर का समर्थन मिल रहा है।

कमर्शियल व्हीकल सेगमेंट में भी टाटा मोटर्स ने अच्छा प्रदर्शन किया और कुल बिक्री 28 प्रतिशत बढ़कर 34,833 यूनिट्स हो गई। इसमें छोटे कमर्शियल वाहनों और पिकअप की बिक्री में 40.2 प्रतिशत की तेज बढ़त देखने को मिली। भारी ट्रकों और पैसेंजर कैरियर्स की मांग भी स्थिर रही, जो अर्थव्यवस्था में लगातार गतिविधि और लॉजिस्टिक्स सेक्टर में मजबूत मांग को दर्शाता है।

वहीं, महिंद्रा एंड महिंद्रा ने कुल 94,627 वाहनों की बिक्री की, जो सालाना आधार पर 14 प्रतिशत की बढ़त को दर्शाता है।

घरेलू पैसेंजर व्हीकल बिक्री में 8 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जिससे पता चलता है कि उनके एसयूवी सेगमेंट की मांग बनी हुई है, हालांकि टाटा मोटर्स की तुलना में वृद्धि धीमी रही। महिंद्रा के लिए ट्रैक्टर बिजनेस एक बड़ी उपलब्धि रहा, जहां बिक्री 21 प्रतिशत बढ़कर 48,411 यूनिट्स तक पहुंच गई। ट्रैक्टर निर्यात में भी 30 प्रतिशत की मजबूत बढ़त दर्ज की गई। महिंद्रा एंड महिंद्रा के ऑटोमोटिव डिवीजन के सीईओ नलिनीकांत गोल्लागुंटा ने कहा कि अप्रैल में वित्त वर्ष 2027 की शुरुआत सकारात्मक रही है, जिसमें एसयूवी की 56,331 यूनिट्स की बिक्री हुई, जो 8 प्रतिशत की बढ़त है, जबकि कुल वाहन बिक्री 94,627 यूनिट्स रही, जो पिछले साल के मुकाबले 14 प्रतिशत ज्यादा है।

पाकिस्तान में पेट्रोल-डीजल की कीमत पहुंची 400 रुपए के पार

इस्लामाबाद। पश्चिम एशिया के हालात को लेकर असमंजस बरकरार है। इस बीच पाकिस्तान में ईंधन की कीमत नियंत्रण से बाहर होती जा रही है। पड़ोसी मुल्क में पेट्रोल-डीजल की कीमत 400 रुपए (पीकेआर) प्रति लीटर के पार पहुंच गई है।

सरकार ने देर रात गुरुवार को पेट्रोल और डीजल की कीमतें बढ़ा दीं। अवाम से नाराजगी न झेलनी पड़े इसे ध्यान में रख मोटरसाइकिल चालकों और ट्रांसपोर्ट सेक्टर को दी जाने वाली फ्यूल सब्सिडी को भी बढ़ा दिया। तर्क दिया कि इसका मकसद कमजोर तबके के लोगों को राहत पहुंचाना है।

पाकिस्तानी अंग्रेजी दैनिक डॉन के अनुसार, इंटरनेशनल मॉनेटरी फंड (आईएमएफ) की सहमति से, शहबाज शरीफ सरकार ने 8 मई को खत्म हुए हफ्ते के लिए पेट्रोल और डीजल की कीमतें तुरंत प्रभाव से क्रमशः 6.51 पीकेआर और 19.39 पीकेआर प्रति लीटर बढ़ा दी हैं।

हाई-स्पीड डीजल (एचएसडी) की एक्स-डिपो कीमत 380.19 पीकेआर से बढ़कर 399.58 पीकेआर प्रति लीटर तय की गई, जो 19.39 रुपए या लगभग पांच फीसदी की बढ़ोतरी दर्शाता है। इसी तरह, पेट्रोल की एक्स-डिपो कीमत 393.35 रुपए से बढ़कर 399.86 रुपए प्रति लीटर तय की गई, जो 6.51 रुपए या 1.65 प्रतिशत की बढ़ोतरी दिखाती है।

हालांकि एक्स-डिपो कीमतें 400 रुपए प्रति लीटर से थोड़ी कम हैं, लेकिन पेट्रोल पंपों पर असल रिटेल कीमतें, डीलर मार्जिन और दूसरे चार्ज मिलाकर, असल में 400 के आंकड़े को पार कर गई हैं।

जानकार सूत्रों ने बताया कि दोनों पक्ष प्राइमरी बैलेंस टारगेट को पक्का रखने और इसे हर कीमत पर हासिल करने पर सहमत हुए, भले ही पब्लिक सेक्टर डेवलपमेंट प्रोग्राम (पीएसडीपी) में और कटौती की जरूरत पड़े।

पेट्रोलियम लेवी हटाने के बाद डीजल पहले 10 अप्रैल को 520.35 रुपए के पीक से गिरा था, लेकिन तब से फिर से बढ़ रहा है। एचएसडी को मुख्य रूप से माल ढुलाई में इस्तेमाल की वजह से बहुत ज्यादा महंगाई बढ़ाने वाला माना जाता है। पेट्रोल और एचएसडी कमाई के बड़े सोर्स बने हुए हैं, जिनकी महीने की कुल बिक्री 700,000 से 800,000 टन है, जबकि केरोसिन की मांग लगभग 10,000 टन है।

इसके अलावा, शहबाज शरीफ सरकार ने मोटरसाइकिल चालकों के साथ-साथ पब्लिक और गुड्स ट्रांसपोर्टर्स के लिए फ्यूल सब्सिडी एक महीने के लिए बढ़ाने का फैसला किया।प्रधानमंत्री ऑफिस (पीएमओ) की ओर से जारी एक बयान के मुताबिक, इस फैसले का मकसद मौजूदा संकट के दौरान आर्थिक रूप से कमजोर तबकों को राहत देना है। ये सब्सिडी इस महीने की शुरुआत में बाइकर्स, किसानों और ट्रांसपोर्टर्स के लिए घोषित टारगेटेड राहत उपायों का हिस्सा थीं, ताकि ईरान संघर्ष के बीच दुनिया भर में तेल की बढ़ती कीमतों के असर को कम किया जा सके। इनमें टू-व्हीलर यूजर्स के लिए 100 रुपए प्रति लीटर की सब्सिडी शामिल थी, जो तीन महीने के लिए हर महीने 20 लीटर तक सीमित थी।

सम्मान और अधिकार के साथ सेहत भी जरूरी : भीषण गर्मी व हीटवेव से श्रमिक ऐसे करें बचाव

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय श्रमिक दिवस के अवसर पर मजदूरों के अधिकारों और सम्मान के साथ-साथ उनकी सेहत की सुरक्षा पर भी जोर दिया जा रहा है। देश के कई हिस्सों में बढ़ती भीषण गर्मी और लू की चपेट में आने वाले श्रमिकों के लिए आज सुरक्षा को लेकर खास सावधानियां बरतने की जरूरत है।

मेहनतकश हाथों की मेहनत से ही देश आगे बढ़ता है। इसलिए उनकी सेहत की सुरक्षा एक बड़ी जिम्मेदारी है। श्रमिक दिवस यह याद दिलाता है कि हर मेहनतकश व्यक्ति को सुरक्षित और स्वस्थ वातावरण में काम करने का अधिकार है। गर्मी में बढ़ते तापमान के इस मौसम में खुले में काम करने वाले मजदूर, निर्माण कार्य करने वाले कामगार, खेतों में काम करने वाले किसान और सड़क किनारे काम करने वाले लोग सबसे ज्यादा प्रभावित हो रहे हैं। नेशनल हेल्थ मिशन के अनुसार, लू और हीटवेव से बचाव नहीं होना श्रमिकों की सेहत पर गंभीर असर पड़ सकता है। लू में श्रमिकों के लिए जरूरी सावधानियां हैं, जिन पर ध्यान देकर गर्मी के प्रकोप से बचा जा सकता है। इसके लिए काम करते समय जहां तक संभव हो छाया में रहें। यदि धूप में काम करना जरूरी हो तो सिर को टोपी, गमछा या कपड़े से अच्छी तरह ढककर रखें। पूरे दिन पर्याप्त मात्रा में पानी पीते रहें। प्यास लगने से पहले छोटे-छोटे घूंट में पानी पिएं।

इसके अलावा, ज्यादा चीनी वाले ठंडे पेय, कोल्ड ड्रिंक्स और एनर्जी ड्रिंक्स से बचें। इनसे शरीर में डिहाइड्रेशन तेजी से बढ़ सकता है। हल्के रंग के ढीले और सूती कपड़े पहनें जो पसीना सोख सके और शरीर को ठंडक दे। लगातार धूप में काम न करें। हर 45-60 मिनट में 10-15 मिनट का आराम जरूर लें। हल्का और सुपाच्य भोजन करें। भारी, तला-भुना या मसालेदार खाना शरीर को और गर्म कर सकता है।

विशेषज्ञों का कहना है कि लू लगने पर चक्कर आना, उल्टी, तेज बुखार, बेहोशी जैसे लक्षण दिख सकते हैं। ऐसे में तुरंत छाया में ले जाकर ठंडे पानी से शरीर को पोछना चाहिए और डॉक्टर की मदद लेनी चाहिए। उद्योग संगठन और ट्रेड यूनियन्स को चाहिए कि वे गर्मी के मौसम में काम के घंटों को तर्कसंगत बनाएं, छाया और पीने के पानी की व्यवस्था सुनिश्चित करें व मजदूरों को जागरूक करें।

कम ऑक्सीजन में छिपा है 'नए जीवन' का रहस्यः रिसर्च ने खोला बड़ा राज

नई दिल्ली। जीवन के रहस्य वाकई अद्भुत और अकल्पनीय हैं। ऑक्सीजन हमारे वायुमंडल का बहुत उपयोगी तत्व है। जिंदगी में भी इसका योगदान अभूतपूर्व है। हाल ही में एक रिसर्च के आधार पर रिपोर्ट छपी जो दावा करती है कि कम ऑक्सीजन में भी नए जीवन का रहस्य छिपा है। आखिर क्या है ये?

दुनिया भर के वैज्ञानिक लंबे समय से यह जानने की कोशिश कर रहे हैं कि आखिर कुछ जीव—जैसे मेंढक या सलामेंडर—अपने कटे हुए अंगों को दोबारा कैसे उगा लेते हैं, जबकि इंसान ऐसा नहीं कर पाते। अब इस पहेली को सुलझाने की दिशा में एक अहम कदम उठाया गया है। प्रतिष्ठित जर्नल साइंस में प्रकाशित रिसर्च ने इस रहस्य पर नई रोशनी डाली है।

कैन एज्टेकिन के नेतृत्व में एक टीम ने पाया कि अंगों के दोबारा बनने में ऑक्सीजन की बहुत अहम भूमिका रहती है। मेंढक के टैडपोल और एम्ब्रियोनिक चूहों के कटे हुए अंगों की तुलना कर, शोधकर्ताओं ने पाया कि सेल्स जिस तरह से ऑक्सीजन को महसूस करती हैं, उससे यह तय होता है कि दोबारा बनना शुरू हो भी सकता है या नहीं।

इस अध्ययन के मुताबिक, अंगों के दोबारा उगने (रीजेनरेशन) की क्षमता का सीधा संबंध हमारे शरीर में मौजूद ऑक्सीजन के स्तर से है। सरल शब्दों में कहें तो—जहां ऑक्सीजन कम होती है, वहां शरीर में 'नया अंग बनाने' की प्रक्रिया सक्रिय हो सकती है, जबकि ज्यादा ऑक्सीजन इस प्रक्रिया को रोक देती है।

वैज्ञानिकों ने अपने प्रयोगों में मेंढक के टैडपोल और चूहों के भ्रूण का उपयोग किया। टैडपोल ऐसे जीव हैं जो अपने अंगों को दोबारा विकसित करने में सक्षम होते हैं, जबकि चूहे और उसी तरह इंसान इस क्षमता से वंचित हैं। जब इन जीवों के टिशू (ऊतक) को अलग-अलग ऑक्सीजन स्तर पर रखा गया, तो चौंकाने वाले नतीजे सामने आए।

कम ऑक्सीजन वाले माहौल में कोशिकाएं तेजी से सक्रिय हो गईं और घाव भरने के साथ-साथ नए ऊतक बनाने लगीं। इस प्रक्रिया में एक खास प्रोटीन—एचआईएफ1ए—की महत्वपूर्ण भूमिका पाई गई। यह प्रोटीन कम ऑक्सीजन की स्थिति में 'स्विच ऑन' होकर शरीर को मरम्मत से आगे बढ़ाकर रीजेनरेशन मोड में ले जाता है।

इसके विपरीत, जब ऑक्सीजन का स्तर ज्यादा था, तो कोशिकाएं जल्दी-जल्दी घाव को भरने के लिए 'स्कार' यानी दाग बना देती हैं। यही कारण है कि इंसानों में कटे हुए अंगों की जगह सिर्फ निशान बन जाता है, नया अंग नहीं उगता।

इस शोध का सबसे दिलचस्प पहलू यह है कि यह संकेत देता है कि इंसानों के भीतर भी कहीं न कहीं रीजेनरेशन की क्षमता मौजूद हो सकती है, लेकिन हमारी जैविक प्रणाली उसे सक्रिय नहीं होने देती। यानी समस्या क्षमता की कमी नहीं, बल्कि उसे 'चालू' करने के तरीके की है।

अगर भविष्य में वैज्ञानिक इस ऑक्सीजन-सेंसिंग सिस्टम को नियंत्रित करना सीख जाते हैं, तो चिकित्सा विज्ञान में क्रांतिकारी बदलाव संभव हैं।

भारतीय रॉक पाइथन : जहर नहीं, ताकत है जिसकी पहचान, विशालकाय शरीर के दम पर लेता है शिकार की जान

नई दिल्ली। घने जंगलों में पाया जाने वाला विशालकाय अजगर, जिसकी त्वचा पर भूरे रंग की आकर्षक धारियां होती हैं, लंबाई में 25 फीट तक बढ़ सकता है। इसका शरीर अत्यंत मोटा, मजबूत और शक्तिशाली होता है। यहां बात भारतीय रॉक पाइथन की हो रही है, जिसे भारत का सबसे बड़ा बिना विष वाला सांप माना जाता है।

बिहार सरकार के वन और जंगल विभाग के अनुसार, भारतीय रॉक पाइथन में जहर नहीं होता, लेकिन इसकी मांसपेशियां ताकतवर होती हैं। यह शिकार को एक बार लपेट ले तो दम घुटने से मौत हो जाती है। पाइथन की आंखों के पास खास सेंसरी पिट्स होते हैं। ये पिट्स शिकार के शरीर की गर्मी को महसूस करते हैं, जिससे यह अंधेरे में भी आसानी से शिकार ढूंढ लेते हैं। यह ज्यादातर छोटे स्तनधारियों को अपना भोजन बनाता है।

यह सांप भारत में कई जगह पाया जाता है, जैसे उत्तर से लेकर दक्षिण तक, पश्चिमी घाट, पूर्वी राज्यों जैसे बंगाल, ओडिशा, झारखंड, असम, मध्य भारत और यहां तक कि गुजरात के जंगलों और अंडमान-निकोबार में भी।

पाइथन दलदल, नदियों, झीलों, मैंग्रोव और घने जंगलों में रहते हैं। खास बात है कि ये पाइथन अच्छा तैराक होने के कारण पानी के किनारे ज्यादा रहता है। यह पेड़ों पर भी चढ़ जाता है। इसकी खासियत है उसका शिकार करने का तरीका। छोटे-मध्यम स्तनधारियों, पक्षियों, छिपकलियों से लेकर बड़े जानवर जैसे चिंकारा या चित्तीदार हिरण तक को यह जकड़ लेता है और फिर निगल जाता है।

गुजरात सरकार के जंगल विभाग के अनुसार, पाइथन शिकार को देखते ही तेजी से लपकता है, फिर उस पर अपने लंबे शरीर के कई लपेटे लगा देता है। ये शिकार का सांस रोककर दबाव बढ़ाता है, ऐसे में शिकार का दिल धड़कना बंद हो जाता है। उसके बाद मुंह को बहुत चौड़ा करके ये पाइथन शिकार को साबुत ही निगल लेता है। भारतीय रॉक पाइथन की औसत लंबाई 8-12 फीट होती है, लेकिन कुछ 15-25 फीट तक पहुंच जाते हैं। वहीं, वजन 52 किलो तक मिल सकता है।

इसके शरीर पर भूरे, स्लेटी या पीले-काले धारियां होती हैं, जो जंगल में छिपने में मदद करती हैं। पाइथन अब खतरे में है, आबादी में कमी आ रही है इस वजह से इंटरनेशनल यूनियन फॉर कंजर्वेशन ऑफ नेचर ने इसे संकट के करीब घोषित किया है। जंगल कटाई, खेती, शहरों का फैलाव, अवैध शिकार, सड़क हादसे और लोगों से टकराव इनकी कमी के मुख्य वजहों में शामिल हैं।

एक अध्ययन में देखा गया कि ट्रांसलोकेट (स्थानांतरित) किए गए पाइथन 13 किमी दूर छोड़े जाने पर भी अपने आवास पर वापस सकते हैं, उनमें कमाल का दिशा ज्ञान होता है! सर्दियों में ये कम सक्रिय रहते हैं। वहीं, गर्मियों में सुबह-शाम ज्यादा घूमते हैं।भारतीय रॉक पाइथन सिर्फ जंगल का हिस्सा नहीं, बल्कि पारिस्थितिकी संतुलन बनाए रखने वाला है। यह चूहों, खरगोश जैसी प्रजातियों को भी कंट्रोल करते हैं।

दिल की धड़कन कैंसर के खिलाफ बनती है 'सुरक्षा कवच', स्टडी में चौंकाने वाला खुलासा

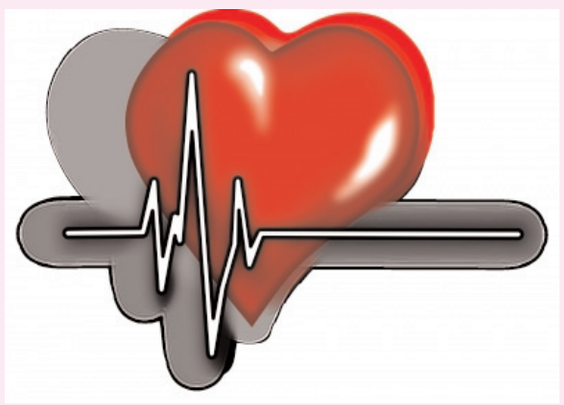

नई दिल्ली। शरीर के विभिन्न अंगों में कैंसर प्रकोप की खबरें हम आए दिन पढ़ते सुनते हैं लेकिन दिल के कैंसर को लेकर चर्चा कम होती है। ऐसा आखिर क्यों? एक नवीनतम अध्ययन ने इस पर रोशनी डाली है। जिससे सवाल उठता है कि क्या दिल की लगातार धड़कन ही उसे कैंसर से बचाती है?

प्रतिष्ठित जर्नल साइंस में प्रकाशित एक नई स्टडी ने इस सवाल का दिलचस्प जवाब दिया है। शोध के मुताबिक, दिल की धड़कन से पैदा होने वाला मैकेनिकल दबाव कैंसर कोशिकाओं के बढ़ने को रोक सकता है—कम से कम चूहों पर किए गए प्रयोगों में ऐसा देखा गया है। वैज्ञानिकों के अनुसार, शरीर के लगभग हर अंग में ट्यूमर विकसित हो सकता है, लेकिन दिल में कैंसर के मामले बेहद दुर्लभ होते हैं। इंसानों में प्राथमिक कार्डियक ट्यूमर (जो सीधे दिल में शुरू होते हैं) 1 फीसदी से भी कम पोस्टमॉर्टम में पाए गए हैं। वहीं, सेकेंडरी ट्यूमर (जो शरीर के अन्य हिस्सों से फैलकर दिल तक पहुंचते हैं) करीब 18 फीसदी मामलों में देखे गए हैं। अब तक यह स्पष्ट नहीं था कि दिल में कैंसर इतना कम क्यों होता है। जेम्स चोंग, जो यूनिवर्सिटी ऑफ सिडनी से जुड़े हैं, कहते हैं कि यह नई स्टडी इस रहस्य को समझाने के लिए 'मजबूत और विश्वसनीय आधार' प्रस्तुत करती है। इस शोध का नेतृत्व सेरेना जाखिना और उनकी टीम ने 'यूनिवर्सिटी ऑफ ट्री-ए-स्ते' (इटली स्थित) में किया। वैज्ञानिकों ने जेनेटिकली मॉडिफाइड चूहों पर एक अनोखा प्रयोग किया। उन्होंने चूहों के शरीर के बाहर—गर्दन पर—एक अतिरिक्त दिल प्रत्यारोपित किया। यह 'बाहरी' दिल खून की सप्लाई तो प्राप्त कर रहा था, लेकिन धड़क नहीं रहा था।

इसके बाद शोधकर्ताओं ने इन चूहों के 'नॉर्मल' (धड़कते) दिल और 'बाहरी' (स्थिर) दिल दोनों में कैंसर कोशिकाएं इंजेक्ट कीं। दो हफ्तों के भीतर, स्थिर दिल में कैंसर कोशिकाएं तेजी से बढ़ीं और ज्यादातर स्वस्थ कोशिकाओं की जगह ले ली। इसके विपरीत, धड़कते दिल में केवल लगभग 20 फीसदी ऊतकों पर ही कैंसर का असर हुआ। शोध यहीं नहीं रुका। वैज्ञानिकों ने लैब में चूहे के दिल की कोशिकाओं से कृत्रिम हृदय ऊतक (इंजीनियर्ड हार्ट टिश्यू) भी तैयार किया। इस ऊतक को कैल्शियम आयन के संपर्क में लाने पर ही वह धड़कता था—ठीक वैसे ही जैसे शरीर के भीतर दिल काम करता है।

जब इस ऊतक में फेफड़ों के कैंसर की कोशिकाएं डाली गईं, तो पाया गया कि स्थिर (नॉन-बीटिंग) ऊतक में कैंसर तेजी से फैलता है और अधिक जगह घेर लेता है। वहीं, धड़कते ऊतक में कैंसर कोशिकाएं सीमित रहीं और केवल बाहरी परतों में क्लस्टर बनाकर रह गईं।यह शोध इस ओर इशारा करता है कि दिल की लगातार गति और उससे उत्पन्न दबाव कैंसर कोशिकाओं के लिए प्रतिकूल वातावरण बनाते हैं, जिससे उनका विकास रुक जाता है या धीमा पड़ जाता है।

जे एक्यूज! एक लेख जिसने फ्रांस की आत्मा को झकझोर दिया था

नई दिल्ली। 13 जनवरी 1898 को फ्रांस के राजनीतिक और बौद्धिक इतिहास में एक ऐसा क्षण दर्ज हुआ, जिसने न्याय, लोकतंत्र और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की परिभाषा बदल दी। इसी दिन फ्रांस के प्रसिद्ध लेखक और विचारक एमील जोला ने पेरिस से प्रकाशित होने वाले अखबार एल' अरोर में अपना ऐतिहासिक खुला पत्र 'जे'एक्यूज...!' प्रकाशित किया। यह लेख केवल एक अखबारी टिप्पणी नहीं था, बल्कि सत्ता, सेना और न्यायपालिका के विरुद्ध सीधा आरोपपत्र था। यह पत्र कुख्यात ड्रेफस प्रकरण से जुड़ा था। अल्फ्रेड ड्रेफस, फ्रांसीसी सेना में एक यहूदी अधिकारी, पर 1894 में जर्मनी के लिए जासूसी करने का आरोप लगाया गया। सबूत बेहद कमजोर थे, फिर भी सैन्य अदालत ने उन्हें दोषी ठहराया और आजीवन कारावास की सज़ा देकर फ्रेंच गयाना के डेविल्स आइलैंड भेज दिया गया। बाद में यह स्पष्ट होने लगा कि सबूतों में हेरफेर हुई थी और असली दोषी कोई और था, लेकिन सेना और सरकार ने अपनी गलती स्वीकार करने से इनकार कर दिया। इस पूरे मामले में फ्रांसीसी समाज के भीतर गहराई से मौजूद यहूदी-विरोधी सोच भी उजागर हुई। एमील जोला ने 'जे'एक्यूज...!' में सीधे-सीधे फ्रांसीसी सेना के वरिष्ठ अधिकारियों, न्यायाधीशों और सरकार पर झूठ, साजिश और अन्याय का आरोप लगाया। उन्होंने

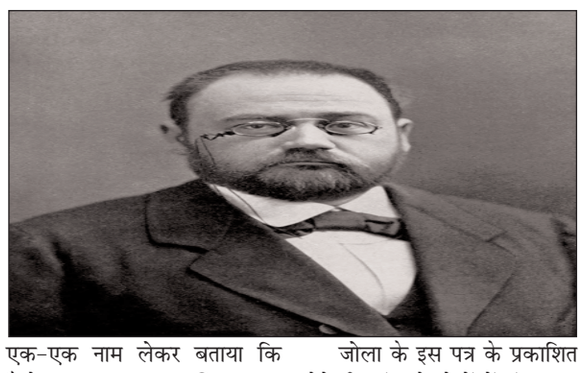

एक-एक नाम लेकर बताया कि कैसे जानबूझकर सबूत छिपाए गए और एक निर्दोष व्यक्ति को बलि का बकरा बनाया गया। यह लेख असाधारण साहस का उदाहरण था, क्योंकि उस समय सेना की आलोचना को देशद्रोह के समान माना जाता था।

जोला के इस पत्र के प्रकाशित होते ही फ्रांस दो खेमों में बंट गया। एक तरफ वे लोग थे जो सेना और राष्ट्र की प्रतिष्ठा के नाम पर ड्रेफस को दोषी मानते रहे, दूसरी तरफ़ वे बुद्धिजीवी, पत्रकार और आम नागरिक थे जो न्याय और सच के पक्ष में खड़े हुए। ज़ोला पर मानहानि का मुकदमा चला, उन्हें दोषी ठहराया गया और देश छोड़कर इंग्लैंड जाना पड़ा। लेकिन उनका लेख दबाया नहीं जा सका।

'जे'एक्यूज...!' ने अंततः जनमत को इतना प्रभावित किया कि ड्रेफस मामले की दोबारा जांच हुई। वर्षों बाद अल्फ्रेड ड्रेफस को निर्दोष घोषित किया गया और उन्हें सम्मान के साथ सेना में पुनः बहाल किया गया। यह घटना साबित करती है कि एक लेखक की कलम भी सत्ता के सबसे मजबूत ढाँचों को चुनौती दे सकती है। आज 'जे'एक्यूज...!' को केवल फ्रांसीसी इतिहास की घटना नहीं, बल्कि वैश्विक स्तर पर अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, मानवाधिकार और न्याय के संघर्ष का प्रतीक माना जाता है।

जब एक जनरल ने सत्ता को चेताया! आइजनहावर का विदाई भाषण और 'मिलिट्री-इंडस्ट्रियल कॉम्प्लेक्स' का सच

नई दिल्ली। अमेरिका के राष्ट्रपति ड्वाइट डी. आइजनहावर ने जब राष्ट्र के नाम अपना विदाई भाषण दिया, तब बहुत कम लोगों को अंदाजा था कि यह भाषण आने वाले दशकों की अमेरिकी और वैश्विक राजनीति को समझने की एक कुंजी बन जाएगा। एक ऐसे समय में, जब शीत युद्ध अपने चरम पर था और सैन्य शक्ति को राष्ट्रीय गौरव का प्रतीक माना जा रहा था, आइजनहावर ने जनता को एक असहज लेकिन जरूरी सच से रूबरू कराया।

17 जनवरी 1961 को अपने संबोधन के जरिए उन्होंने चेतावनी दी कि अमेरिका में सेना, हथियार उद्योग और राजनीतिक सत्ता के बीच एक ऐसा गठजोड़ उभर चुका है, जो लोकतंत्र के लिए खतरा बन सकता है। इसी चेतावनी को उन्होंने 'मिलिट्री-इंडस्ट्रियल कॉम्प्लेक्स' नाम दिया। इस ऐतिहासिक क्षण की गहराई को इतिहासकार जेम्स लेडबेटर अपनी पुस्तक 'अनवॉरंटेड इंफ्लुएंस: ड्वाइट डी. आइजनहावर एंड द मिलिट्री-इंडस्ट्रियल कॉम्प्लेक्स' में विस्तार से समझाते हैं। यह किताब बताती है कि आइजनहावर की चेतावनी अचानक नहीं थी, बल्कि उनके लंबे सैन्य और राजनीतिक अनुभव का निचोड़ थी। द्वितीय विश्व युद्ध के नायक और पांच-सितारा जनरल रहे आइजनहावर भली-भांति जानते थे कि सैन्य शक्ति कितनी आवश्यक है, लेकिन यह भी समझते थे कि जब वही शक्ति व्यापार और राजनीति से जुड़ जाए, तो उसके परिणाम खतरनाक हो सकते हैं।

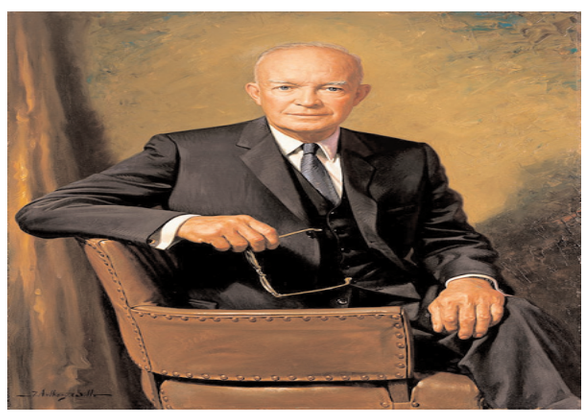

अपने विदाई भाषण में आइजनहावर ने कहा कि युद्ध के बाद अमेरिका में एक स्थायी हथियार उद्योग खड़ा हो गया है। पहले युद्ध खत्म होने के साथ सेनाएं और उत्पादन कम हो जाते थे, लेकिन अब हथियारों का निर्माण एक निरंतर व्यवसाय बन चुका था। लेडबेटर के अनुसार, आइजनहावर को डर था कि रक्षा कंपनियां अपने आर्थिक हितों के लिए सरकार की नीतियों को प्रभावित कर सकती हैं और देश को ऐसे संघर्षों में धकेल सकती हैं, जिनकी वास्तविक आवश्यकता न हो।

यह चेतावनी इसलिए भी असाधारण थी क्योंकि यह किसी शांतिवादी या विपक्षी नेता ने नहीं, बल्कि अमेरिका के सर्वोच्च सैन्य अनुभव वाले राष्ट्रपति ने दी थी।

नानी की कहानियों ने दी सशक्त महिला बनने की प्रेरणा, फेमिना मिस इंडिया वर्ल्ड 2026 जीतने वाली साध्वी सैल ने की शुरुआती जर्नी पर बात

पणजी। फेमिना मिस इंडिया वर्ल्ड 2026 की विजेता साध्वी सैल हाल ही में गोवा पहुंचीं, जहां उनके परिवार और करीबी लोगों ने भव्य तरीके से स्वागत किया। इस दौरान साध्वी ने कई मुद्दों पर बात की और लोगों से उत्तर कर्नाटक के कारवार और गोवा के बीच भेदभाव न करने की अपील की। उनका कहना है कि वे खुद अब पूरे भारत देश का प्रतिनिधित्व करती हैं, ऐसे में उन्हें सबके समर्थन की जरूरत है।

अपनी शुरुआती जर्नी पर बात करते हुए साध्वी सैल ने बताया कि बचपन से ही उन्हें फोटोग्राफी का शौक था और यह शौक भी उन्हें उनके पिता से मिला। साध्वी ने कहा, 'मैं घर की पहली बच्ची हूं, तो मेरे पिता हर मूमेंट को कैमरे में कैद करते थे और उनके पास एक छोटा सा कैमरा था। उन्हें देखकर ही मुझे फोटोग्राफी का शौक हुआ और फिर मुझे लगा कि जितनी अच्छी मैं कैमरे के पीछे हूं, उतनी लेंस के आगे भी हो सकती हूं। फिर अपने दोस्तों की मदद से मॉडल हंट में भाग लिया और जीती। यहीं से मेरी जर्नी की शुरुआत हुई।

शुरुआती जर्नी के संघर्षों पर बात करते हुए साध्वी ने कहा कि उन्होंने जिंदगी में उतना कुछ नहीं झेला है, जो उनके माता-पिता और नाना-नानी ने झेला है। उनके संघर्ष की वजह से ही वो इतनी जल्दी इस मंच तक पहुंच पाई है। उन्होंने कहा, मेरी प्रेरणा हमेशा मेरी नानी रही, जिनके संघर्ष की कहानी सुनकर ही मैंने एक मजबूत महिला बनने का फैसला लिया था, जो दूसरी महिलाओं की भी मदद कर सके। मैं काफी प्रिविलेज रही हूं लेकिन माता-पिता ने जो संघर्ष झेला है, उतना मैंने नहीं झेला। हालांकि मुझे अपने बढ़ते वजन की वजह से आत्मविश्वास की कमी थी लेकिन धीरे-धीरे मैंने खुद को संभाला।

साध्वी सैल ने फेमिना मिस इंडिया वर्ल्ड 2026 जीतने का श्रेय भी अपने माता-पिता और नाना-नानी को दिया है, क्योंकि वे हमेशा से उनकी प्रेरणा रहे हैं और उनकी जिंदगी से उन्होंने काफी कुछ सीखा है। उन्होंने बताया कि उनका बचपन गोवा में ही बीता और गोवा में वे अपने पिता के साथ पिकनिक के लिए जाया करती थीं, लेकिन कारवार शिफ्ट होने के बाद यह चीजें कम हो गईं क्योंकि सबके पास अपनी-अपनी जिम्मेदारी थी।

रकुल और जैकी ने शेयर किए फिटनेस और रिकवरी के राज, बोले- वर्कआउट हमारे लिए बोझ नहीं, जरूरत है

मुंबई। अभिनेत्री रकुल प्रीत सिंह और फिल्म निर्माता जैकी भगनानी सोफी चौधरी के चैट शो 'फेमसली फिट विद सोफी' का हिस्सा बने। दिलचस्प बात है कि यह चैट शो किसी स्टूडियो की बजाय जिम में वर्कआउट के दौरान शूट हुआ।

रकुल और जैकी दोनों ही अपनी फिटनेस को लेकर सक्रिय रहते हैं। जैकी ने चैट शो में बताया कि मेरी और रकुल की प्रेम कहानी भी उनकी समान आदतों, जैसे वर्कआउट और खान-पान के इर्द-गिर्द शुरू हुई थी।

जैकी ने कहा, 'हम वर्कआउट को किसी बोझ की तरह नहीं देखते हैं। हमारे लिए यह रोजमर्रा के कामों जैसा है। वहीं, रकुल ने इसे जीवनशैली का हिस्सा बताते हुए कहा, 'जिस तरह लोग रोज पढ़ते हैं या खाना खाते हैं, वैसे ही हमारा दिन भी वर्कआउट से शुरू होता है। यह सिर्फ वजन कम करने या अच्छा दिखने के लिए नहीं है, बल्कि हम इसे खुद को बेहतर महसूस कराने के लिए करते हैं। आगे बातचीत में सोफी ने रकुल की गंभीर चोट के बारे में पूछा, जिसके बारे में बताते हुए रकुल ने बताया कि ठीक होने की प्रक्रिया काफी लंबी थी, जिसमें जैकी ने उनका काफी साथ दिया था। रकुल कहती हैं, 'उस दौरान जैकी ने मेरा काफी सपोर्ट किया था। मेरी रिकवरी के सफर के दौरान उन्होंने कभी कोई शिकायत नहीं की। हमने हर मुश्किल का सामना मिलकर किया। रकुल ने जैकी की सराहना करते हुए कहा, 'जैकी जब मेरी बात को पूरी गहराई से सुनते हैं, जब आपको कोई इतना समझने वाला मिल जाए, तो समझ लीजिए कि आधी लड़ाई तो आपने वहीं जीत ली है। बातचीत में जैकी ने एक प्रोड्यूसर के तौर पर अपने संघर्षों को भी याद किया। उन्होंने कहा कि फिल्मों का निर्माण करना कोई आसान काम नहीं है, लेकिन इस पेशे ने उन्हें एक बेहतर और विनम्र इंसान बना दिया है। जैकी ने कहा, 'फिल्म निर्माण के दौरान आने वाली चुनौतियों ने ही मुझे जिंदगी का असली मतलब सिखाया है।

गायक से संगीतकार बनने की राह पर श्रेया घोषाल, कहा-हर गायक के अंदर छिपा होता है एक संगीतकार

मुंबई। राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता पार्श्व गायिका श्रेया घोषाल ने हिंदी सिनेमा को कई शानदार और रोमांटिक गानों से नवाजा है।

उनकी आवाज का जादू कानों में मिश्री घोल देता है लेकिन किसी सिंगर का सिर्फ अच्छा गायक होना ही जरूरी नहीं है बल्कि उसे अंदर से एक बेहतर संगीतकार होना भी जरूरी है। हाल ही में श्रेया घोषाल ने आईएएनएस से खास बातचीत में संगीत और संगीतकार के विजन के बारे में खुलकर बात की।

गायक से संगीतकार बनने के संघर्षों पर बात करते हुए सिंगर ने आईएएनएस से कहा, 'यह संघर्ष कठिन है क्योंकि मैं लगातार ऐसा करती रहती हूँ। मैंने अपने द्वारा रचित कुछ सिंगल रिलीज़ किए हैं और मैंने ये अपने छोटे भाई के साथ मिलकर किया है। हालांकि मैं कहूँगी कि एक गायिका के अंदर एक संगीतकार छिपा होता है।' उन्होंने आगे कहा कि ये दो अलग-अलग रास्ते नहीं हो सकते क्योंकि जब किसी गायक को कोई गाना दिया जाता है, तो सभी संगीतकार उनसे उस गाने का पूरी तरह से पालन करने के लिए नहीं कहते हैं।

उन्होंने आगे कहा, 'आप यह भी सोचते हैं, 'मैं गाने में क्या जोड़ सकती हूँ?' जब आप माइक पर होते हैं, तो आप लगातार रचनात्मक होते हैं। आप गाने में रंग भरते हैं, उसे किसी न किसी तरह से निखारते हैं या उसमें अपनी आत्मा डालते हैं। इस प्रक्रिया में, आप कुछ रचनाएँ और कुछ विचार जोड़ देते हैं, और यह एक बहुत ही सहज प्रक्रिया है।'

श्रेया घोषाल संगीत रचना की दुनिया में कदम रखना चाहती है, लेकिन समय की कमी के कारण ऐसा नहीं कर पा रही है। उन्होंने बताया, 'अगर आप स्वतंत्र रूप से संगीत बना रहे हैं, तो आपको इसमें काफी स्वतंत्रता मिलती है। फिल्मों के लिए, कभी-कभी यह बहुत ही मुश्किल होता है, लेकिन समय की कमी के कारण मैं खुद को इस प्रलोभन से बचाती हूँ। मैं यह करना चाहती हूँ, लेकिन मुझे फिर किसी एक को चुनना होगा, और मुझे लगता है कि मैं शायद एक संगीतकार के रूप में उतनी अच्छी नहीं हूँ।'

श्रेया घोषाल लता मंगेशकर और आशा भोंसले को अपना आदर्श मानती हैं और उन्हीं की तरह गायन में निपुण होने के सफर को ही पूरा करना चाहती हैं।

भारती सिंह और शेखर सुमन को कोर्ट से बड़ी राहत, रद्द की गई एफआईआर

मुंबई। बॉम्बे हाई कोर्ट ने बुधवार को कमीडियन भारती सिंह और अभिनेता शेखर सुमन को बड़ी राहत देते हुए वर्ष 2010 में दर्ज एफआईआर को निरस्त करने का आदेश दिया है। मामले की सुनवाई के दौरान न्यायालय ने स्पष्ट किया कि हास्य-व्यंग्य और तुकबंदी के उद्देश्य से की गई टिप्पणियों का ध्येय किसी समुदाय की भावनाओं को आहत करना नहीं होता।

बुधवार को मामले की सुनवाई करते हुए कोर्ट की तरह से कहा गया कि जिन शब्दों को आपत्तिजनक बताया जा रहा है, वे हैं 'या अल्लाह! रसगुल्ला! दही भल्ला!'। याचिकाकर्ताओं का कहना है कि ये केवल तुकबंदी और हास्य के लिए इस्तेमाल किए गए शब्द हैं।

उनका तर्क है कि 'दही भल्ला' और 'रसगुल्ला' आम खाद्य पदार्थ हैं, जो सभी समुदायों के लोगों द्वारा जाने और खाए जाते हैं, और इन अभिव्यक्तियों में कोई धार्मिक रंग नहीं है। इस तर्क को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। सामान्य सामाजिक उपयोग में ये शब्द अपने आप में तटस्थ हैं। किसी हास्यपूर्ण कार्य में खाद्य पदार्थों का मात्र उल्लेख धर्म का अपमान नहीं हो सकता। यह साबित करने के लिए सबूत होने चाहिए कि इन शब्दों को अपमान के हथियार के रूप में चुना गया था।

कोर्ट ने यह भी माना कि कलाकारों को टारगेट करना आसान हो गया है, क्योंकि उन तक पहुंच बहुत आसान है लेकिन आपराधिक कानून का इस्तेमाल गलत तरीके से करना भी गलत है। उन्होंने आगे कहा कि शो पारिवारिक मनोरंजन कार्यक्रम के रूप में प्रसारित होता था और काफी समय से चल रहा था। याचिकाकर्ताओं का कहना है कि ऐसे कार्यक्रमों में कलाकारों और जजों का उद्देश्य हंसी पैदा करना होता है।

कोर्ट के अनुसार, वर्तमान परिस्थितियां मामले के निस्तारण हेतु प्रासंगिक प्रतीत होती हैं। मंच पर प्रदर्शन करने वाला कलाकार प्राय: निर्धारित पटकथा (स्क्रिप्ट) के अनुरूप ही अभिनय करता है। उपलब्ध साक्ष्यों से यह स्पष्ट नहीं होता कि याचिकाकर्ता जजों ने उन संवादों को लिखा था। उनकी भूमिका इतनी सीमित है कि उन पर लगाए गए आरोप प्रथम दृष्टया सिद्ध नहीं होते।

कितनी और जानें जाएंगी? मध्य प्रदेश में क्रूज पटलने की दुर्घटना पर सोनू सूद ने पूछे सवाल

मुंबई। हिंदी सिनेमा के लोकप्रिय अभिनेता सोनू सूद को जनसेवा के कार्यों के कारण प्राय: 'जरूरतमंदों का मसीहा' कहा जाता है। कोविड से लेकर आज तक सोनू सूद जरूरतमंद और गरीब लोगों की मदद कर रहे हैं। हाल ही में हुई एक नौका दुर्घटना ने अभिनेता को गहरी निराशा में डाल दिया है। सोनू सूद ने इस घटना के लिए प्रशासन की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। उन्होंने निराशा व्यक्त करते हुए पूछा है कि आखिर व्यवस्था की इन कमियों के कारण लोगों को कब तक अपनी जान गंवानी पड़ेगी?

मध्य प्रदेश के बरगी बांध के पास नर्मदा नदी में क्रूज नाव पलट जाने की दुर्घटना ने सोनू सूद को परेशान कर दिया है। वे पहले ही बिहार और वृंदावन में घट चुकी नाव दुर्घटना पर लाइफ जैकेट को लेकर जागरुकता फैला चुके हैं, लेकिन फिर भी एक के बाद एक हो रही दुर्घटनाओं की वजह से वे अंदर से निराश हैं। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'कुछ समय पहले मैंने बिहार में हुई नाव दुर्घटना के बारे में एक्स पोस्ट किया था और हर यात्री के लिए लाइफ जैकेट अनिवार्य करने की अपील की थी। फिर वृंदावन की घटना हुई... और अब मध्य प्रदेश में, इसी तरह कई और जानें गईं। कितनी और जानें जाएंगी? अभिनेता ने आगे लिखा, 'अब इसे अनिवार्य बनाने का समय आ गया है, कोई भी नाव बिना हर यात्री के लाइफ जैकेट पहने रवाना न हो। हमें एक सरकारी पोर्टल की भी आवश्यकता है जहां प्रत्येक यात्रा से पहले सभी यात्रियों के लाइफ जैकेट पहने होने का समय-चिह्नित प्रमाण अपलोड किया जाए। केवल कड़ी जवाबदेही ही जानें बचा सकती है।' बता दें कि बीते गुरुवार को मध्य प्रदेश के बरगी बांध के पास नर्मदा नदी में क्रूज नाव पलटने से नौ लोगों की जान जा चुकी है।

अमेरिका : रिटायरमेंट सेविंग्स को विस्तार, ट्रंप ने जारी किया नया कार्यकारी आदेश

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने लाखों अमेरिकियों, खासकर कम आय वाले और नियोक्ता-प्रायोजित योजनाओं से वंचित कामगारों के लिए रिटायरमेंट सेविंग्स खातों तक पहुंच बढ़ाने के उद्देश्य से एक कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर किए।

इसे 'ऐतिहासिक कार्यकारी आदेश' बताते हुए ट्रंप ने कहा कि यह पहल आम नागरिकों को संघीय कर्मचारियों जैसी उच्च गुणवत्ता वाली रिटायरमेंट सेविंग्स योजनाओं का लाभ देगी।

उन्होंने कहा, 'आज दोपहर मैं लाखों अमेरिकियों के लिए उच्च गुणवत्ता वाले रिटायरमेंट सेविंग्स खातों तक पहुंच बढ़ाने वाले एक ऐतिहासिक कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर करते हुए बेहद उत्साहित हूं।'

ट्रंप के अनुसार, कम आय वाले अमेरिकियों को उनके खातों में सरकार की ओर से 'प्रति वर्ष 1,000 डॉलर तक का मैचिंग फंड' मिल सकता है।

उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम पारंपरिक रोजगार संरचनाओं से बाहर काम करने वाले लोगों के लिए बेहद अहम साबित होगा।

उन्होंने कहा, 'जिन लाखों अमेरिकियों के पास नियोक्ता-प्रायोजित योजनाएं नहीं हैं, उनके लिए यह क्रांतिकारी होगा क्योंकि अब वे भी इसके दायरे में होंगे।'

ट्रंप ने इसके दीर्घकालिक लाभ का उदाहरण देते हुए कहा, 'अगर 25 साल का कोई व्यक्ति हर महीने सिर्फ 165 डॉलर निवेश करता है, तो 65 साल की उम्र तक उसके खाते में अनुमानित 4,65,000 डॉलर हो सकते हैं... दूसरे शब्दों में, वह समृद्ध हो सकता है।'

राष्ट्रीय आर्थिक परिषद के निदेशक केविन हैसेट ने कहा कि यह नीति रिटायरमेंट सेविंग्स तक पहुंच में मौजूद संरचनात्मक खामियों को दूर करने के लिए तैयार की गई है। उन्होंने कहा, 'आपने कम आय वाले, 35,000 डॉलर से कम आय वाले लोगों को यह मैचिंग सुविधा दी है।'

हैसेट ने बताया कि प्रशासन इस योजना के विस्तार पर भी काम कर रहा है। 'हम कांग्रेस के साथ मिलकर इस कार्यक्रम को काफी विस्तार देने की दिशा में काम कर रहे हैं,' उन्होंने कहा, साथ ही यह भी जोड़ा कि इसे मध्यम आय वर्ग तक बढ़ाने पर विचार हो रहा है। ट्रंप ने माना कि योजना को और आगे बढ़ाने के लिए विधायी मंजूरी जरूरी होगी। उन्होंने कहा, 'अगले स्तर तक ले जाने के लिए हमें कांग्रेस की मंजूरी चाहिए... यह द्विदलीय समर्थन से होना चाहिए।'

इस कार्यक्रम के तहत चैरिटेबल संगठनों को भी इंडिविजुअल रिटायरमेंट अकाउंट यानी व्यक्तिगत रिटायरमेंट खातों (आईआरए) में योगदान देने की अनुमति होगी, जिससे भागीदारी का दायरा और बढ़ेगा। हैसेट ने कहा, 'ट्रंपआईआरए के तहत चैरिटी भी दूसरों के खातों में योगदान कर सकती हैं।' ट्रंप ने इस पहल को व्यापक आर्थिक प्रदर्शन से भी जोड़ा और रोजगार व निवेश में वृद्धि का हवाला दिया। उन्होंने कहा, 'इस समय हमारे देश के इतिहास में सबसे ज्यादा लोग काम कर रहे हैं।'

अमेरिका ने आईपी अधिकार उल्लंघन को लेकर भारत को प्रायोरिटी वॉच लिस्ट में शामिल किया

वाशिंगटन। अमेरिका ने इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी (आईपी) संबंधी चिंताओं के कारण भारत को एक बार फिर अपनी प्रायोरिटी वॉच लिस्ट में डाल दिया है। इसकी वजह प्रवर्तन में लगातार कमियां और पेटेंट संरक्षण में लंबे समय से चले आ रहे मुद्दों को बताया गया है।

अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि कार्यालय (यूएसटीआर) द्वारा जारी 2026 स्पेशल 301 रिपोर्ट में भारत के साथ चीन, रूस और इंडोनेशिया को भी शामिल किया गया है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत ने अपनी इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी अधिकारों को मजबूत करने के लिए कुछ कदम उठाए हैं। इनमें परीक्षकों की संख्या बढ़ाना और जागरूकता बढ़ाना शामिल है। लेकिन रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि प्रगति एकसमान नहीं है।

रिपोर्ट में कहा गया, 'इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी के संरक्षण और प्रवर्तन के मामले में भारत दुनिया की सबसे चुनौतीपूर्ण प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में से एक बना हुआ है।' पेटेंट संबंधी मुद्दे एक प्रमुख चिंता का विषय बने हुए हैं। रिपोर्ट

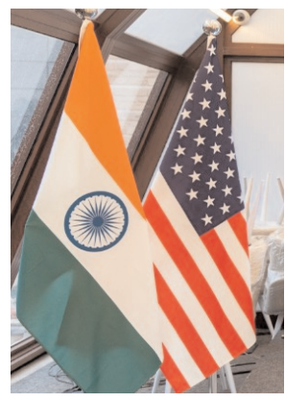

में अनुमोदन में होने वाली लंबी देरी की ओर इशारा किया गया है। इसमें 'अत्यधिक रिपोर्टिंग आवश्यकताओं' और लंबी विरोध प्रक्रियाओं का भी जिक्र किया गया है। यूएसटीआर ने कहा कि पेटेंट योग्य विषयवस्तु पर प्रतिबंध, विशेष रूप से दवा क्षेत्र में, कंपनियों को प्रभावित करते रहते हैं।

रिपोर्ट में दवाओं और कृषि रसायनों के विपणन अनुमोदन प्राप्त करने के लिए उपयोग किए जाने वाले परीक्षण डेटा की सुरक्षा के लिए एक प्रभावी प्रणाली के अभाव पर भी चिंता व्यक्त की गई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि प्रवर्तन कमजोर बना हुआ है। अधिकारियों के समन्वय में कमियां हैं। दंड अकसर उल्लंघन को रोकने में प्रभावी नहीं होते हैं। रिपोर्ट में कहा गया है, 'भारत का समग्र आईपी प्रवर्तन अपर्याप्त बना हुआ है।' रिपोर्ट में कहा गया कि उच्च स्तर की पायरेसी और नकली सामान का प्रचलन जारी है। वहीं, अवैध स्ट्रीमिंग, सॉफ्टवेयर के उपयोग और नकली सामान को लगातार बने रहने को बड़ी समस्याओं के रूप में शामिल किया गया है। ट्रेडमार्क प्रवर्तन में भी देरी होती है।

कंपनियां विरोध मामलों में लंबे समय से लंबित मामलों और जांच की गुणवत्ता पर चिंता व्यक्त करती हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत में व्यापार रहस्यों पर कोई समर्पित कानून नहीं है। कंपनियों को मालिकाना जानकारी की सुरक्षा में कठिनाई का सामना करना पड़ता है।

चिंताओं के बावजूद, अमेरिकी व्यापार मंत्री ने कुछ सकारात्मक कदमों का उल्लेख किया। भारत ने 2024 में पेटेंट नियमों में संशोधन किया।

ताइवान का चीन पर बड़ा आरोप, वियतनाम के रास्ते सब्जियां भेज रहा बीजिंग

ताइपे। ताइवान ने चीन पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा है कि बीजिंग वियतनाम के रास्ते सब्जियां भेजकर आयात प्रतिबंधों से बचने की कोशिश कर रहा है। ताइवान सरकार ने इस प्रक्रिया को 'ओरिजिन वॉशिंग' यानी मूल स्रोत छिपाने की साजिश बताया है और इसके खिलाफ सख्त कार्रवाई का ऐलान किया है।

ताइवान ने चीन के 1,000 से अधिक कृषि और मत्स्य उत्पादों के आयात पर रोक लगा रखी है। अधिकारियों के मुताबिक, चीन इन प्रतिबंधों से बचने के लिए नापा पत्तागोभी और शीटाके मशरूम जैसी सब्जियों को पहले वियतनाम भेजता है। वहां इन्हें दोबारा पैक कर वियतनामी उत्पाद बताकर ताइवान भेज दिया जाता है।

ताइवान के कृषि मंत्री चेन जुनने-जिह ने संसद में कहा कि उनकी मंत्रालय इस 'मूल स्रोत की धांधली' को रोकने के लिए कड़े कदम उठा रहा है। नियम तोड़ने वालों पर सख्त दंड लगाया जाएगा।

उन्होंने बताया कि मंत्रालय वियतनाम में हवाई सर्वेक्षण भी कराएगा, ताकि यह पता लगाया जा सके कि किन इलाकों से वास्तव में कितनी उपज संभव है। यदि ताइवान को निर्यात की मात्रा उस क्षमता से अधिक पाई गई, तो उस पर कार्रवाई के लिए तंत्र बनाया जाएगा। डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव पार्टी (डीपीपी) की सांसद चिउ यी-यिंग ने आरोप लगाया कि करीब 13,000 न्यू ताइवानी डॉलर (लगभग 410 अमेरिकी डॉलर) देकर फर्जी वियतनामी मूल प्रमाणपत्र खरीदा जा सकता है। इसके जरिए आयातक एक कंटेनर पर 2 लाख से 5 लाख न्यू ताइवानी डॉलर तक मुनाफा कमा सकते हैं।

पाकिस्तान: कराची में दूसरे हफ्ते भी पानी का गंभीर संकट, लोग बेहाल

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के कराची में पानी की भारी किल्लत लगातार दूसरे हफ्ते भी जारी है, जिससे लाखों लोग गंभीर संकट का सामना कर रहे हैं। लगातार जलापूर्ति में कमी से शहर की स्थिति और खराब होती जा रही है।

यह संकट 21 अप्रैल को शुरू हुआ, जब कराची वॉटर एंड सीवरेज कॉरपोरेशन (केडब्ल्यूएससी) ने धाबेजी पंपिंग स्टेशन के पास लाइन नंबर-5 को बदलने के लिए नई 72 इंच व्यास की पाइपलाइन जोड़ने हेतु एक प्रमुख जल लाइन को बंद कर दिया था।

पाकिस्तानी अखबार डॉन की रिपोर्ट के अनुसार, इस निर्धारित कार्य के कारण 250 मिलियन गैलन प्रतिदिन (एमजीडी) पानी की कमी हो गई, जो कराची की कुल दैनिक जलापूर्ति 650 एमजीडी का लगभग 40 प्रतिशत है, जबकि शहर की मांग 1,200 एमजीडी से अधिक है।

जल विभाग ने अगले दिन शाम तक 100 एमजीडी आपूर्ति बहाल कर दी थी, लेकिन धाबेजी पंपिंग स्टेशन पर बड़े बिजली संकट के कारण कई पंप बंद हो गए और राहत ज्यादा देर तक नहीं टिक सकी। सोमवार को बिजली बाधित होने के कारण धाबेजी पंपिंग स्टेशन पर 72 इंच व्यास की तीन पाइपलाइन फट गईं, जिससे 140 एमजीडी पानी की अतिरिक्त कमी हो गई।

इससे कोरंगी, मलिर, चनेसर, जिन्ना टाउन, लांधी, शाह फैसल कॉलोनी, सदर टाउन और क्लिफ्टन समेत कई इलाकों में जलापूर्ति बुरी तरह प्रभावित हुई।

केडब्ल्यूएससी ने बताया कि आपातकालीन मरम्मत दल ने काम कर शुक्रवार तक तीनों फटी लाइनों को ठीक कर दिया। हालांकि, पावर टेस्टिंग के दौरान गुलशन-ए-हदीद क्षेत्र में लाइन नंबर-5 में दो नई लीकेज सामने आईं, जिनकी मरम्मत जारी है।

विभाग के प्रवक्ता के अनुसार गुरुवार को कुल जल कमी 80 एमजीडी रही। उन्होंने कहा कि लाइन नंबर-5 अब भी बंद होने से कोरंगी, मलिर, जिन्ना टाउन, सदर, डीएचए और क्लिफ्टन सबसे ज्यादा प्रभावित हैं।

वहीं, स्थानीय लोगों का कहना है कि हालात अब भी बेहद खराब हैं। निवासी अब्दुल गफूर ने बताया कि पिछले एक हफ्ते से नल में पानी नहीं आया, जिसके कारण उन्हें पानी का टैंकर खरीदना पड़ा। एक महिला ने कहा कि उनके इलाके में पिछले पांच दिनों से पानी नहीं है।

एक अन्य निवासी ने बताया कि लोग हर सुबह नल खोलकर देखते हैं और फिर एक दिन बगैर पानी के लिए तैयार हो जाते हैं।

शी चिनफिंग ने चीन के मेहनतकश लोगों को श्रमिक दिवस की शुभकामनाएं और बधाई दी

बीजिंग। 1 मई को अंतर्राष्ट्रीय श्रमिक दिवस के अवसर पर, सीपीसी केंद्रीय समिति के महासचिव, चीन के राष्ट्रपति और केंद्रीय सैन्य आयोग के अध्यक्ष शी चिनफिंग ने सीपीसी केंद्रीय समिति की ओर से पूरे चीन के मेहनतकश लोगों को श्रमिक दिवस की शुभकामनाएं और हार्दिक बधाई दी। शी चिनफिंग ने कहा कि चीन के आधुनिकीकरण की नई यात्रा में, विशाल श्रमिक वर्ग सीपीसी के इर्द-गिर्द एकजुट होकर कड़ी मेहनत कर रहा है, बड़ी प्रगति कर रहा है, नवाचार और सृजन करने का साहस दिखा रहा है, और सीपीसी और देश के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है।

शी चिनफिंग ने इस बात पर जोर दिया कि इस वर्ष चीनी कम्युनिस्ट पार्टी की स्थापना की 105वीं वर्षगांठ है और यह 15वीं पंचवर्षीय योजना का पहला वर्ष भी है। आशा है कि बड़ी संख्या में मेहनतकश लोग आदर्श श्रमिकों की भावना, श्रम की भावना और

शिल्प कौशल की भावना को सक्रिय रूप से बढ़ावा देंगे, कड़ी मेहनत और लगन से काम करेंगे और अपने काम के प्रति समर्पित रहेंगे, ताकि उच्च गुणवत्ता वाले आर्थिक और सामाजिक विकास को बढ़ावा देने में अग्रणी भूमिका निभा सकें और अपनी स्वामित्व भावना का प्रदर्शन कर सकें।

सभी स्तरों पर सीपीसी समितियों और सरकारों को व्यापक मेहनतकश जनता के वैध अधिकारों और हितों की ईमानदारी से रक्षा करनी चाहिए, उनकी तत्काल जरूरतों और चिंताओं को हल करने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए, और उन्हें चीन की भव्य योजना को साकार करने के लिए अथक प्रयास करने के लिए प्रेरित और प्रोत्साहित करना चाहिए।

टेक्सास के हिल कंट्री इलाके में विंबर्ली के पास छोटा विमान क्रैश, पांच लोगों की मौत

वाशिंगटन। टेक्सास के हिल कंट्री इलाके में विंबर्ली के पास 30 अप्रैल की रात एक छोटा विमान हादसे का शिकार हो गया, जिसमें पांच लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों ने बताया कि हादसे की वजह जानने के लिए संघीय एजेंसियों ने जांच शुरू कर दी है।

हेस काउंटी के अधिकारियों के अनुसार, रात करीब 11:05 बजे आपातकालीन टीमों को सूचना मिली कि इलाके में एक विमान क्रैश हो गया है।

यह विमान 'सेसना 421सी' बताया गया है, जिसमें कुल पांच लोग सवार थे। अधिकारियों ने पुष्टि की कि हादसे में सभी पांच लोगों की मौत हो गई। यह दुर्घटना विंबर्ली के पास हुई, जो लगभग 3,000 लोगों का छोटा सा शहर है और सैन मार्कोस से करीब 15 मील पश्चिम और ऑस्टिन से लगभग 40 मील दक्षिण-पश्चिम में स्थित है।

अधिकारियों ने बताया कि पुलिस, फायर ब्रिगेड और एम्बुलेंस सेवाएं तुरंत मौके पर पहुंच गई थीं और शुक्रवार सुबह तक राहत और बचाव कार्य जारी रहा। अधिकारियों ने कहा कि मौजूदा निष्कर्षों के आधार पर हवा में किसी अन्य विमान से टकराने का कोई संकेत नहीं मिला है।

एक दूसरा विमान भी उस समय उसी इलाके के पास उड़ान भर रहा था, जो सुरक्षित रूप से न्यू ब्रौनफेल्स में लैंड कर गया। अधिकारियों ने बताया कि अभी यह साफ नहीं है कि दोनों विमान साथ उड़ रहे थे या नहीं, और न ही यह पता चला है कि वे कहां से उड़ान भरकर आए थे।

फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन (एफएए) और नेशनल ट्रांसपोर्टेशन सेफ्टी बोर्ड (एनटीएसबी) को इस हादसे की जानकारी दे दी गई है और वे इसकी जांच करेंगे। अधिकारियों ने अभी तक मृतकों की पहचान सार्वजनिक नहीं की है और कहा है कि उनके परिजनों को जानकारी देने के बाद ही नाम जारी किए जाएंगे।

मामले को लेकर जारी जांच में बताया गया है और अधिकारियों ने कहा है कि जैसे-जैसे नई जानकारी मिलेगी, उसे साझा किया जाएगा।

'सेसना 421सी' एक दो इंजन वाला छोटा विमान है, जिसमें आमतौर पर छह लोग बैठ सकते हैं और इसे ज्यादातर निजी और बिजनेस यात्रा के लिए इस्तेमाल किया जाता है।

पिछले कुछ महीनों में टेक्सास हिल कंट्री में हुआ दूसरा घातक विमान हादसा है। इससे पहले दिसंबर में फ्रेडरिक्सबर्ग के पास एक लैंकेयर लिगेसी विमान क्रैश हुआ था, जिसमें उसमें सवार एकमात्र व्यक्ति की मौत हो गई थी। छोटे विमानों के हादसे वैसे तो बहुत आम नहीं होते हैं, लेकिन इनकी जांच एनटीएसबी की ओर से की जाती है, जो मौसम, तकनीकी खराबी और पायलट की स्थिति जैसे कारणों की जांच करके अंतिम रिपोर्ट तैयार करता है।

मिडिल ईस्ट संकट लंबा खिंचने का खतरा, सप्लाई बाधित रहने से मंदी की आशंका : सिंगापुर पीएम

सिंगापुर। सिंगापुर के प्रधानमंत्री लॉरेंस वोंग ने शुक्रवार को चेतावनी दी कि मिडिल ईस्ट संकट से पैदा हुई सप्लाई बाधाएं आने वाले कई महीनों तक जारी रह सकती हैं। साथ ही, स्थिति और भी गंभीर हो सकती हैं, जिससे कई अर्थव्यवस्थाओं के मंदी की चपेट में आने का खतरा बढ़ गया है।

मे डे रैली को संबोधित करते हुए वोंग ने कहा, 'वैश्विक स्तर पर महंगाई बढ़ेगी, जो पहले ऊर्जा से खाद्य वस्तुओं तक और फिर अन्य जरूरी सामानों तक पहुंचेगी। कुछ अर्थव्यवस्थाएं मंदी में जा सकती हैं और इसका सीधा असर सिंगापुर पर पड़ेगा।'

उन्होंने कहा कि भले ही स्ट्रेट ऑफ होर्मुज दोबारा खुल जाए, फिर भी यह मान लेना सही नहीं होगा कि संकट जल्द खत्म हो जाएगा। बंदरगाहों और ऊर्जा ढांचे को हुए नुकसान, समुद्री मार्गों से बारूदी सुरंगें हटाने और व्यापारिक भरोसा बहाल करने में समय लगेगा। वोंग ने कहा, 'स्थिति सामान्य होने में

कम से कम कई महीने लगेंगे।'

उन्होंने बताया कि होर्मुज स्ट्रेट दो महीने से अधिक समय से बंद है, जिसके असर के रूप में कीमतों में बढ़ोतरी और सप्लाई में सख्ती पहले ही दिखाई देने लगी है। एशिया इस संकट से ज्यादा प्रभावित हुआ है, क्योंकि क्षेत्र की कई अर्थव्यवस्थाएं खाड़ी देशों से ऊर्जा और जरूरी आयात पर निर्भर हैं।

उन्होंने कहा, 'हमारे क्षेत्र के कुछ देशों में ईंधन की कमी शुरू हो चुकी है। एयरलाइंस उड़ानें घटा रही हैं और फैक्ट्रियों में देरी की शिकायतें आ रही हैं।'

बांग्लादेश की पूर्व पीएम शेख हसीना का श्रमिक दिवस संदेश, 'डेढ़ दशक में जो हमने कमाया उसे यूनुस सरकार ने गंवाया'

ढाका। शुक्रवार को विश्व श्रमिक दिवस के मौके पर बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने अपने देश की वर्तमान स्थिति को चिंतनीय बताया। हसीना ने कहा कि पिछले डेढ़ दशक में देश के औद्योगिक और कृषि क्षेत्र में जो तरक्की हुई, उसे 5 अगस्त, 2024 के बाद से झटका लगा है।

हसीना ने आरोप लगाया कि मुहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली पिछली अंतरिम सरकार की 'बदले की कार्रवाई' की वजह से हजारों फैक्ट्रियां बंद हो गईं, जिसमें गार्मेंट सेक्टर भी शामिल है, जबकि एक साल में 2.1 मिलियन वर्कर अपनी नौकरी खो बैठे।

हसीना के बयान को अवामी लीग ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया, जिसमें लिखा है, 'मुझे दुख के साथ कहना पड़ रहा है कि डेढ़ दशक में इंडस्ट्री और खेती में हमने जो रफ्तार पकड़ी थी, वह 5 अगस्त, 2024 के बाद रुक गई है। यूनुस सरकार की बदले की कार्रवाई की

वजह से, हजारों फैक्ट्रियां, जिसमें गार्मेंट इंडस्ट्री भी शामिल है, बंद हो गई हैं। सिर्फ एक साल के अंदर, 2.1 मिलियन (21 लाख) श्रमिक अपनी नौकरी खो बैठे। सितंबर 2025 तक, 30 लाख लोग गरीबी रेखा में पहुंच गए। संकट का यह ट्रेंड जारी है।'

विश्व श्रमिक दिवस, जिसे मई दिवस के नाम से भी जाना जाता है, दुनिया भर में उन कामगारों के ऐतिहासिक आंदोलनों और हिम्मत का सम्मान करने के लिए मनाया

युद्धग्रस्त ईरान से लौटने पर नाविकों ने कहा-'घर लौटने की उम्मीद छोड़ दी थी'

मुंबई। युद्धग्रस्त ईरान से भारत लौटे नाविकों ने बताया कि उनके आस-पास ही मिसाइलें दागी जा रही थीं और उन्हें अपने जहाज के कप्तान से 'साइन-ऑफ' (जहाज छोड़ने की अनुमति) भी नहीं मिल रहा था, जिसके चलते उन्होंने घर लौटने की सारी उम्मीदें खो दी थीं।

उत्तर प्रदेश के मनन सिंह चौहान पिछले साल अक्टूबर में तेहरान गए थे और एक जहाज पर ट्रेनी वाइपर के तौर पर काम कर रहे थे। उन्होंने अपनी और अपने साथियों की वापसी का श्रेय फॉरवर्ड सीमेन यूनियन ऑफ इंडिया (एफएसयूआई) के महासचिव मनोज कुमार यादव को दिया और कहा, 'हम ऐसी स्थिति में फंस गए थे जहाँ हमें कैप्टन से साइन-ऑफ नहीं मिल रहा था।'

आईएएनएस से ??बात करते हुए उन्होंने कहा, 'जब भी मिसाइलें गिरती थीं, तो ऐसा लगता था कि हम बच नहीं पाएंगे, लेकिन शायद हम अपने माता-पिता के आशीर्वाद की वजह से बच पाए। ईद के दिन, लगभग 70-80 मिसाइलें गिरीं। मैं अपने केबिन में जमीन को हिलते हुए महसूस कर सकता था।'

उन्होंने बताया कि सभी ईरानी लोग जहाज छोड़कर चले गए थे और वह और दो अन्य भारतीय अकेले रह गए थे।

उन्होंने कहा, 'हमारा जहाज खुर्रमशहर में फंसा हुआ था, जहां कई मिसाइलों को निशाना बनाया जा रहा था। 12 अप्रैल, 2026 को, जहाज वहां से बंदर अब्बास के लिए रवाना हुआ, जहां एक नए कैप्टन ने हमें साइन-ऑफ दिया। वहां से, हम टैक्सी से बुशेहर पहुंचे और फिर जोल्फा गए।'

आगे चौहान ने कहा, 'वहां से, हम आर्मेनिया पहुंचे। दिबाकर यादव नाम का एक लड़का युद्ध में फंसा हुआ था। मैंने उससे मनोज सर का नंबर लिया और उनसे संपर्क किया।' उन्होंने आरोप लगाया कि उन्हें वेतन के तौर पर मिले 600 डॉलर में से 300 डॉलर घर लौटने में ही खर्च हो गए।

कान्हा टाइगर रिजर्व में बाघिन टी-141 समेत 5 बाघों की मौत

भोपाल/कान्हा। मध्य प्रदेश के कान्हा टाइगर रिजर्व में महज नौ दिनों के अंदर बाघिन टी141 और उसके चार शावकों के पूरे कुनबे की दुखद मौत से भारत की वन्यजीव संरक्षण व्यवस्था की नींव हिल गई है। शुरुआती जांच में इन मौतों की संभावित वजह 'कैनिन डिस्टेंपर वायरस' (सीडीवी) को माना जा रहा है। पशु चिकित्सक और वन्यजीव फोरेंसिक विशेषज्ञ इस जानलेवा संक्रमण के स्रोत की पुष्टि करने में जुटे हैं।

बाघिन टी141 और उसके चार शावकों की मौत ने संबंधित क्षेत्र में संभावित जैविक संकट को लेकर खतरे की घंटी बजा दी है, जिसे पारंपरिक रूप से देश के सबसे सुरक्षित बाघ आवासों में से एक माना जाता है। रिपोर्टों और सूत्रों के अनुसार, ये दुखद घटनाएं 21 अप्रैल को तब शुरू हुईं, जब अमाही नाला क्षेत्र में पहला शावक मृत पाया गया। इसके कुछ ही समय बाद, 24 अप्रैल को एक दूसरा शावक भी सड़ी-गली अवस्था में मिला। वहीं, 26 अप्रैल तक तीसरा शावक भी एक रहस्यमयी बीमारी का शिकार हो गया, जिसके बाद उसकी मां और आखिरी जीवित बचे शावक को बचाने के लिए एक आपातकालीन बचाव अभियान शुरू किया गया। इसके बाद, 27 अप्रैल को गंभीर रूप से बीमार बाघिन टी141 और उसके आखिरी शावक को गहन देखभाल के लिए मुक्की क्वारंटाइन सेंटर में ले जाया गया। हालांकि, 28 अप्रैल को उम्मीद की एक हल्की किरण दिखी, जब दोनों में सुधार के संकेत मिले और उन्होंने खाना-पीना शुरू कर दिया, लेकिन मंगलवार रात को स्थिति ने एक दुखद मोड़ ले लिया। उनकी हालत तेजी से बिगड़ी, जिसके चलते बुधवार सुबह बाघिन की मौत हो गई और आखिरकार उसके आखिरी शावक को भी खोना पड़ा।

शुरुआती जांच से यह पता चला है कि पूरे परिवार के खत्म होने की संभावित वजह खतरनाक 'कैनाइन डिस्टेंपर वायरस' हो सकता है। विशेषज्ञों के अनुसार, कैनाइन डिस्टेंपर वायरस एक ऐसा रोगजनक है, जिसे बाघों की आबादी के लिए सबसे खतरनाक वायरल खतरों में से एक माना जाता है, क्योंकि यह बहुत तेजी से फैलता है और इससे मृत्यु दर भी बहुत ज्यादा होती है।

योगी सरकार में महिला सुरक्षा सिर्फ दावा नहीं, जमीनी स्तर पर दिख रहा बदलाव

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में वर्ष 2017 से पहले महिला सुरक्षा एक बड़ा मुद्दा रहा। इससे पहले महिला अपराध के चलते यूपी का नाम देश ही नहीं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर छाया रहता था। वहीं, बीते 9 वर्षों में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने महिला सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन के लिए बड़े कम उठाए हैं। इससे प्रदेशभर की बहन-बेटियों में सुरक्षा का भाव देखने को मिल रहा है।

योगी आदित्यनाथ के कार्यकाल में महिला अपराधों पर अंकुश लगना शुरू हुआ। इसके साथ ही अपराधियों में भय देखने को मिल रहा है। योगी सरकार में महिला अपराध से जुड़े मामलों की सुनवाई भी तेजी से की जा रही है, ताकि कोई अपराधी बच न पाए। इस सरकार में महिला सुरक्षा केवल दावा नहीं, बल्कि जमीनी स्तर पर दिखने वाला बदलाव भी है। इसके उदाहरण के तौर पर बीट पुलिसिंग, मिशन शक्ति, पिंक बूथ, एंटी रोमियो स्क्वाड, फास्ट ट्रैक कोर्ट जैसे कई अहम प्रयास को देखा जा सकता है। सपा सरकार के 5 वर्षों के शासन में एक भी फास्ट ट्रैक पॉक्सो कोर्ट नहीं बना, जबकि पॉक्सो एक्ट 2012 में ही लागू हो गया था। योगी सरकार में फास्ट ट्रैक कोर्ट और पॉक्सो विशेष न्यायालयों ने महिलाओं और बच्चियों को तेजी से न्याय दिलाया। योगी सरकार के 9 वर्षों में 218 फास्ट ट्रैक स्पेशल कोर्ट (एफटीएसटी) बनाए गए, जिनके जरिए दुष्कर्म और पॉक्सो मामलों में त्वरित कार्रवाई की जा रही है।

वहीं, 75 जिलों में स्थापित पॉक्सो विशेष न्यायालय के जरिए 6 महीने में निर्णय का लक्ष्य रखा गया है। योगी सरकार में 2017 से ऑपरेशन शक्ति के जरिए छेड़छाड़ रोकने के लिए विशेष पुलिस अभियान जारी है।

संक्षिप्त खबर

नक्सल समस्या खत्म होने के साथ ही तेलंगाना पुलिस का किया जाएगा पुनर्गठन : डीजीपी

हैदराबाद। तेलंगाना के नए पुलिस महानिदेशक सी. वी. आनंद ने शुक्रवार को कहा कि माओवादी समस्या लगभग खत्म होने के बाद तेलंगाना पुलिस विभाग का पुनर्गठन किया जाएगा, ताकि अपराध के नए क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित किया जा सके। तेलंगाना पुलिस प्रमुख का कार्यभार संभालने के बाद एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने कहा कि विभाग के कामकाज की समीक्षा की जाएगी और कुछ क्षेत्रों में सुधार किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि 1980 और 1990 के दशकों में नक्सल समस्या से निपटने के लिए ग्रेहाउंड्स और स्पेशल इंटेलिजेंस ब्यूरो (एसआईबी) जैसी कुछ विशेष इकाइयां बनाई गई थीं। उन्होंने कहा, 'अब माओवादी समस्या लगभग खत्म हो चुकी है, तो इतने बड़े स्तर पर कर्मियों को बनाए रखना सही नहीं है।'

यह कहते हुए कि माओवादी आंदोलन के दोबारा शुरू होने की संभावना बहुत कम है, डीजीपी ने कहा कि वे यह सुनिश्चित करने के लिए सभी सावधानियां बरतेंगे कि यह समस्या दोबारा न उठे।

उन्होंने नई समस्याओं से निपटने के लिए नए तरीके अपनाने और कर्मियों को दोबारा तैनात करने की आवश्यकता पर जोर दिया।

आनंद ने कहा कि कुछ महत्वपूर्ण इकाइयां, जिनमें पहले कर्मचारियों की कमी के कारण पर्याप्त ध्यान और मानवबल नहीं दिया गया था, उन्हें मजबूत किया जाएगा। रिक्तियों का जिक्र करते हुए डीजीपी ने कहा कि मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री ने विभाग से कहा है कि वे अनावश्यक अटैचमेंट और अनावश्यक तैनातियों की पहचान करके पुनर्गठन पर ध्यान दें।

यह कहते हुए कि सड़क सुरक्षा उनकी सबसे बड़ी प्राथमिकताओं में से एक होगी। उन्होंने कहा कि ट्रैफिक मैनेजमेंट और रोड सेफ्टी ब्यूरो का गठन तेलंगाना साइबर सिक्योरिटी ब्यूरो (टीजीसीएसबी) और ड्रग कानून प्रवर्तन के लिए एलीट एक्शन ग्रुप (ईगल) की तर्ज पर किया जाएगा, जिनकी स्थापना हाल के वर्षों में हुई है। उन्होंने कहा कि प्रस्तावित संस्था यातायात प्रबंधन के तरीकों को एक जैसा बनाने और पूरे राज्य में यातायात नियमों को समान रूप से लागू करने की दिशा में काम करेगी, ताकि दुर्घटनाओं को रोका जा सके और मौतों की संख्या कम की जा सके। उन्होंने बताया कि हर साल, पूरे राज्य में सड़क दुर्घटनाओं में 8,500 लोगों की मौत हो जाती है। यातायात समस्या की गंभीरता को उजागर करते हुए उन्होंने कहा कि ग्रेटर हैदराबाद के चार कमिश्नरेट में हर दिन 1,600 नए वाहन सड़कों पर आ रहे हैं। यह कहते हुए कि हाल के वर्षों में सभी क्षेत्रों में क्रांतिकारी बदलावों और नवाचारों के साथ तेलंगाना पुलिस देश की नंबर एक पुलिस के रूप में उभरी है, आनंद ने कहा कि उनके नेतृत्व में यह नवीनतम तकनीक का उपयोग करते हुए इसी दिशा में अपनी यात्रा जारी रखेगी। यह कहते हुए कि कानून-व्यवस्था बनाए रखने में तेलंगाना पुलिस का रिकॉर्ड अच्छा रहा है, उन्होंने स्वीकार किया कि कुछ जगहों पर जमीनी स्तर के अधिकारियों द्वारा सांप्रदायिक घटनाओं और कानून-व्यवस्था से जुड़ी अन्य समस्याओं का पहले से अनुमान लगाने में कमी के कारण दिक्कतें पैदा हुईं।

दिग्विजय सिंह और मोहन यादव की मुलाकात, किसान हितों पर हुई चर्चा

भोपाल। मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह शुक्रवार को भोपाल स्थित मुख्यमंत्री निवास पहुंचे और वर्तमान मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से मुलाकात की। यह मुलाकात औपचारिक होने के साथ-साथ किसानों की समस्याओं को लेकर काफी महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

दिग्विजय सिंह ने इस दौरान प्रदेश के किसानों की समस्याओं, खासकर गेहूं उपार्जन से जुड़ी दिक्कतों को मुख्यमंत्री के सामने रखा। उन्होंने बताया कि कई जगहों पर किसानों को स्लॉट बुकिंग, खरीद केंद्रों पर भीड़ और समय पर उपज बेचने में परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने मुख्यमंत्री से आग्रह किया कि इन समस्याओं का जल्द से जल्द समाधान किया जाए, ताकि किसानों को किसी तरह की दिक्कत न हो।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इस पर जानकारी दी कि राज्य सरकार गेहूं उपार्जन को लेकर पूरी तरह सतर्क है और किसानों की सुविधा के लिए हर जरूरी व्यवस्था की गई है। उन्होंने बताया कि अब तक 80 लाख मीट्रिक टन से अधिक गेहूं उपार्जन के लिए स्लॉट बुक हो चुके हैं और यह आंकड़ा लगातार बढ़ रहा है। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि वे खुद इस पूरी प्रक्रिया पर नजर बनाए हुए हैं, ताकि कहीं कोई गड़बड़ी या परेशानी न हो। इस मुलाकात में सिर्फ किसानों के मुद्दे ही नहीं, बल्कि एक धार्मिक आयोजन का आमंत्रण भी दिया गया। पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने मुख्यमंत्री को अपने गृह क्षेत्र राघौगढ़ के ग्राम भैंसाना में होने वाले 151 कुंडीय 'श्रीराम महायज्ञ' का आमंत्रण दिया। यह भव्य धार्मिक आयोजन 18 मई से 28 मई के बीच आयोजित किया जाएगा। खास बात यह है कि दिग्विजय सिंह और उनका परिवार इस महायज्ञ के संरक्षक के रूप में जुड़े हुए हैं।

इस मुलाकात की जानकारी मुख्यमंत्री कार्यालय ने भी अपने आधिकारिक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर साझा की। वहां बताया गया कि दोनों नेताओं के बीच सौहार्दपूर्ण माहौल में चर्चा हुई और मुख्य रूप से गेहूं उपार्जन से जुड़ी व्यवस्थाओं पर बातचीत की गई।

खेत में सो रहे किसान की गोली मारकर हत्या, जांच में जुटी पुलिस

बरेली। उत्तर प्रदेश के बरेली जिले से शुक्रवार को एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जहां खेत में सो रहे किसान की गोली मारकर हत्या कर दी गई है। यह मामला बरेली के फरीदपुर के रायपुर हंस गांव की है। बताया जा रहा है कि बीती रात गुरुवार को किसान भोज (दावत) से लौटकर खेत में सोने चला गया था। इसी दौरान उसकी गोली मारकर हत्या कर दी गई। किसान का शव सुबह खेत में बने एक झोपड़ी में खून से लथपथ मिला, जिसके बाद परिजनों में कोहराम मच गया। हत्या की खबर मिलते ही गांव में सनसनी फैल गई। लोगों ने इसकी सूचना नजदीकी पुलिस थाने में दी, जिसके बाद एसपी साउथ अंशिका वर्मा और फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंची। हत्या के पीछे की वजह आपसी रंजिश बताई जा रही है। पुलिस टीम मामले की जांच और अपराधियों की तलाश में जुटी है। मामले को लेकर एसपी साउथ बरेली अंशिका वर्मा ने बताया कि शुक्रवार को फरीदपुर के रायपुर हंस गांव के इंद्रपाल नामक एक व्यक्ति को गोली लगने की सूचना प्राप्त हुई, जिसके बाद उसकी मृत्यु हो गई। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हेतु अस्पताल भेजा गया। मौके पर फॉरेंसिक टीम भी पहुंची हैं, जिनके द्वारा आवश्यक साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं। घटना की जांच हेतु तीन टीमों का गठन किया गया है, जो हर पहलू से मामले की जांच में जुटी हैं।

झारखंड के लातेहार में नाबालिग प्रेमी युगल के शव रेलवे ट्रैक से बरामद, हत्या की आशंका

लातेहार। झारखंड के लातेहार जिले में शुक्रवार को एक नाबालिग प्रेमी युगल के शव रेलवे ट्रैक से बरामद किए गए। पुलिस के अनुसार, दोनों के शरीर पर गंभीर चोट के निशान मिले हैं। लड़की के दोनों पैर कटे हुए थे, जबकि लड़के के पैर भी बुरी तरह क्षतिग्रस्त पाए गए। दोनों के सिर पर भी गंभीर चोट के निशान हैं। परिजनों ने हत्या की आशंका जताई है। पुलिस के अनुसार, दोनों के शव बरवाडीह-बरकाकाना रेलखंड पर रिचुघूटा रेलवे स्टेशन के समीप धरधरी पुल के पास पोल संख्या 201/08 से 201/10 के बीच पाए गए। मृतकों की पहचान लातेहार के घोड़ाबर गांव निवासी किरानी उरांव की 16 वर्षीया पुत्री सिंधु कुमारी और छिपादोहार निवासी मंटू सिंह के पुत्र 15 वर्षीय शत्रुघ्न कुमार के रूप में हुई है।

सिंधु लातेहार गर्ल्स स्कूल की कक्षा 11 की छात्रा थी, जबकि शत्रुघ्न छिपादोहर स्थित खर्चा हाई स्कूल में कक्षा 9 का छात्र था। लड़की के पिता किरानी उरांव ने बताया कि सिंधु 29 अप्रैल को रिचुघूटा गांव में आयोजित एक शादी समारोह में गई थी। इसके बाद अचानक लापता हो गई थी। परिजनों ने आसपास के रिश्तेदारों में खोजबीन की, लेकिन कोई जानकारी नहीं मिली। शुक्रवार को उसका शव रेलवे ट्रैक से बरामद हुआ।

वहीं, मृतक शत्रुघ्न के चाचा शंकर सिंह ने आशंका जताई है कि दोनों के बीच प्रेम प्रसंग था और उनकी हत्या कर शव को रेलवे ट्रैक पर रखकर आत्महत्या का रूप देने की कोशिश की गई है। सूचना मिलने पर लातेहार थाना पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए सदर अस्पताल भेजा गया।

पुलिस के अनुसार, प्रथम दृष्टया मामला प्रेम प्रसंग से जुड़ा प्रतीत हो रहा है। पुलिस यह भी जांच कर रही है कि कहीं दोनों ने ट्रैक पर लेटकर आत्महत्या तो नहीं की।

नीतीश कुमार ने बुद्ध पूर्णिमा पर बिहार के मुख्यमंत्री आवास को खाली किया

पटना। बिहार के मुख्यमंत्री का आधिकारिक आवास '1 अणे मार्ग', जिसे राज्य के राजनीतिक परिदृश्य में सत्ता का केंद्र माना जाता रहा है, शुक्रवार को एक ऐतिहासिक परिवर्तन का गवाह बना।

पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने पटना स्थित मुख्यमंत्री आवास को आधिकारिक तौर पर खाली कर दिया, जिससे लगभग दो दशकों तक चले एक युग का अंत हो गया।

नीतीश कुमार राज्यसभा के लिए चुने गए थे और बाद में संसद में जाने का निर्णय लेने के बाद, उन्होंने मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था।

राज्य का नेतृत्व सम्राट चौधरी को सौंपे जाने के बाद से ही इस प्रतिष्ठित बंगले को खाली किए जाने की अटकलें तेज हो गई थीं। आज, यह परिवर्तन आखिरकार पूरा हो गया है। बुद्ध पूर्णिमा के शुभ अवसर पर नीतीश कुमार ने '7 सर्कुलर रोड' स्थित अपने नए आवास में स्थानांतरण की प्रक्रिया शुरू की।

सुबह से ही ट्रक और वाहन उनके निजी सामान को ले जाने में लगे हुए हैं, जो इस दिन के धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व को ध्यान में रखते हुए किए गए सुनियोजित स्थानांतरण का प्रतीक है।

मुख्यमंत्री के रूप में उनके लंबे कार्यकाल के दौरान, '1 अणे मार्ग' मात्र एक आवास नहीं था—यह बिहार में शासन का केंद्र बिंदु था।

महत्वपूर्ण प्रशासनिक निर्णयों से लेकर प्रमुख राजनीतिक घटनाक्रमों तक, यह बंगला राज्य के हालिया इतिहास के निर्णायक क्षणों का साक्षी रहा है।

सामान को बाहर ले जाकर देखना एक महत्वपूर्ण अध्याय के समापन का प्रतीक था।

नीतीश कुमार का नया निवास, '7 सर्कुलर रोड,' उन्हें इसी दौरान अलॉट किया गया था।

हालांकि स्थानांतरण प्रक्रिया कई दिनों से चल रही थी, लेकिन शुक्रवार को इसमें तेजी आई।

निजी फर्नीचर, दस्तावेज, किताबें और आवश्यक सामान को कड़ी प्रशासनिक निगरानी में स्थानांतरित किया गया, जिससे यह सुनिश्चित हुआ कि स्थानांतरण कुशलतापूर्वक और सुरक्षित रूप से पूरा हो गया। सूत्रों के अनुसार, नीतीश कुमार के देर शाम तक अपने नए आवास में बसने की संभावना है।

सभी व्यवस्थाएं पूरी होने के बाद, वे '7 सर्कुलर रोड' में स्थानांतरित होंगे—जो न केवल एक भौतिक स्थानांतरण है, बल्कि उनकी राजनीतिक यात्रा में एक नए चरण की शुरुआत भी है।

सीबीआई ने रिश्वत मामले में सीजीएचएस की अतिरिक्त निदेशक को किया गिरफ्तार

नई दिल्ली। केंद्रीय जांच एजेंसी केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने रिश्वतखोरी के एक मामले में बड़ी कार्रवाई करते हुए मेरठ स्थित सीजीएचएस के स्वास्थ्य भवन में तैनात अतिरिक्त निदेशक और उनके निजी सहायक को गिरफ्तार कर लिया है।

सीबीआई के मुताबिक, यह मामला गुरुवार को दर्ज किया गया था, जिसमें आरोप था कि सीजीएचएस मुरादाबाद से मेरठ में एक कर्मचारी के तबादले में मदद करने के बदले 80,000 रुपये की रिश्वत की मांग की गई थी।

जांच के दौरान सीबीआई ने एक सुनियोजित जाल बिछाया। इस ऑपरेशन के तहत आरोपियों अतिरिक्त निदेशक नताशा वर्मा और उनके निजी सहायक सन्नी ने शिकायतकर्ता से 50,000 रुपये की रिश्वत लेने पर सहमति जताई। तय योजना के अनुसार, जैसे ही निजी सहायक ने अतिरिक्त निदेशक की ओर से रिश्वत की राशि स्वीकार की, सीबीआई टीम ने उसे रंगे हाथों पकड़ लिया।

इसके बाद तत्काल कार्रवाई करते हुए दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया। सीबीआई अधिकारियों ने बताया कि यह पूरा घटनाक्रम स्वास्थ्य भवन, सीजीएचएस, सूरजकुंड रोड, मेरठ में हुआ, जहां से यह अवैध लेनदेन संचालित किया जा रहा था। एजेंसी ने मामले से जुड़े अन्य संभावित पहलुओं की भी जांच शुरू कर दी है, ताकि यह पता लगाया जा सके कि इस भ्रष्टाचार में और कौन-कौन शामिल हो सकता है।

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के लिए बड़ी उपलब्धि, 15 जून से शुरू होंगी फ्लाइट

नोएडा। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के लिए एक बड़ी और बहुप्रतीक्षित खबर सामने आई है। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट ने आधिकारिक तौर पर घोषणा की है कि यहां से आम यात्रियों के लिए व्यावसायिक उड़ान सेवाएं 15 जून 2026 से शुरू हो जाएंगी।

इस ऐतिहासिक कदम के साथ नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट देश और दुनिया के लिए एक नया एविएशन गेटवे बनकर उभरेगा। एयरपोर्ट प्रबंधन के अनुसार, 1 मई को जारी जानकारी में बताया गया कि सभी आवश्यक सुरक्षा और संचालन संबंधी प्रक्रियाएं पूरी कर ली गई हैं। ब्यूरो ऑफ सिविल एविएशन सिक्योरिटी से एयरोड्रोम सिक्योरिटी प्रोग्राम की मंजूरी भी मिल चुकी है, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि एयरपोर्ट अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा मानकों के अनुरूप पूरी तरह तैयार है।

सबसे खास बात यह है कि इस एयरपोर्ट से पहली उड़ान इंडिगो द्वारा संचालित की जाएगी, जो नियमित यात्री सेवाओं की शुरुआत का प्रतीक होगी। इसके तुरंत बाद अन्य प्रमुख एयरलाइंस जैसे अकासा एयर और एयर इंडिया भी अपनी सेवाएं शुरू करेंगी। हालांकि, उड़ानों के रूट, टाइमिंग और टिकट बुकिंग से जुड़ी विस्तृत जानकारी जल्द जारी की जाएगी।

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट को आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर, तेज संचालन और मल्टीमोडल कनेक्टिविटी को ध्यान में रखकर विकसित किया गया है। यहां यात्रियों को सहज और सुविधाजनक यात्रा अनुभव देने के साथ-साथ एयरलाइंस को किफायती और भरोसेमंद ऑपरेशन की सुविधा मिलेगी।

इस एयरपोर्ट का विकास यमुना इंटरनेशनल एयरपोर्ट प्राइवेट लिमिटेड द्वारा किया जा रहा है, जो कि ज्यूरिख एयरपोर्ट इंटरनेशनल की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी है। यह परियोजना पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप मॉडल के तहत उत्तर प्रदेश सरकार और भारत सरकार के सहयोग से तैयार की गई है। एयरपोर्ट का पहला चरण हर साल लगभग 1.2 करोड़ यात्रियों को संभालने की क्षमता रखता है, जबकि भविष्य में इसका विस्तार कर इसे 7 करोड़ यात्रियों प्रति वर्ष तक ले जाने की योजना है।

विशेषज्ञों का मानना है कि इस एयरपोर्ट के शुरू होने से न केवल एनसीआर की कनेक्टिविटी मजबूत होगी, बल्कि पर्यटन, व्यापार और निवेश के नए अवसर भी पैदा होंगे। साथ ही, यह पश्चिमी उत्तर प्रदेश और आसपास के क्षेत्रों के आर्थिक विकास को भी गति देगा।

जैसे किसी कक्षा में प्रवेश कर रहे हों... नासा की लिफ्ट में शुभांशु शुक्ला का रोमांचक अनुभव

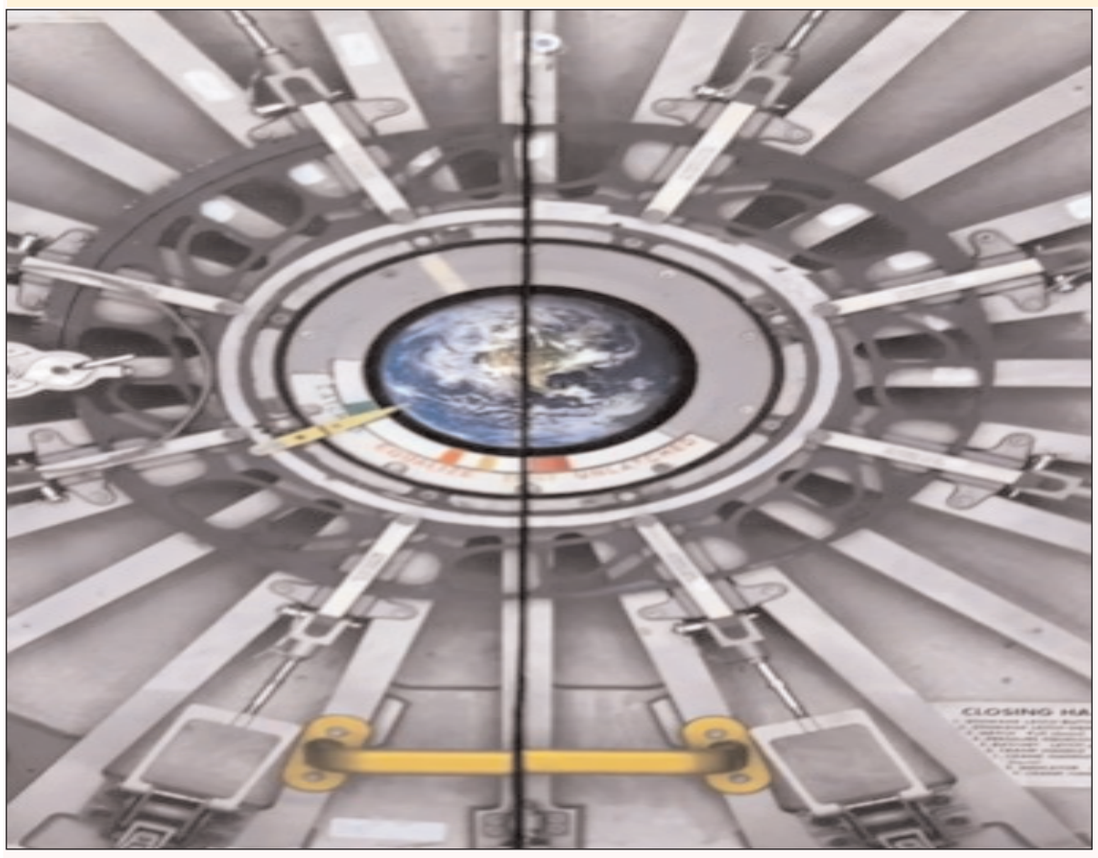

नई दिल्ली। भारतीय वायुसेना के पूर्व पायलट और अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला ने अमेरिकी स्पेस एजेंसी नासा की एक आम लिफ्ट से जुड़ा रोमांचक अनुभव शेयर किया। सोशल मीडिया पर किए पोस्ट में उन्होंने बताया कि नासा की एक आम लिफ्ट में घुसते ही उन्हें महसूस हुआ कि वह किसी दूसरे फ्लोर पर नहीं बल्कि पृथ्वी की कक्षा में प्रवेश कर रहे हैं।

इस अनोखे रोमांचक अनुभव को उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर साझा किया है। शुभांशु शुक्ला ने बताया कि नासा की उस लिफ्ट में पहली बार कदम रखते समय उन्हें लगा जैसे वे स्पेस में जा रहे हों। लिफ्ट का अंदरूनी हिस्सा इतना हाईटेक और स्पेस स्टेशन जैसा बना हुआ है कि सिमुलेशन और असलियत के बीच का फर्क लगभग मिट जाता है। उन्होंने बताया कि हर बार लिफ्ट में सफर करते समय एक शांत लेकिन गहरा रोमांच महसूस होता था।

उन्होंने पोस्ट में बताया, 'यह नासा की लिफ्टों में से एक है। इसमें घुसते ही ऐसा लगता है कि हम कुछ मंजिल ऊपर नहीं जा रहे बल्कि सीधे ऑर्बिट में पहुंच रहे हैं। इसका इंटीरियर स्पेस स्टेशन की बिल्कुल नकल है।'

शुभांशु शुक्ला ने एक वीडियो भी पोस्ट किया है, जिसमें लिफ्ट का आंतरिक दृश्य दिख रहा है। इस अनुभव ने उन्हें अपने बचपन के सपनों और शुरुआती प्रेरणा की याद दिला दी। उन्होंने लिखा कि छोटी-छोटी चीजें भी हमें बड़े सपनों की राह पर प्रेरित रखती हैं।अपनी पोस्ट में शुक्ला ने एक गहरा संदेश भी दिया। उन्होंने कहा कि असाधारण लक्ष्यों का पीछा करते समय अक्सर छोटी-छोटी बातें ही हमारे हौसले को जिंदा रखती हैं। हमें अपने अंदर के बच्चे को कभी नहीं भूलना चाहिए, जो छोटी चीजों में भी खुशी ढूंढ लेता है। खुशी सिर्फ मंजिल पर ही नहीं बल्कि पूरे सफर के दौरान भी मिलती है।

पिछले साल जून में सुभांशु शुक्ला आईएसएस के एक्सिओम-4 मिशन के तहत अंतरिक्ष में जाने वाले दूसरे भारतीय बने। वह 16 जुलाई को पृथ्वी पर लौटे। यह मिशन भारत के साथ ही हंगरी व पोलैंड के लिए भी चार दशक बाद मानव अंतरिक्ष कार्यक्रम में वापसी का प्रतीक रहा। वहीं सुभांशु शुक्ला ने इसरो (भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन) का प्रतिनिधित्व किया था।

क्या है जलवायु परिवर्तन, क्यों बदल रहा है धरती का मिजाज?

नई दिल्ली। जलवायु परिवर्तन आज पूरी दुनिया के सामने सबसे बड़ी चुनौती बनकर उभरा है। सरल शब्दों में कहें तो जलवायु परिवर्तन का मतलब है लंबे समय तक किसी इलाके या पूरी पृथ्वी की औसत मौसम स्थितियों में होने वाला स्थायी बदलाव। इसमें तापमान, बारिश, सूखा और मौसम के पैटर्न में बदलाव शामिल हैं।

जलवायु परिवर्तन के बारे में समझने से पहले यह जानना जरूरी है कि मौसम और जलवायु में बड़ा अंतर है। मौसम का मतलब है किसी खास दिन या छोटे समय में बाहर की स्थिति जैसे आज बारिश हो रही है या धूप निकली है। वहीं, जलवायु का मतलब है किसी जगह पर कई सालों (आमतौर पर 30 साल या उससे ज्यादा) में औसत मौसम की स्थिति। उदाहरण के लिए, फीनिक्स शहर में आमतौर पर सूखा और गर्म मौसम रहता है। अगर एक हफ्ते बारिश हो जाए तो भी वहां की जलवायु रेगिस्तानी ही मानी जाएगी।

पृथ्वी की जलवायु हमेशा से बदलती रही है। हजारों साल पहले हिमयुग था, जब आज के अमेरिका का बड़ा हिस्सा बर्फ से ढका हुआ था। लेकिन अब वैज्ञानिक चिंता इस बात को लेकर है कि पृथ्वी की जलवायु बहुत तेज गति से बदल रही है। पिछले 100 सालों में वैश्विक तापमान 2 डिग्री फारेनहाइट से ज्यादा बढ़ चुका है। पिछले कुछ साल इतिहास के सबसे गर्म साल साबित हुए हैं।

वैज्ञानिकों के अनुसार, पिछले 100 सालों में पृथ्वी के तेजी से गर्म होने का सबसे बड़ा कारण ग्रीनहाउस गैसों में वृद्धि है। मनुष्य द्वारा की गई गतिविधियां जैसे कोयला, पेट्रोल और डीजल का अत्यधिक उपयोग, फैक्ट्रियां, कारें, बसें और जंगलों की कटाई कार्बन डाइऑक्साइड, मीथेन आदि गैसों को वायुमंडल में बढ़ा रही हैं। ये ग्रीनहाउस गैसें सूरज की गर्मी को पृथ्वी के वायुमंडल में रोक लेती हैं, जिससे धरती का तापमान बढ़ता जाता है। इसे ग्रीनहाउस प्रभाव कहते हैं। प्राकृतिक रूप से यह प्रभाव पृथ्वी को रहने योग्य बनाए रखता है, लेकिन मानवीय गतिविधियों ने इसे असंतुलित कर दिया है।

जलवायु परिवर्तन की वजह से समुद्र का जलस्तर बढ़ना, ग्लेशियरों और बर्फ की चादरों का तेजी से पिघलना, लू, सूखा और बाढ़ जैसी घटनाओं में बढ़ोतरी, बारिश के पैटर्न में बदलाव, पौधों और फूलों के खिलने के समय में परिवर्तन आदि शामिल है।

अमेरिकी स्पेस एजेंसी नासा, भारतीय स्पेस एजेंसी इसरो समेत दुनिया भर के वैज्ञानिक सैटेलाइट, हवाई जहाज, मौसम स्टेशन और जमीन पर लगे उपकरणों से निरंतर निगरानी करते हैं। इसके अलावा वे बर्फ की चादरों और समुद्र तल से बर्फ कोर तथा तलछट कोर निकालकर हजारों साल पुरानी जानकारी भी अध्ययन करते हैं। इन सबसे साफ पता चलता है कि पृथ्वी पहले की तुलना में बहुत तेज गति से गर्म हो रही है।

जलवायु परिवर्तन अब कोई ऐसी समस्या नहीं रह गई जो बहुत दूर है। यह हमारे रोजमर्रा के मौसम, कृषि, पानी की उपलब्धता और समुद्री जीवन को सीधे प्रभावित कर रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि अगर ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन को तुरंत नियंत्रित नहीं किया गया तो आने वाले समय में इसके और गंभीर परिणाम देखने को मिल सकते हैं।

घंटों लैपटॉप पर काम करने से है गर्दन-पीठ में दर्द? अपनाएं यह सरल योगासन

नई दिल्ली। आज के डिजिटल युग में दफ्तर की कुर्सी और लैपटॉप हमारी नियमित दिनचर्या का हिस्सा बन चुके हैं। घंटों स्क्रीन की ओर झुककर बैठने से हमारी रीढ़ की हड्डी अपनी प्राकृतिक बनावट खोने लगती है, जिससे कंधों में जकड़न, गर्दन में दर्द और पीठ के निचले हिस्से में भारीपन महसूस होने लगता है। हालांकि रोजाना योग और संतुलित आहार लेने से इसे बड़ी समस्या बनने से पहले इसको ठीक किया जा सकता है।

इन्हीं योगासनों में सबसे प्रभावशाली योगासन कटिचक्रासन है। यह एक अत्यंत सरल लेकिन प्रभावशाली खड़ा होकर किया जाने वाला योगाभ्यास है, जिसमें कमर को पहिये की भांति दाईं और बाईं ओर घुमाया जाता है। इस आसन को प्रत्येक पक्ष में 3-3 बार दोहराया जा सकता है। कटिचक्रासन एक योग है, जो तीन शब्दों से मिलकर बना है। 'कटि,' जिसका अर्थ है 'कमर'; 'चक्र,' जिसका अर्थ है 'पहिया' या 'घुमाना'; और 'आसन,' जिसका अर्थ है 'मुद्रा।'

भारत सरकार के आयुष मंत्रालय के अनुसार, कटिचक्रासन एक अत्यंत प्रभावी और सरल योगासन है, जिसे कमर को घुमाकर किया जाता है। यह मुख्य रूप से रीढ़ की हड्डी के लचीलेपन में सुधार करने और कमर क्षेत्र को मजबूत बनाने के लिए

जाना जाता है। इस आसन नियमित अभ्यास से रीढ़ की हड्डी लचीली होने के साथ कमर, पीठ और कूल्हों की मांसपेशियों की स्ट्रेचिंग अच्छे तरह से होती है। साथ ही, पेट की मांसपेशियां भी सक्रिय होती हैं, जिससे पाचन तंत्र मजबूत होता है। अभ्यास से कमर दर्द, कंधों की अकड़न और थकान दूर होती है। शारीरिक और मानसिक तनाव को कम कर मन को तरोताजा करता है। योग विशेषज्ञों के अनुसार, कटिचक्रासन शरीर में प्राण शक्ति के प्रवाह को बेहतर बनाता है। इससे ऊर्जा बढ़ती है और मन भी शांत रहता है। जो लोग लंबे समय तक डेस्क जॉब करते हैं, उनके लिए यह आसन काफी लाभदायक है। इस आसन को करने के लिए सबसे पहले सीधे खड़े हो जाएं। अब सांस भरते हुए अपने दोनों हाथों को सामने की ओर लाएं। हथेलियां एक दूसरे के सामने होनी चाहिए। अब सांस छोड़ते हुए धीरे धीरे कमर से बाईं ओर मोड़ें। अपने दाएं हाथ को बाएं कंधे पर रखें। बाएं हाथ को पीठ के पीछे से घुमाकर दाईं कमर की ओर लाने की कोशिश करें। अपनी गर्दन को भी बाईं ओर घुमाएं और पीछे की ओर देखें। इस स्थिति में कुछ सेकंड रुकें और सामान्य रूप से सांस लेते रहें। सांस भरते हुए वापस सामने की ओर आएं। इसी प्रक्रिया को दाईं ओर भी दोहराएं।

मां के दूध के साथ ऊपरी आहार भी जरूरी, जानिए शिशु को कब और क्या खिला सकते हैं?

नई दिल्ली। शिशु के जन्म के बाद पहले 6 महीने तक मां का दूध ही उसके लिए सबसे पूरा और जरूरी आहार माना जाता है। इस दौरान बच्चे को पानी या किसी और खाने की जरूरत नहीं होती, क्योंकि मां का दूध ही उसकी पूरी पोषण, पानी और रोगों से लड़ने की ताकत को पूरा कर देता है। लेकिन जैसे ही बच्चा 6 महीने का हो जाता है, उसकी जरूरतें बदलने लगती हैं।

सिर्फ दूध उसके शरीर और दिमाग के तेजी से हो रहे विकास के लिए पर्याप्त नहीं रहता। यहीं से शुरू होता है ऊपरी आहार, जिसे पूरक आहार भी कहा जाता है।

महिला एवं बाल विकास मंत्रालय ने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट कर बताया कि शिशु के जन्म के 6 महीने बाद उसे मां के दूध के साथ-साथ ठोस या अर्ध-ठोस खाना देना शुरू कर देना चाहिए। यह बच्चे के विकास के लिए बहुत जरूरी होता है, क्योंकि इस समय उसका दिमाग तेजी से बढ़ता है और शरीर को ज्यादा ऊर्जा, प्रोटीन, आयरन और दूसरे पोषक तत्वों की जरूरत होती है।

आप बच्चे को दिन में 2 से 3 बार हल्का और नरम खाना देना शुरू कर सकते हैं। शुरुआत हमेशा बहुत आसान और पचने वाले भोजन से करनी चाहिए, जैसे दलिया, मूंग दाल का पानी, पतली खिचड़ी, उबली और मसलकर दी गई सब्जियां जैसे आलू, गाजर या लौकी और मसले हुए फल जैसे केला या सेब। ध्यान रखने वाली बात यह है कि खाना बहुत ज्यादा पतला नहीं होना चाहिए। यह थोड़ा गाढ़ा होने के साथ निगलने के लिए मुलायम भी होना चाहिए ताकि बच्चा धीरे-धीरे चबाने और निगलने की आदत भी सीख सके।

शुरुआत में एक समय पर सिर्फ एक नया खाना ही देना चाहिए और उसे कम से कम 3 से 4 दिन तक देना चाहिए। इससे यह पता चलता है कि बच्चे को उस खाने से कोई एलर्जी या परेशानी तो नहीं हो रही है। इस दौरान मां का दूध देना बिल्कुल बंद नहीं करना चाहिए, बल्कि वह पहले की तरह जारी रहना चाहिए।

जैसे-जैसे बच्चा 9 से 12 महीने का होता है, उसे थोड़ा और विविध खाना दिया जा सकता है। इस उम्र में बच्चा उंगलियों से खाना पकड़कर खाने की कोशिश करता है, इसलिए उसे नरम फल, छोटे टुकड़ों में कटी सब्जियां और हल्का घर का खाना दिया जा सकता है। दिन में 3 बार मुख्य भोजन और 1-2 बार हल्का नाश्ता देना सही रहता है।

12 से 24 महीने की उम्र में बच्चा धीरे-धीरे परिवार के साथ वही खाना खाने लगता है, बस उसका खाना थोड़ा नरम और छोटे टुकड़ों में होना चाहिए। इस उम्र में उसे दिन में 3 मुख्य भोजन और 2 हल्के स्नैक्स दिए जा सकते हैं।

एक बहुत जरूरी बात यह भी है कि बच्चे के खाने में हर दिन अलग-अलग तरह के फूड ग्रुप शामिल होने चाहिए, जैसे अनाज, दालें, सब्जियां, फल, दूध और प्रोटीन वाले खाद्य पदार्थ। इससे उसका पूरा विकास अच्छे तरीके से होता है। साथ ही, छोटे बच्चों को ज्यादा चीनी, नमक, जंक फूड, पैकेज्ड जूस और चॉकलेट जैसी चीजों से दूर रखना चाहिए, क्योंकि ये उनकी सेहत के लिए नुकसानदायक हो सकती हैं।

टाइप-2 डायबिटीज से संभव है बचाव, अपनाएं ये 4 आसान उपाय

नई दिल्ली। आज के समय में विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने टाइप 2 डायबिटीज और उससे जुड़ी जटिलताओं से बचाव के लिए लोगों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने की सलाह दी है।

संगठन का कहना है कि छोटी-छोटी आदतों में बदलाव करके इस गंभीर बीमारी के जोखिम को काफी हद तक कम किया जा सकता है। डब्ल्यूएचओ का मानना है कि यदि लोग इन सरल उपायों को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बना लें, तो टाइप 2 डायबिटीज के बढ़ते मामलों को रोका जा सकता है। जागरूकता और सही जीवनशैली अपनाकर इस बीमारी से बचाव संभव है।

डब्ल्यूएचओ के अनुसार, सबसे महत्वपूर्ण बात है शरीर का वजन संतुलित रखना। बढ़ता हुआ वजन डायबिटीज के खतरे को बढ़ा सकता है, इसलिए

नियमित रूप से अपने वजन पर नजर रखना और जरूरत पड़ने पर उसे नियंत्रित करना बेहद जरूरी है।

इसके साथ ही शारीरिक रूप से सक्रिय रहना भी उतना ही अहम है। विशेषज्ञों का सुझाव है कि हर व्यक्ति को रोजाना कम से कम 20 से 30 मिनट व्यायाम करना चाहिए। इसमें तेज चलना, साइकिल चलाना या हल्का-फुल्का खेलकूद शामिल हो सकता है। नियमित व्यायाम शरीर में इंसुलिन के प्रभाव को बेहतर बनाता है और ब्लड शुगर को नियंत्रित रखने में मदद करता है।

खानपान की भूमिका भी डायबिटीज की रोकथाम में बेहद महत्वपूर्ण है। डब्ल्यूएचओ का कहना है कि संतुलित और पौष्टिक आहार लेना चाहिए, जिसमें फल, सब्जियां, साबुत अनाज और प्रोटीन शामिल हों। वहीं, अधिक चीनी और सैचुरेटेड फैट वाले खाद्य पदार्थों से दूरी बनानी चाहिए, क्योंकि ये शरीर में शुगर लेवल को तेजी से बढ़ा सकते हैं। इसके अलावा, तंबाकू का सेवन भी डायबिटीज और उससे जुड़ी जटिलताओं के खतरे को बढ़ाता है। इसलिए लोगों को तंबाकू से पूरी तरह परहेज करने की सलाह दी गई है। तंबाकू छोड़ने से न केवल डायबिटीज का खतरा कम होता है, बल्कि दिल और फेफड़ों की सेहत भी बेहतर रहती है।

गर्मियों में करते हैं मेथी दाने का सेवन, जानें क्या कहता है आयुर्वेद

नई दिल्ली। हमारी भारतीय रसोई में कई ऐसे मसाले हैं, जो औषधि की तरह काम करते हैं। उन्हीं मसालों में एक है मेथी दाना, जिसका पानी पीने या सेवन से शरीर को अनगिनत लाभ मिलते हैं, लेकिन लोगों के मन में सवाल रहता है कि मेथी दाने का सेवन गर्मियों में करने से क्या शुगर लेवल प्रभावित हो सकता है।

मेथी की तासीर गर्म होती है और ऐसे में गर्मियों में इसके प्रभावों पर भी असर पड़ता है।

आयुर्वेद के अनुसार मेथी दाना उष्ण प्रकृति का होता है और वात-कफ को संतुलित करता है। लेकिन गर्मी के मौसम में, जब शरीर में पित्त स्वाभाविक रूप से बढ़ा होता है, तब अधिक मात्रा में इसका सेवन कुछ लोगों में असहजता पैदा कर सकता है। मेथी दाने के सेवन से पेट में जलन, एसिडिटी और कब्ज की समस्या हो सकती है और शुगर लेवल भी प्रभावित हो सकता है, इसलिए गर्मियों में मेथी दाने के सेवन करने के तरीके में बदलाव करना बहुत जरूरी है।

मेथी दाने को रात भर पानी में भिगोकर, सुबह छानकर पानी का सेवन करें। गर्मियों में पानी को गर्म करने से बचें क्योंकि यह जलन और गर्मी दोनों पैदा कर सकता है। इसके साथ ही मेथी दाने की मात्रा भी कम से कम रखें। गर्मियों में शरीर में वात पहले ही बढ़ा होता है, ऐसे में कम मात्रा में ही सेवन करना सही रहेगा।

मेथी दाने के जगह मेथी दाने का पाउडर भी इस्तेमाल कर सकते हैं। मेथी दाने के पाउडर को छाछ या दही में मिलाकर खाने से भी गर्म तासीर कमजोर हो जाती है और मेथी का पूरा फायदा शरीर को मिलता है। छाछ के साथ मेथी लेने से पाचन सही होता है और पेट की गर्मी भी कम होती है। इसके साथ ही शरीर में सूजन की समस्या और जोड़ों के दर्द की परेशानी में भी मेथी दाने का सेवन किया जा सकता है। यह एक प्राकृतिक जड़ी-बूटी की तरह काम करता है।

रागी अंबली: गर्मियों के लिए परफेक्ट ड्रिंक, स्वाद के साथ मिलेगी सेहत भी

नई दिल्ली। गर्मियों का मौसम आते ही शरीर को ऐसी चीजों की जरूरत होती है जो न सिर्फ ठंडक दे बल्कि सेहत भी बेहतर रखे। ऐसे में एक देसी और बेहद फायदेमंद ड्रिंक है रागी अंबली, जो आजकल फिर से लोगों के बीच काफी पसंद की जा रही है। यह सिर्फ एक पेय नहीं है बल्कि एक पारंपरिक हेल्दी रेसिपी है जो शरीर को अंदर से मजबूत और ठंडा रखने में मदद करती है।

रागी अंबली मुख्य रूप से रागी से बनाई जाती है। रागी को सुपरफूड भी कहा जाता है क्योंकि इसमें भरपूर मात्रा में कैल्शियम, फाइबर, आयरन और कई जरूरी पोषक तत्व पाए जाते हैं। यह खासकर उन लोगों के लिए बहुत

अच्छी मानी जाती है जो गर्मियों में जल्दी थक जाते हैं या जिन्हें पाचन की समस्या रहती है। रागी अंबली बनाने का तरीका भी काफी आसान है। सबसे पहले रागी के आटे को पानी में अच्छे से मिलाकर एक पतला घोल बनाया जाता है। फिर इसे धीमी आंच पर पकाया जाता है जब तक यह थोड़ा गाढ़ा और चिकना न हो जाए। इसके बाद इसके छोटे-छोटे गोले बनाकर रात भर पानी में फर्मेंट होने के लिए रख दिया जाता है। अगले दिन इसे मसल कर इसमें छाछ मिलाई जाती है और स्वाद बढ़ाने के लिए इसमें बारीक कटा प्याज, हरी मिर्च, धनिया पत्ती और थोड़ा सा नमक डाला जाता है। इस तरह यह एक स्वादिष्ट और पौष्टिक ड्रिंक बनकर तैयार हो जाती है। रागी अंबली को एक तरह का प्राकृतिक प्रोबायोटिक ड्रिंक भी माना जाता है, खासकर जब इसे फर्मेंट किया जाता है। यह पेट के अच्छे बैक्टीरिया को बढ़ाने में मदद करती है, जिससे पूरी डाइजेशन सिस्टम मजबूत होता है।

गर्मी के मौसम में जब शरीर में गर्मी बढ़ जाती है, तब रागी अंबली एक प्राकृतिक कूलिंग एजेंट की तरह काम करती है। यह पेट को हल्का रखती है और डिहाइड्रेशन से भी बचाती है। जिन लोगों को कब्ज या एसिडिटी की समस्या रहती है, उनके लिए यह बहुत फायदेमंद है। इसमें मौजूद फाइबर पेट को साफ रखने में मदद करता है और खाना जल्दी पचाने में सहायक होता है।

आईपीएल 2026: दिल्ली ने राजस्थान को 7 विकेट से रौंदा

जयपुर। दिल्ली कैपिटल्स को आईपीएल के मौजूदा सीजन में लगातार तीन हार के बाद जीत मिली है। टीम ने शुक्रवार को राजस्थान रॉयल्स को 7 विकेट से हराया।

जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में दिल्ली ने 226 रन का टारगेट 19.1 ओवर में 3 विकेट पर चेज कर दिया। टॉस जीतकर बैटिंग करते हुए राजस्थान ने 20 ओवर में 6 विकेट पर 225 रन बनाए।

दिल्ली की ओर से ओपनर्स ने 110 रन की साझेदारी की। इस साझेदारी ने रन चेज को आसान बना दिया। मैच का स्कोरबोर्ड

राहुल और निसांका ने फिफ्टी लगाई

दिल्ली की ओर से केएल राहुल ने 40 बॉल पर 75 रन की पारी खेली। इस पारी में 6 चौके और 5 छक्के शामिल रहे। राहुल के ओपनिंग पार्टनर पाथुम निसांका ने 33 बॉल पर 6 चौके और 3 छक्के के सहारे 62 रन

बनाए।

रियान शतक, जुरेल-फरेरा फिफ्टी चूके

कप्तान रियान पराग ने 90 रन की पारी खेली। 50 बॉल की पारी में रियान ने 8 चौके और 5 छक्के लगाए। उन्होंने ध्रुव जुरेल के साथ शतकीय साझेदारी की। जुरेल ने 42 रन बनाए। आखिरी डोनोवान फरेरा ने 14 बॉल पर 6 छक्कों के सहारे नाबाद 47 रन बनाए। दिल्ली की ओर से मिचेल स्टार्क ने 3 विकेट झटके। काइल जैमिसन, अक्षर पटेल और टी नटराजन को एक-एक विकेट मिला।

दोनों टीमों की प्लेइंग

राजस्थान- यशस्वी जायसवाल, वैभव सूर्यवंशी, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), रियान पराग (कप्तान), डोनोवन फरेरा, रवींद्र जडेजा, शुभम दुबे, जोफ्रा आर्चर, रवि बिश्नोई, नांद्रे बर्गर और बृजेश शर्मा। इम्पैक्ट प्लेयर: तुषार देशपांडे।

दिल्ली- केएल राहुल, पाथुम निसांका, समीर रिजवी, नीतीश राणा, ट्रिस्टन स्टब्स, अक्षर पटेल (कप्तान), आशुतोष शर्मा, काइल जैमिसन, मिचेल स्टार्क, कुलदीप यादव और टी नटराजन। इम्पैक्ट प्लेयर: अभिषेक पोरेल, विप्रज निगम और मुकेश कुमार।

आईपीएल 2026: जीत की राह पर लौटना चाहेंगी सीएसके और एमआई

चेन्नई। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 में शनिवार को चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) और मुंबई इंडियंस (एमआई) के बीच मुकाबला खेला जाएगा। सीजन का 44वां मैच एमए चिदंबरम स्टेडियम में आयोजित होगा, जिसमें दोनों ही टीमें अपनी किस्मत बदलकर जीत की राह पर लौटना चाहेंगी।

आईपीएल 2026 में चेन्नई सुपर किंग्स 8 में से 5 मैच गंवाकर प्वाइंट्स टेबल में छठे पायदान पर है। छह दिन के ब्रेक के बाद चेन्नई सुपर किंग्स मैदान पर वापसी कर रही है। चेपॉक में गुजरात टाइटंस ने इस टीम को 8 विकेट से हराया था। उस मुकाबले में सीएसके के बल्लेबाज अनुभवी गेंदबाजी आक्रमण के सामने बेबस नजर आए थे। दूसरी ओर, मुंबई इंडियंस भी सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) के हाथों चौंकाने वाली हार झेलने के बाद इस मुकाबले में उतर रही है। एसआरएच को 244 रन का टारगेट देने के बावजूद यह टीम 6 विकेट से मैच गंवा बैठी थी। 8 में से 6 मुकाबले गंवाने के बाद फिलहाल यह टीम प्वाइंट्स टेबल में 9वें पायदान पर मौजूद है। अपने सीजन को बुरे अंजाम से बचाने के लिए उन्हें जीत की सख्त जरूरत है।

चेन्नई सुपर किंग्स और मुंबई इंडियंस ने 5-5 बार आईपीएल खिताब अपने नाम किए हैं। दोनों टीमों के बीच अब तक कुल 40 मैच खेले गए हैं, जिसमें 21 मुकाबले एमआई के पक्ष मे रहे, जबकि 19 मैच सीएसके ने जीते हैं।

आईपीएल 2026: जीटी से हार के बाद भी आरसीबी दूसरे नंबर पर, भुवनेश्वर कुमार के पास पर्पल कैप

नई दिल्ली। आईपीएल 2026 में गुरुवार की शाम अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में गुजरात टाइटंस (जीटी) ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) को 4 विकेट से हरा दिया। इस जीत के साथ जीटी अंकतालिका में पांचवें स्थान पर चली गई है। आरसीबी को हार का नुकसान नहीं हुआ है। टीम अभी दूसरे नंबर पर है।

आइए देखते हैं कि जीटी-आरसीबी मैच के बाद अंकतालिका में कौन सी टीम किस स्थान पर है। साथ ही ऑरेंज और पर्पल कैप किस खिलाड़ी के पास है।

पंजाब किंग्स 8 मैचों से 13 अंक लेकर पहले स्थान पर है। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु 9 मैचों से 12 अंक लेकर दूसरे स्थान पर है। एसआरएच के 9 मैचों से 12 अंक लेकर तीसरे और राजस्थान रॉयल्स 9 मैचों से 12 अंक लेकर चौथे स्थान पर है।

गुजरात टाइटंस 9 मैचों से 10 अंक लेकर पांचवें, चेन्नई सुपर किंग्स 8 मैचों से 6 अंक लेकर छठे, दिल्ली कैपिटल्स 8 मैचों से 6 अंक लेकर सातवें, कोलकाता नाइट

राइडर्स 8 मैचों से 5 अंक लेकर आठवें, मुंबई इंडियंस 8 मैचों से 4 अंक लेकर नौवें और लखनऊ सुपर जायंट्स 8 मैचों से 4 अंक लेकर दसवें स्थान पर है। समान अंकों के बावजूद कई टीमों की रैंकिंग में उनकी रन रेट की वजह से अंतर है। जीटी-आरसीबी मैच के बाद पर्पल कैप एक बार फिर भुवनेश्वर कुमार के पास चली गई है। आरसीबी के इस अनुभवी तेज गेंदबाज ने मैच में शानदार गेंदबाजी करते हुए 4 ओवर में 28 रन देकर 3 विकेट लिए। भुवनेश्वर के 9 मैचों में 17 विकेट हो गए हैं। एसआरएच के तेज गेंदबाज ईशान मलिंगा दूसरे सफल गेंदबाज हैं। ईशान ने 9 मैचों में 15 विकेट लिए हैं। ऑरेंज कैप एसआरएच के सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा के पास मौजूद है। अभिषेक ने 9 मैचों में 425 रन बनाए हैं।

दूसरे नंबर पर एसआरएच के ही विकेटकीपर बल्लेबाज हेनरिक क्लासेन हैं। क्लासेन के 9 मैचों में 414 रन हैं। तीसरे नंबर पर राजस्थान के वैभव सूर्यवंशी हैं। वैभव ने 9 मैचों में 400 रन बनाए हैं।

12 सदस्यों वाली भारतीय शॉटगन टीम दूसरे आईएसएसएफ वर्ल्ड कप स्टेज के लिए तैयार

नई दिल्ली। 12 सदस्यों वाली भारतीय शॉटगन टीम कजाकिस्तान के अल्माटी में होने वाले साल के दूसरे अंतरराष्ट्रीय शूटिंग स्पोर्ट फेडरेशन (आईएसएसएफ) वर्ल्ड कप शॉटगन स्टेज में हिस्सा लेने के लिए पूरी तरह तैयार है।

यह इवेंट 2-11 मई 2026 तक आयोजित होगा। 10 दिन के रोस्टर में पांच ओलंपिक इवेंट्स के लिए 42 नेशनल ओलंपिक कमेटियों का प्रतिनिधित्व करने वाले कुल 284 एथलीट मैदान में हैं। भारतीय टीम के आठ सदस्य आरपीओ (सिर्फ रैंकिंग पॉइंट्स) शूटर्स के तौर पर मुकाबला करने के लिए इवेंट में हिस्सा ले रहे हैं।

मुकाबले सोमवार को पुरुषों और महिलाओं के स्कीट क्वालिफायर के साथ शुरू होंगे। फाइनल अगले दिन खेला जाएगा। दो ट्रैप फाइनल 9 मई को लिस्टेड हैं। पांचवां और आखिरी फाइनल (ट्रैप मिक्स्ड टीम), 10 मई, 2026 को होगा।

शॉटगन स्क्वॉड ने मार्च में मोरक्को के टैंजियर में अपने इंटरनेशनल मुकाबले शुरू किए, जहां पहला विश्व कप स्टेज खेला गया था।

कॉम्पिटिशन के पहले दिन तीन भारतीय ओलंपियन, सीनियर प्रो मैराज अहमद खान और अनंतजीत सिंह नारुका पुरुषों की स्कीट में और रायजा ढिल्लन महिलाओं की स्कीट में हिस्सा लेंगे। तीनों इस साल पहली बार अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मुकाबला करते दिखेंगे।

सबको हराने वाले इटालियंस के अलावा, भारतीय शूटर्स का मुकाबला फिनलैंड, डेनमार्क, चेक रिपब्लिक, साइप्रस, ग्रीस, पेरू और कतर जैसे मजबूत शॉटगन देशों के शीर्ष निशानेबाजों से होगा।

मेजबान कजाकिस्तान के पास भी एक श्रेष्ठ स्क्वॉड है। चीन और रूस का मजबूत प्रतिनिधित्व, जिसमें रूस को व्यक्तिगत न्यूट्रल एथलीट के तौर पर शामिल किया गया है, यह पक्का करेगा कि भारतीय शूटर्स को पोडियम तक पहुंचने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा।

निशानेबाजी में पिछले कुछ समय से अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारतीय निशानेबाजों के प्रदर्शन शानदार रहा है। अल्माटी में भी भारतीय निशानेबाजों से करिश्माई प्रदर्शन की उम्मीद है।

थीगाला की शानदार शुरुआत, टॉप-10 में बनाई जगह

मियामी (यूएसए)। साहिथ थीगाला ने कैडिलैक चैंपियनशिप के पहले राउंड में शानदार प्रदर्शन करते हुए टॉप-10 में जगह बना ली है। उन्होंने 3-अंडर 69 का स्कोर बनाया और संयुक्त रूप से नौवें स्थान पर रहे। वहीं, कैमरून यंग 8-अंडर 64 के शानदार स्कोर के साथ लीड में हैं और थीगला उनसे चार शॉट पीछे हैं।

अक्षय भाटिया ने भी शानदार आगाज किया, जो 2-अंडर 70 के स्कोर के साथ 15वें स्थान पर संयुक्त रूप से हैं। इंडो-कनाडाई सुदर्शन येलामाराजू ने 74 का स्कोर किया और वह फिलहाल 52वें स्थान पर संयुक्त रूप से हैं। यह मुकाबला ट्रंप नेशनल डोराल के चुनौतीपूर्ण 'ब्लू मॉन्स्टर' कोर्स पर खेला जा रहा है।

थीगाला आक्रामक शुरुआत करते हुए अपने पहले पांच होल्स में ही तीन बर्डी लगाकर लीडरबोर्ड पर तेजी से ऊपर चढ़ गए। हालांकि, राउंड के बीच में उनकी रफ्तार थोड़ी धीमी हुई, लेकिन उन्होंने अपना संयम बनाए रखा और पार स्कोर से नीचे बने रहे। उनके स्कोरकार्ड में पार-4 दूसरे, पार-3 तीसरे और पार-4 पांचवें होल पर बर्डी शामिल थीं, जिसके बाद पार-5 10वें और पार-3 15वें होल पर भी उन्हें सफलता मिली। 11वें और 13वें होल पर कुछ शॉट गंवाने के कारण उनका स्कोर और कम नहीं हो पाया, लेकिन 69 का स्कोर उन्हें दौड़ में मजबूती से बनाए रखता है। वे इस सीजन की अपनी पहली जीत की तलाश में हैं, जबकि इस साल वे पहले ही चार बार टॉप-10 में जगह बना चुके हैं।

दूसरी ओर, भाटिया भी टॉप-10 में जगह बनाने की ओर बढ़ रहे थे, लेकिन आखिरी

होल पर हुई एक बड़ी गलती ने उन्हें पीछे धकेल दिया। 17 होल्स तक 3-अंडर पर चल रहे भाटिया का 18वें होल पर टी-शॉट सीधे पानी में चला गया। इसके चलते उन्हें बोगी का सामना करना पड़ा और वे खिसककर 15वें स्थान पर बराबरी पर आ गए।

लीडरबोर्ड के शीर्ष पर, यंग ने एक भी बोगी न करते हुए शानदार राउंड खेला। उनके खेल की मुख्य बातें थीं सटीक आयरन प्ले और पुटर का बेहतरीन इस्तेमाल, जिसकी मदद से उन्होंने कई लंबी बर्डी पुट्स को होल में डाला। उनके पास जॉर्डन स्पीथ और एलेक्स स्मैली पर एक शॉट की बढ़त है। ये दोनों ही 7-अंडर पर चल रहे हैं। स्पीथ के राउंड की खासियत थी पार-5 आठवें होल पर बनाया गया 'ईगल', जिसने उनके बैक-नाइन में हुई कुछ बोगियों की भरपाई कर दी।

वर्ल्ड नंबर 1 खिलाड़ी स्कॉटी शेफलर का दिन मिला-जुला रहा। उन्होंने शुरुआत तो शानदार की और शुरुआती तीन होल्स में तीन बर्डी बनाईं, लेकिन 10वें और 11वें होल पर लगातार बोगी बनाकर वे पिछड़ गए और 1-अंडर पर अपना खेल खत्म किया।

कनाडा के निक टेलर 6-अंडर 66 के स्कोर के साथ चौथे स्थान पर हैं, जबकि निको एचावरिया, जिन्होंने इस सीजन की शुरुआत में 'द पाम बीचेस' में हुए 'कॉग्निजेंट क्लासिक' का खिताब जीता था, उन्होंने 67 के स्कोर के साथ अपने अभियान की शुरुआत की। गैरी वुडलैंड भी 68 के स्कोर के साथ मुकाबले में बने हुए हैं। थीगाला शुक्रवार को टेलर पेंड्रिथ के साथ अपने दूसरे राउंड की शुरुआत करेंगे, और उनका लक्ष्य अपनी शानदार शुरुआत को और बेहतर बनाना होगा।

कनाडा क्रिकेट: मोंटी देसाई पुरुष टीम के हेड कोच बने

टोरंटो । क्रिकेट कनाडा ने मोंटी देसाई को पुरुषों की नेशनल टीम का हेड कोच बनाया है। देसाई की नियुक्ति को कनाडा क्रिकेट के विकास के लिए अहम माना जा रहा है। कनाडा पुरुष क्रिकेट टीम का हेड कोच नियुक्त किए जाने के बाद मोंटी देसाई ने कहा, 'मुझे यह जिम्मेदारी लेते हुए गर्व महसूस हो रहा है। मैं क्रिकेट कनाडा को उनके भरोसे के लिए धन्यवाद देता हूं। कनाडा में मेरे पिछले अनुभव ने मुझे संभावना और खेल के लिए मौजूद पैशन को स्पष्ट तौर पर समझने में मदद की है।

उन्होंने कहा, 'वैश्विक रूप से क्रिकेट के विकास में एसोसिएट क्रिकेट का विकास अहम है। नेपाल और अफगानिस्तान जैसी टीमों ने दिखाया है कि विश्वास, अनुशासन और निडरता से क्या हासिल किया जा सकता है। कनाडा के पास भी ऐसा ही मौका है, और मेरा फोकस एक ऐसी संस्कृति बनाने पर होगा जो इस क्षमता को अंतरराष्ट्रीय मंच पर लगातार प्रदर्शन में बदल दे।

क्रिकेट कनाडा के अध्यक्ष अरविंदर खोसा ने कहा, 'हमारी सबसे पहली प्राथमिकता,

प्रोफेशनलिज्म और लक्ष्य की एक नई और मजबूत भावना के जरिए क्रिकेट कनाडा की पहचान को फिर से बनाना है। मोंटी देसाई की नियुक्ति इसी उद्देश्य के साथ की गई है। एसोसिएट देशों, खासकर नेपाल और अफगानिस्तान के साथ उनका अनुभव, प्रभावी नेतृत्व, अनुशासन और एक साफ लंबी अवधि के जरिए टीमों को बदलने की उनकी काबिलियत दिखाता है। हमें भरोसा है कि उनके नेतृत्व में कनाडा क्रिकेट टीम तरक्की करेगी। क्रिकेट कनाडा के सचिव परमजीत सैनी ने कहा, 'हम क्रिकेट कनाडा में मोंटी का दिल से स्वागत करते हैं। नेपाल और अफगानिस्तान जैसी टीमों के साथ उनका ट्रैक रिकॉर्ड अपने आप में बहुत कुछ कहता है।

आईसीसी विमेंस वनडे रैंकिंग: वर्ल्ड कप जीतने के बावजूद तीसरे पायदान पर भारत, ऑस्ट्रेलिया शीर्ष पर काबिज

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम ने आईसीसी विमेंस वनडे टीम रैंकिंग में सालाना अपडेट के बाद शीर्ष पायदान पर अपना दबदबा बनाए रखा है। वहीं, आईसीसी विमेंस वर्ल्ड कप 2025 जीतने के बावजूद भारत ने तीसरे स्थान पर अपनी जगह पक्की रखी है।

ऑस्ट्रेलियाई टीम रेटिंग प्वाइंट्स में 2 अंकों की मामूली गिरावट के बाद शीर्ष पर बनी हुई है। इंग्लैंड 128 रेटिंग प्वाइंट्स के साथ दूसरे स्थान पर है। इंग्लिश टीम रेटिंग में मामूली बढ़त के बावजूद अभी भी टॉप पर मौजूद टीम से काफी पीछे है।

भारतीय टीम 124 रेटिंग प्वाइंट्स के साथ तीसरे पायदान पर बनी हुई है। यह सब टीम के यादगार वर्ल्ड कप अभियान के बाद हुआ है, जिसमें उन्होंने ऐतिहासिक प्रदर्शन करते हुए खिताब जीता था, जिसमें

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सेमीफाइनल में मिली शानदार जीत भी शामिल है।

साउथ अफ्रीका (100), न्यूजीलैंड (93), और श्रीलंका (89) टॉप-6 टीमों की सूची को पूरा करते हैं। सालाना अपडेट के बाद रैंकिंग के ऊपरी हिस्से में स्थिरता बनी हुई है। बांग्लादेश 73 रेटिंग प्वाइंट्स के साथ सातवें स्थान पर पहुंच गया है, जिससे उसने पाकिस्तान को पछाड़ दिया है, जो 72 प्वाइंट्स के साथ 8वें स्थान पर खिसक गया है। रैंकिंग में शेष स्थानों पर मौजूद टीमों के बीच बहुत कम बदलाव देखने को मिला है। इस बीच, थाईलैंड और नीदरलैंड्स रैंकिंग से अस्थायी तौर पर बाहर हो गए हैं, क्योंकि वे पिछले तीन वर्षों में कम से कम आठ वनडे मैच खेलने की शर्त को पूरा नहीं कर पाए हैं। थाईलैंड को रैंकिंग में वापस आने के लिए सिर्फ एक और मैच की जरूरत है, जबकि नीदरलैंड्स को तालिका में फिर से शामिल होने के लिए दो और वनडे मैच खेलने होंगे। भारतीय महिला टीम ने आखिरी बार ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उन्हीं के देश में एक वनडे सीरीज खेली थी, जिसमें वर्ल्ड कप जीतने के बाद भी उन्हें तीनों मुकाबलों में हार का सामना करना पड़ा था। सालाना रैंकिंग अपडेट का सिलसिला आने वाले दिनों में भी जारी रहेगा। आईसीसी मेंस और विमेंस टी20 टीम रैंकिंग 5 मई को जारी की जाएगी। इसके बाद 7 मई को ताजा वनडे मेंस टीम जारी होगी।

थॉमस और उबर कप: भारतीय पुरुष टीम ने चीनी ताइपे पर बनाई 3-0 की अजेय बढ़त, सेमीफाइनल में जगह पक्की

होरासेंस (डेनमार्क)। पूर्व चैंपियन भारत ने चीनी ताइपे के खिलाफ 3-0 की अजेय बढ़त बनाकर थॉमस और उबर कप फाइनल 2026 के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। भारत ने साल 2022 में 43 वर्षों में पहली बार थॉमस कप के सेमीफाइनल में जगह बनाई थी। इससे पहले, भारतीय पुरुष टीम 1952, 1955 और 1979 में थॉमस कप के सेमीफाइनल तक पहुंची थी।

भारतीय पुरुष टीम अपने ग्रुप में चीन के बाद दूसरे स्थान पर रही थी। शुक्रवार को डेनमार्क के होरसेंस में भारत ने लक्ष्य सेन की जीत के साथ अजेय बढ़त बनाई। लक्ष्य सेन ने चो टिएन चेन को 18-21, 22-20, 21-17 से हराया। पहला गेम हारने के बाद वापसी करते हुए उन्होंने 88 मिनट में यह मुकाबला अपने नाम किया।

पुरुष युगल में, पूर्व वर्ल्ड नंबर 1 जोड़ी सात्विकसाईराज

रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी ने चीनी ताइपे के चियू हिसयांग चिएह और वांग ची-लिन को शिकस्त दी। उन्होंने तीन गेम के इस मुकाबले को 23-21, 19-21, 21-12 से अपने नाम किया। इसके बाद आयुष शेट्टी ने दूसरे एकल मुकाबले में लिन चुन-यी को हराकर 3-0 की बढ़त सुनिश्चित करते हुए सीधे गेम में 21-16, 21-17 से जीत हासिल की। सेमीफाइनल में शनिवार को भारत का मुकाबला फ्रांस और जापान के बीच होने वाले मैच के विजेता से होगा, जिसके अगले दिन टूर्नामेंट का समापन फाइनल मैच के साथ होगा। लक्ष्य सेन ने चो टिएन चेन के खिलाफ शानदार वापसी करते हुए जीत हासिल की, जिससे थॉमस कप के नॉकआउट मुकाबले में भारत को एक महत्वपूर्ण बढ़त मिली। कुछ समय बाद ऐसा लग रहा था कि मैच भारतीय खिलाड़ी के हाथ से फिसल रहा है, क्योंकि दूसरे गेम में उन्हें तीन मैच प्वाइंट्स का सामना करना पड़ा था, लेकिन उन्होंने धैर्य बनाए रखते हुए तीनों मैच प्वाइंट्स बचाए और मुकाबले को निर्णायक गेम तक पहुंचाया।

तीसरे गेम में मैच का रुख पूरी तरह बदल गया। सेन ने चेन को अपनी रणनीति से मात दी। उन्होंने सेट की शुरुआत में ही जबरदस्त बढ़त बना ली, जिससे चेन उनकी रफ्तार का जवाब ढूंढने में जूझते नजर आए।

चीनी ताइपे के स्टार खिलाड़ी ने आखिर में वापसी करते हुए अंकों का फासला कम करने की कोशिश की, लेकिन सेन ने मैच अपने नाम करते हुए जीत पक्की कर ली। दूसरे मुकाबले में सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी ने 18-20 से पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करते हुए पहला गेम 23-21 से जीत लिया।

स्वात्वधिकारी राइवल्स मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक सुजीत कुमार द्वारा साई प्रीटिंग प्रेस, डी-85, सेक्टर 6 नोएडा,गौतम बुध्द नगर पिन कोड -201301 उ.प्र. से मुद्रित और मकान संख्या एन-58 जगतराम पार्क के सामने, लक्ष्मी नगर पूर्व दिल्ली-110053 से प्रकाशित

समाचार संपादक : चन्द्रमणी साव (पीआरबी एक्ट के अनुसार समाचार पत्र चयन एवं संपादन के लिए उत्तरदायी। नोट किसी भी विवाद के निपटारे के लिए न्यायक्षेत्र दिल्ली होगा) मोबाइल 9340573892 ई-मेल: vishwakesari2026@gmail.com,आर.एन.आई.नं. DLHIN/2015/61415